THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 169 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.8 2082 रविवार, 14 सितंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

डूबने से मां समेत तीन बच्चों की मौत

आसिफाबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वांकिडी मंडल के धाबा गांव के पास बने तालाब में गिरने से मां और तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक मौरले निर्मला बाई अपने खेत में यूरिया डालने के लिए गई थी। खेत में निर्मला बाई अपने परिवार के बच्चों के साथ काम कर रही थी। इसी बीच एक बच्चा मोरले गन्नू (12) पानी लाने के लिए तालाब के किनारे गया। और पानी लेते समय फिसल कर तालाब में डूब गया। वडे महेश्वरी (9), अधे शशि कला (9) और बच्चे तालाब भी तालाब के किनारे पानी लाने के लिए गए और वह दोनों भी तालाब में डूब गए। यह सब देखकर मोरले निर्मला (35) अपने बच्चों को बचाने के लिए तालाब में कूद पड़ी लेकिन वह भी डूब गई और उसकी भी मौत हो गई। इससे गांव में मातम छा गया है।

सरकार आपके साथ : मोदी

मणिपुर में पीएम मोदी ने लोगों से की शांति के मार्ग पर चलने की अपील

इंफाल, 13 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को मणिपुर का दौरा किया। दो साल पहले भड़की हिंसा के बाद पीएम मोदी का यह इस पूर्वोत्तर राज्य का पहला दौरा है। उन्होंने मणिपुर के चुराचांदपुर में विभिन्न विकास कार्यों की आधारशिला रखी। इस दौरान उन्होंने जनसभा को भी संबोधित किया। पीएम मोदी ने मणिपुर के लोगों से वादा करते हुए कहा, मैं आपके साथ हूं, भारत सरकार मणिपुर के लोगों के साथ है।

उन्होंने कहा, मैं मणिपुर के लोगों के जज्बे को सलाम करता हूं। भारी बारिश के बावजूद आप इतनी बड़ी संख्या में यहां एकत्रित हुए हैं और मैं आपके प्यार और स्नेह के लिए तहे दिल से आभारी हूं। जब मौसम की वजह से मेरा हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका, तो मैंने सड़क मार्ग से यात्रा करने का विकल्प चुना। सड़क किनारे

लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर मेरा स्वागत किया। मुझे जो गर्मजोशी और प्यार मिला, उसे मैं कभी नहीं भूल पाऊंगा। मैं मणिपुर के लोगों के प्रति सम्मानपूर्वक अपना सिर झुकाता हूं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मणिपुर की धरती आशा और आकांक्षाओं की धरती है। दुर्भाग्य से इस खूबसूरत क्षेत्र पर हिंसा का साया पड़ गया है। कुछ समय पहले मैं राहत शिविरों में रह रहे प्रभावित लोगों से मिला। उनसे मिलने के बाद मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि मणिपुर में आशा और विश्वास का एक नया सवेरा उग रहा है। कहीं भी विकास की जड़ें जमाने के लिए शांति आवश्यक है। पिछले 11 वर्षों में पूर्वोत्तर में कई संघर्षों और विवादों का समाधान हुआ है। लोगों ने शांति का मार्ग चुना है और विकास को प्राथमिकता दी है। हमें संतोष है कि हाल ही में पहाड़ियों और घाटियों में विभिन्न समूहों के साथ समझौतों पर बातचीत हुई है। ये भारत सरकार के प्रयासों का हिस्सा हैं, जिनमें संवाद, सम्मान और आपसी समझ को महत्व देते हुए शांति स्थापित करने का कार्य किया जा रहा है। मैं सभी संगठनों से शांति के मार्ग पर आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने की अपील करता हूं। मैं आपके साथ हूं, भारत सरकार मणिपुर के लोगों के साथ है।

मणिपुर की ये धरती हौसलों और हिम्मत की धरती :

उन्होंने कहा, मणिपुर की ये धरती हौसलों और हिम्मत की धरती है। ये हिल्स... प्रकृति का अनमोल उपहार हैं, और साथ ही ये हिल्स आप सभी लोगों की निरंतर मेहनत का भी प्रतीक हैं। मणिपुर के नाम में ही मणि है, ये वो मणि है, जो आने वाले समय में पूरे नॉर्थ-ईस्ट की चमक को बढ़ाने वाली है। भारत सरकार का निरंतर प्रयास रहा है कि मणिपुर को विकास के रास्ते पर तेजी से आगे ले जाएं। इसी कड़ी में मैं आज यहां आप सभी के बीच आया हूं। थोड़ी देर पहले इसी मंच से करीब 7 हजार करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास हुआ है। ये प्रोजेक्ट्स मणिपुर के लोगों की, यहां हिल्स पर रहने वाले ट्राइबल समाज की जिंदगी को और बेहतर बनाएंगे।

एसआईआर का निर्देश देना उसके विशेषाधिकार में दखल : चुनाव आयोग

सुप्रीम कोर्ट में कहा- वोटर लिस्ट बनाना और बदलना सिर्फ ईसी का अधिकार

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग (ईसी) ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि पूरे देश में समय-समय पर स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) कराना उसका विशेषाधिकार है। कोर्ट इसका निर्देश देगी तो ये अधिकार में दखल होगा।

आयोग ने कोर्ट में दाखिल अपने हलफनामे में कहा कि संविधान के अनुच्छेद 324 के अनुसार वोटर लिस्ट बनाना और उसमें समय-समय पर बदलाव करना सिर्फ चुनाव आयोग (ईसी) का अधिकार है। यह काम न किसी और संस्था और न ही अदालत को दिया जा सकता।

चुनाव आयोग ने कहा कि वह अपनी जिम्मेदारी समझता है और वोटर लिस्ट को पारदर्शी रखने के लिए लगातार काम करता है। यह हलफनामा एडवोकेट अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका पर दायर किया गया था। चुनाव आयोग को भारत में विशेष रूप से चुनावों से पहले समय एसआईआर कराने का निर्देश दिया जाए। ताकि देश की राजनीति और नीति केवल भारतीय नागरिक ही तय करें। ईसी ने 5 जुलाई 2025 को बिहार को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य चुनाव अधिकारियों (सीईओ) को पत्र भेजकर 1 जनवरी 2026 की पात्रता तिथि के आधार पर एसआईआर की तैयारियां शुरू करने का निर्देश दिया था।

चुनाव आयोग ने हलफनामे में कहा- धारा 21 के मुताबिक, वोटर लिस्ट में बदलाव करने की कोई तय समय-सीमा नहीं है। बल्कि ये सामान्य जिम्मेदारी है, जिसे हर आम चुनाव, विधानसभा चुनाव या किसी सीट के खाली होने पर होने वाले उपचुनाव से पहले पूरा करना जरूरी है।

हैदराबाद में मूसी नदी का जलस्तर बढ़ा

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार देर रात उस्मान सागर और हिमायत सागर जलाशयों से मूसी नदी में भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण मूसारामबाग पुल को बंद कर दिया गया। पुलिस ने बढ़ते जल स्तर को देखते हुए पुल के दोनों ओर बैरिकेड्स लगाए और यातायात को वैकल्पिक मार्गों की ओर मोड़ दिया। यात्रियों को ओवरपास और अंडरपास के माध्यम से निकटवर्ती रास्तों से गुजरने की सलाह दी गई है ताकि जाम से बचा जा सके और वाहनों की आवाजाही सुचारू बनी रहे। पिछले एक महीने में यह चौथी बार है जब हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वॉटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड द्वारा अतिरिक्त बाढ़ का पानी छोड़े जाने के बाद पुल को बंद करना पड़ा है। स्थानीय लोग और व्यापारी पुल बंद होने से होने वाली असुविधा को लेकर चिंतित हैं। हालांकि, अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि जनता की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है और असुविधा को कम करने के लिए सभी कदम उठाए जा रहे हैं।

नेपाल हिंसा में पीएम पद छोड़ने वाले ओली पर एफआईआर

काठमांडू, 13 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के खिलाफ शनिवार को राजधानी काठमांडू में एफआईआर दर्ज की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ओली पर आरोप है कि 8 सितंबर को जब आंदोलन शुरू हुआ था, तब उन्होंने पुलिस को प्रदर्शनकारियों पर हमले और ज्यादती का आदेश दिया था। ओली ने भारी दबाव के बीच 9 सितंबर को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसके बाद से ही वो आर्मी की सुरक्षा में हैं।

वहीं, नेपाल की अंतरिम पीएम सुशीला कार्की आज घायल आंदोलनकारियों से मिलने काठमांडू के हॉस्पिटल पहुंची। सुशीला कार्की ने शुक्रवार को ही नेपाल के अंतरिम पीएम पद की शपथ ली है। उन्हें 5 मार्च, 2026 तक संसदीय चुनाव कराने की जिम्मेदारी दी गई है। 6 दिनों की हिंसा के बाद काठमांडू के कई इलाकों से कर्फ्यू हटा दिया गया है।

वहीं, 6 जगहों पर अब भी कर्फ्यू जारी है। यहां 5 से ज्यादा लोगों के इकट्ठा होने, भूख हड़ताल, धरना, घेराव, जुलूस और सभा करने पर रोक लगा दी गई है। नोटिस में कहा गया है कि यह आदेश दो महीने तक लागू रहेगा।

पीएम मोदी ने सुशीला कार्की को बधाई दी :

पीएम मोदी ने शनिवार सुबह नेपाली, हिंदी और अंग्रेजी में सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए नेपाल की नई प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को शुभकामनाएं दीं। मोदी ने कहा, नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करने पर सुशीला कार्की को हार्दिक बधाई। भारत नेपाल में अपने भाइयों और बहनों की शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

'सपनों का घर अधूरा न रह जाए' : सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को आवास पुनरुद्धार कोष बनाने का निर्देश

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने करदाताओं और मध्यम वर्गीय घर खरीदारों को लेकर केंद्र सरकार को अहम निर्देश दिए है। कोर्ट ने घर खरीदारों की स्थिति को देखते हुए सरकार से कहा है कि वह अधूरे पड़े आवास परियोजनाएं को पूरा करने के लिए एक पुनरुद्धार फंड की स्थापना पर विचार करे। बता दें कि यह फंड ऐसे परियोजनाओं को अस्थायी वित्तीय सहायता देगा जो संकट में चल रहे हैं, ताकि घर खरीदारों के हितों की रक्षा हो सके।

मामले में सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति जेबी पारडीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि राज्य का संवैधानिक कर्तव्य है कि वह एक ऐसा सिस्टम बनाए जिसमें कोई भी बिल्डर घर खरीदारों के साथ धोखा न कर सके और समय पर प्रोजेक्ट पूरा हो। कोर्ट ने कहा कि सरकार मूकदर्शक नहीं बन सकती और उसे घर खरीदारों और देश की अर्थव्यवस्था दोनों की रक्षा करनी होगी।

आरईआरए को लेकर कोर्ट की टिप्पणी :

कोर्ट ने कहा कि रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (आरईआरए) जैसे संस्थान तब तक कारगर नहीं बन सकते जब तक उनके पास पर्याप्त संसाधन, अधिकार और अमल करने की ताकत न हो। इसके लिए कोर्ट ने हर राज्य की आरईआरए को छह महीने में मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने का निर्देश भी दिया है ताकि खरीदारों के पैसे का सही इस्तेमाल हो।

हिमाचल की बेटी ऑस्ट्रेलिया में डिप्टी हाई-कमिश्नर बनीं

मनाली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति जिले की इरीना ठाकुर को ऑस्ट्रेलिया में भारत की डिप्टी हाई कमिश्नर नियुक्त किया गया है। वह कैनबरा स्थित भारतीय उच्चायोग में यह जिम्मेदारी संभालेंगी। इरीना ने 2012 में सिविल सेवा परीक्षा पास कर भारतीय विदेश सेवा में प्रवेश किया था।

उन्होंने विदेश मंत्रालय में कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है। श्रीलंका के कोलंबो में भारतीय उच्चायोग में प्रथम सचिव के रूप में उन्होंने दोनों देशों के संबंधों को मजबूत किया। इरीना को विदेश नीति निर्माण, कूटनीतिक संबंध, पासपोर्ट और वीजा सेवाओं का विशेष अनुभव है। लाहौल-स्पीति की विधायक अनुराधा राणा ने कहा कि यह जिले के लिए गौरव की बात है। इस नियुक्ति से जनजातीय जिले का नाम रोशन हुआ है।

पूर्व विधायक रवि ठाकुर ने कहा कि पहले भी लाहौल की बेटियां इतिहास रच चुकी हैं। लेकिन लाहौल के शाशा गांव की बेटी इरीना की यह नियुक्ति भारत सरकार की महिला सशक्तिकरण की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। एक जनजातीय क्षेत्र से आने वाली महिला अधिकारी को इतनी अहम जिम्मेदारी मिलना युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक है।

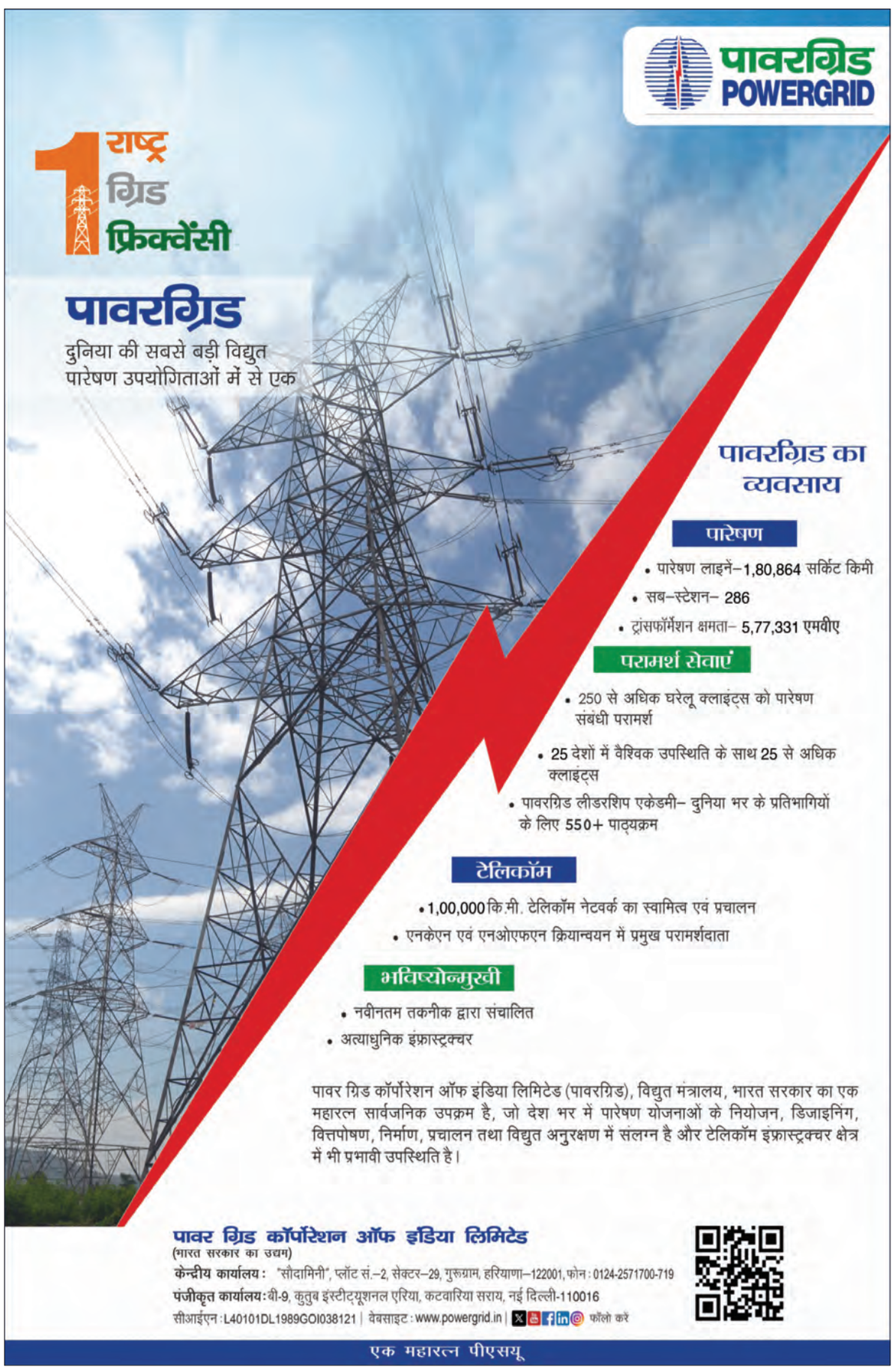

राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड में राजभाषा हिंदी का कार्यान्वयन

राजभाषा नियम, 1976 के नियम 10(4) के अंतर्गत भारत के राजपत्र में भी अधिसूचित किया गया है क्योंकि एनएफडीबी में कार्यरत 80% से अधिक कर्मचारी हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान रखते हैं

डॉ बिजय कुमार बेहेरा, मुख्य कार्यपालक, एनएफडी बी

राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड (एनएफडी बी) एक स्वायत्त संगठन हैं, जिसकी स्थापना मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में वर्ष 2006 में हुई थी. एन एफ डी बी का मुख्य उद्देश्य संवहनीय जलीय कृषि, मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा देना और विभिन्न विकासपरक योजनाओं के जरिए मछुआरों के जीवन स्तर में सुधार लाना है. एनएफडी बी भारत में मात्स्यिकी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना का कार्यान्वयन कर रहा है. जिसका उद्देश्य मत्स्य उत्पादन, जलीय कृषि को बढ़ावा देना और मूलभूत संरचना का विकास है. एन एफ डी बी मात्स्यिकी और जल कृषि मूलभूत संरचना विकास निधि(एफआईडीएफ) का कार्यान्वयन कर रहा है. एनएफडीबी कौशल विकास और उद्यमी मॉडल का कार्यान्वयन और समूह दुर्घटना बीमा योजना (जीएआईएस) और जल कृषि फसल बीमा योजना को कार्यान्वित कर रहा है ताकि इस क्षेत्र में लगे किसानों को वित्तीय सुरक्षा एवं समर्थन प्राप्त हो सके. राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड, हैदराबाद राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है। यहाँ राजभाषा प्रकोष्ठ स्थापित है।

यहाँ कार्यालयाध्यक्ष की अध्यक्षता में एक राजभाषा कार्यान्वयन समिति गठित की गई है, जिसकी त्रैमासिक बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं और हिंदी के प्रयोग तथा राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा की जाती है। हिंदी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित त्रैमासिक रिपोर्ट नियमित रूप से भारत सरकार, राजभाषा विभाग को ऑनलाइन भेजी जाती है और इसकी प्रतिलिपि मत्स्य पालन विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली तथा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-2, हैदराबाद को भी भेजी जाती है। कर्मचारियों को हिंदी में अपना सरकारी कार्य करने के लिए प्रशिक्षित और प्रेरित करने हेतु त्रैमासिक अंतराल पर हिंदी कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं।

एनएफडीबी को राजभाषा नियम, 1976 के नियम 10(4) के अंतर्गत भारत के राजपत्र में भी अधिसूचित किया गया है क्योंकि एनएफडीबी में कार्यरत 80% से अधिक कर्मचारी हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान रखते हैं। 14 सितंबर, 2024 को हिंदी दिवस के अवसर पर, माननीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री का संदेश सभी कर्मचारियों के बीच प्रसारित किया गया। हिंदी दिवस 2024 के उपलक्ष्य में, एनएफडीबी हैदराबाद मुख्यालय और भुवनेश्वर एवं गुवाहाटी स्थित इसके दोनों क्षेत्रीय केंद्रों में हिंदी पखवाड़ा मनाया गया।

इस दौरान, विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर, कर्मचारियों के बच्चों के लिए हिंदी कविता/गीत प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में, सभी पुरस्कार विजेता कर्मचारियों और बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए गए। एनएफडीबी नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नगर राजभाषा) - 2 हैदराबाद का सदस्य है और सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

एनएफडीबी, हैदराबाद (नगरपालिका)-2 के तत्वावधान में आयोजित हिंदी कार्यशालाओं, प्रतियोगिताओं और अन्य गतिविधियों में योगदान दे रहा है।

हमारे कर्मचारियों को इन कार्यक्रमों में नामांकित किया जाता है और वे उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं। एनएफडीबी, हैदराबाद भारत सरकार की मत्स्य पालन से संबंधित विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों और उपलब्धियों से संबंधित सभी प्रकाशन जैसे पुस्तिकाएँ, पर्चे, पोस्टर, ब्रोशर और अन्य सामग्री हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रकाशित करता है। मत्स्य पालन विकास की एक प्रमुख पहल, प्रधानमंत्री मत्स्य योजना (पीएमएमएसवाई) जैसी योजनाओं के कार्यान्वयन में भी हिंदी का उपयोग किया जाता है।

मेरी ओर से एवं एनएफडी बी की ओर से सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

संस्थान की दूरदृष्टि: शरीर को पोषण व देश को एक्सलरेशन

डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती
निदेशक, भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

आज भारत हर क्षेत्र में अपना अद्भुत परचम लहरा रहा है, फिर चाहे वह खाद्य व पोषण सुरक्षा का क्षेत्र हो, चाहे संप्रेषण का, चाहे सूचना प्रौद्योगिकी का, चाहे स्वास्थ्य का, चाहे रक्षा का आदि। आज हम आत्म निर्भर ही नहीं, बल्कि दूसरे देशों को भी अपनी सेवाएं एवं योगदान देने में सक्षम हैं। हैदराबाद स्थित भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, श्री अन्न अनुसंधान तथा विकास पर कार्यरत देश का एकमात्र संस्थान है जो देश के गरीब किसानों के साथ-साथ लोगों के स्वास्थ्य का हितैषी भी है।

यह संस्थान 'श्री अन्न (मिलेट्स)' अर्थात बाजरा, ज्वार, रागी, कंगनी, कोदो, कुटकी, सावां, चेना, छोटी कंगनी आदि के अनुसंधान एवं विकास कार्यों को आगे बढ़ा रहा है ताकि भारत ही नहीं संपूर्ण विश्व खाद्य एवं पोषण की समस्या से उभर सके। संस्थान में स्थापित न्यूट्रीहब, श्री अन्न के क्षेत्र में नवोद्यमियों (स्टार्टअपों) को आगे बढ़ाने हेतु प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण प्रदान करता है और इसके प्रयासों के परिणामस्वरूप 450 से ज्यादा नवोद्यमी लाभान्वित हुए हैं तथा श्री अन्न के क्षेत्र में सफलता के साथ व्यवसाय कर रहे हैं। इस संस्थान की गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए इसे "श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र" में उन्नत किया गया ताकि इस संस्थान के अनुसंधान एवं परिणामों से पूरा विश्व लाभान्वित हो सके। इसके अलावा भारत की जी20 अध्यक्षता को दौरान लिए गए निर्णय के अनुसार इस संस्थान में "श्री अन्न एवं अन्य प्राचीन अनाज पर अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पहल (महर्षि)" का सचिवालय भी स्थापित किया गया है।

हमारे संस्थान ने विविध प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण हेतु देश-विदेश स्थित कई सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठनों के साथ करार ज्ञापन एवं समझौते किए हैं ताकि श्री अन्न विभिन्न रूपों में हर वर्ग तक पहुंच सके।

यह संस्थान अपने समर्पित प्रयासों से भारत ही नहीं संपूर्ण विश्व को खाद्य एवं पोषण सुरक्षा प्रदान करने की ओर अग्रसर है। हमारा संस्थान राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में भी पूरी तत्परता के साथ अग्रसर है। हाल ही में हमारे संस्थान द्वारा प्रकाशित "नवीनतम श्री अन्न उत्पादन एवं प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियां" नामक पुस्तक का राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा हैदराबाद में आयोजित राजभाषा स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान विमोचन किया गया। यह संस्थान विविध भारतीय भाषाओं में प्रशिक्षणों, ज्ञानवर्धन दौरों, प्रक्षेत्र दिवसों आदि के माध्यम से किसानों, केंद्र एवं राज्यों के कृषि अधिकारियों व अन्य कार्यकर्ताओं, नवोद्यमियों, छात्रों, शोधकर्ताओं आदि को श्री अन्न की खेती की उन्नत प्रक्रियाओं तथा उनके विविध लाभ से अवगत करा रहा है।

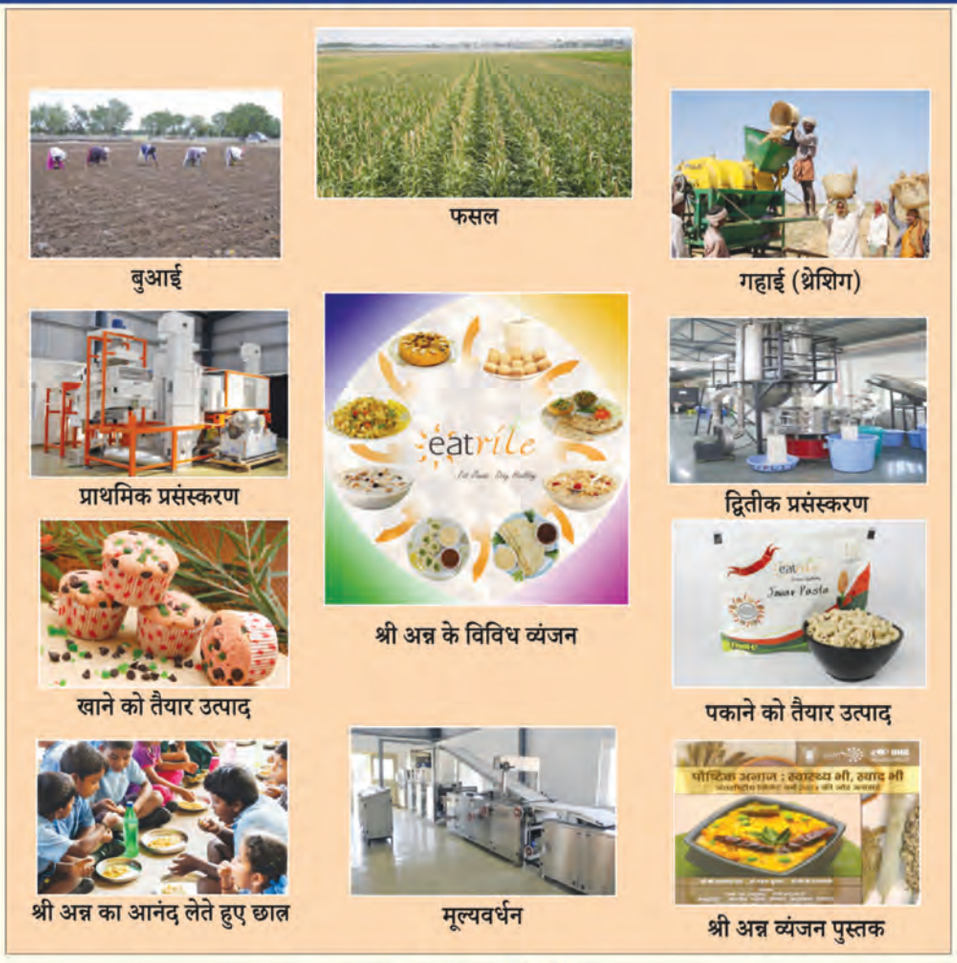

हमारे शोध परिणामों को हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं में लाना, प्रत्येक भारतीय तक उनकी पहुंच को सुलभ बनाकर भारत को तीव्र गति प्रदान करने में सहायक होंगे। इस संस्थान के श्री अन्न संबंधी अथक अनुसंधान प्रयास संपूर्ण विश्व को खाद्य एवं पोषण सुरक्षा प्रदान के साथ-साथ लोगों को उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करने में भी महत्वपूर्ण होंगे। जयहिंद!

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 14 सितंबर, 2025

युविचार

राष्ट्र भाषा के बिना एक राष्ट्र गूंगा है

हिंदी : भारतीय अस्मिता का प्रतीक और एकता का सूत्र

डॉ. एस वी एस नारायण मूर्ति
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मिधानि

हिंदी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि भारतीय अस्मिता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है। यह हमारी परंपराओं, मूल्यों और विविधताओं को जोड़ने वाली वह कड़ी है, जो भारत की आत्मा को अभिव्यक्त करती है। संविधान सभा ने 14 सितंबर 1949 को हिंदी को संघ की राजभाषा का दर्जा प्रदान किया और उसी दिन की याद में हिंदी दिवस मनाया जाता है। यह अवसर हमें हिंदी की शक्ति और हमारे जीवन में उसकी अनिवार्यता का स्मरण कराता है।

आज हिंदी विश्व की प्रमुख भाषाओं में गिनी जाती है। करोड़ों लोग इसे अपनी मातृभाषा या संपर्क भाषा के रूप में बोलते हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया ने इसकी पहुँच को और व्यापक बनाया है। हिंदी ने सिद्ध किया है कि वह आधुनिकता और तकनीक के साथ कदमताल कर सकती है और विज्ञान व प्रौद्योगिकी जैसे जटिल विषयों को भी सरल भाषा में प्रस्तुत करने की क्षमता रखती है।

विज्ञान और तकनीकी लेखन में हिंदी की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। यदि वैज्ञानिक और तकनीकी जानकारी केवल अंग्रेज़ी में सीमित हो, तो समाज का एक बड़ा वर्ग उससे वंचित रह जाता है। हिंदी के माध्यम से विज्ञान को जन-जन तक पहुँचाना संभव है। तकनीकी शब्दावली के हिंदी रूपों का प्रयोग और प्रशिक्षण इस दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम हैं। इससे राष्ट्र की वैज्ञानिक चेतना सशक्त होगी।

मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) एक तकनीकी संगठन है। यहाँ राजभाषा हिंदी का कार्यान्वयन एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। उच्च तकनीकी कार्यों और 'ग' क्षेत्र में स्थित होने की चुनौतियों के बावजूद मिधानि परिवार ने यह सिद्ध किया है कि यदि आत्मीयता और प्रतिबद्धता हो, तो हिंदी प्रशासनिक और तकनीकी दोनों कार्यों की सक्षम भाषा बन सकती है। हमारे लिए हिंदी केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक जिम्मेदारी भी है। हिंदी में कार्य करना प्रक्रियाओं को सरल बनाता है और संगठन में आत्मीयता तथा सहयोग का वातावरण निर्मित करता है।

हिंदी दिवस और विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर मिधानि में विविध प्रतियोगिताएँ और कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इससे कर्मचारियों में न केवल भाषा के प्रति आत्मीयता बढ़ती है, बल्कि साहित्यिक और रचनात्मक अभिव्यक्ति को भी प्रोत्साहन मिलता है। कर्मचारियों को हिंदी भाषा और टंकण का प्रशिक्षण दिया जाता है। श्रेष्ठ कार्य के लिए उन्हें प्रोत्साहन योजनाओं के अंतर्गत सम्मानित किया जाता है। यह दर्शाता है कि हिंदी मिधानि की कार्यसंस्कृति का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है।

हिंदी दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हिंदी हमारी पहचान है और इसे आत्मीयता से अपनाना हमारा दायित्व है। मुझे विश्वास है कि हिंदी आने वाले समय में और अधिक सशक्त, आधुनिक और वैश्विक भाषा के रूप में प्रतिष्ठित होगी। मिधानि परिवार यह संकल्प लेता है कि राजभाषा हिंदी को प्रशासनिक, तकनीकी और वैज्ञानिक कार्यों में और अधिक गति प्रदान की जाएगी, ताकि यह भाषा केवल परंपरा का नहीं, बल्कि भविष्य की प्रगति का भी आधार बने। भारतेंदु हरिश्चंद्र के शब्दों में कहा जा सकता है कि

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल,
बिनु निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल ।
अँग्रेजी पढ़ि के जदपि, सब गुन होत प्रवीन,

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
मत्स्यपालन विभाग
DEPARTMENT OF FISHERIES
सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड
National Fisheries Development Board
NATIONAL FISHERIES DEVELOPMENT BOARD
एन एफ डी बी NFDB
Pillar No:235, Fish Building, PV Narasimha Rao Expressway, SVPNPA, Hyderabad, Telangana - 500052, Toll Free : 040 2400 0201

हिंदी दिवस 2025 की हार्दिक शुभकामनाएं

http://nfdb.gov.in/ @nfdbindia @nfdbindia NFDB India @nfdbindia Info.nfdb@nic.in

राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड भारत में मछली उत्पादन बढ़ाने , जलीय कृषि को बढ़ावा देने और मत्स्य कृषकों की उन्नति के लिए निम्नलिखित कदम उठा रहा है:

1.देश में मत्स्य उत्पादन बढ़ाने के लिए आधुनिक अनुसंधान व विकासपरक साधनों को अपनाना
2. मात्स्यिकी के लिए आधुनिक मूलभूत संरचना प्रदान करना और उनका अनुकूलतम प्रयोग सुनिश्चित करना
3. मात्स्यिकी के क्षेत्र में महिलाओं को प्रशिक्षण देकर सशक्त बनाना
4. मत्स्य उतपादन को बढ़ावा देकर देश की खाद्य एवं पौष्टिक आहार की आवश्यकताओं की पूर्ति
5. भारत में मात्स्यिकी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना का कार्यान्वयन
6. मात्स्यिकी और जलीय कृषि मूलभूत संरचना विकास निधि(एफआईडीएफ) का कार्यान्वयन
7. कौशल विकास और उद्यमी मॉडल का कार्यान्वयन
8. एनएडीबी समूह दुर्घटना बीमा योजना (जीएआईएस)का कार्यान्वयन कर रहा है ताकि इस क्षेत्र में लगे किसानों को वित्तीय सुरक्षा एवं समर्थन प्राप्त हो सके

भाकृअनुप - राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी
राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-५०००३०, तेलंगाणा, भारत
ICAR-National Academy of Agricultural Research Management
(ISO 9001:2015 Certified)
Rajendranagar, Hyderabad-500030, Telangana, India
Phones: (040) 2458 1322; Fax: (040) 2401 5912; https://naarm.org.in

हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ.गोपाल लाल
कार्यकारी निदेशक

भाकृअनुप-राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी (नार्म) एक अखिल भारतीय स्तर का कृषि अनुसंधान एवं प्रबंधन संबंधी शीर्ष संस्थान है, जिसमें कृषि अनुसंधान सेवा व्दारा चयन किए गये नव वैज्ञानिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। साथ ही स्नातकोत्तर प्रबंधन डिप्लोमा कार्यक्रम भी चलाए जाते हैं, जिसमें विद्यार्थियों का प्लेसमेंट 100 प्रतिशत है। संस्थान के उद्देश्य एवं अधिदेश की अनुपूर्ति के प्रति हमारे संकाय सदस्य अधिकारी व कर्मचारीगण सदैव तत्परता से संकल्पशील रहे हैं। हमारा संस्थान एक वैज्ञानिक संस्थान होते हुए शिक्षण-प्रशिक्षण के पावन उत्तरदायित्व से जुड़ा है। प्रयोगशालाओं में हुए वैज्ञानिक शोध को यदि अपने कृषक बंधुओं तक पहुँचाना चाहते हैं, तब भाषाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

हिंदी के साथ-साथ क्षेत्रीय भाषाओं का योगदान भी अनदेखा नही किया जा सकता। हम अपने अकादमी के हिंदेतर वैज्ञानिक प्रशिक्षुओं को अंग्रेजी के माध्यम से हिंदी बोलचाल की भाषा का प्रशिक्षण देते हैं। साथ ही हिंदी भाषी वैज्ञानिक प्रशिक्षुओं को क्षेत्रीय भाषा तेलुगु एवं अन्य दक्षिण भारतीय बोलचाल की भाषाओं का प्राथमिक प्रशिक्षण प्रदान करते है कि भारत में अधिकांश लोग हिंदी बोलते एवं समझते हैं। किंतु इस आधुनिक प्रौद्योगिक के युग क्षेत्रीय भाषाओं के महत्व को भी साथ लेते हुए हिंदी के सम्मिश्रित नूतन कार्यशैली से हमें प्रगामी पथ पर अग्रसर होना अनिवार्य है।

इस पावन अवसर पर मैं सभी को सविनय प्रेरणात्मक संदेश देना चाहूँगा, घर के स्तर पर अपनी मातृभाषा, अपने राज्य के भीतर क्षेत्रीय भाषा, देश के स्तर पर हिंदी भाषा की नूतन प्रणाली अवश्य अपनाएँ एवं आज हम संक्रमण काल में हैं, अत: अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा हेतु भाषा के इस सृजनशील व्यावहारिक प्रणाली को भी आत्मसात कर हमारे कार्यक्षेत्र में समर्पित भाव से कार्य करना होगा।

भारत एक बहुभाषिक देश है। अत: हमारी संस्कृति अत्यंत समृद्ध है। हमें गौरव प्रतीत होता है।

हिंदी जिस प्रकार देश को जोड़े वो बंधन कौन तोड़े ?

हिंदी में वह संपर्क क्षमता निहित है, जो भारत जैसे बहुभाषी देश के सामाजिक संस्कृति का प्रतिनिधित्व कर सकें।

हिंदी वह धागा है, जो सभी मातृभाषा रूपी फूलों को गुँफित कर सकता है। भाषा के इस सम्मिलित सृजनशील सुंदर रूप को आत्मसात करेंगे, तब हम विश्व पटल पर हिंदी को संस्थापित करने में सक्षम होंगे।

हिंदी दिवस की पुन: शुभेच्छा

भाषा केवल विचारों व भावों की ही नहीं, संस्कृति की भी संवाहक

डॉ. महेश कुमार
सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा)
भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

भाषा केवल विचारों व भावों की ही नहीं, संस्कृति की संवाहक भी होती है। कोई भी देश जब तक अपनी भाषा में कार्य- वहार नहीं करता, तब तक वह अपने आपकों पूर्णतः अभिव्यक्त करने में सक्षम नहीं हो पाता है। इस संबंध में लगभग दो शताब्दियों के बाद, आज भी श्री भारतेन्दु हरिशचंद्र जी की पंक्तियां - "निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल, बिनु निज भाषा ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल" उपयुक्त प्रतीत होती है। अर्थात हम कितनी भी प्रगति क्यों न कर लें, परंतु जब तक उनका प्रचार- प्रसार व उपयोग हमारे समाज द्वारा नहीं होता है तब तक उस प्रगति का कोई मूल्य नहीं। अतः हमें हमारे कार्यों को अपनी भाषा में लाना ही होगा तभी उनकी सार्थकता होगी और स्थानीय प्रयोक्ता उनका लाभ उठा पाएंग। इस संदर्भ में आज भारत नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से सभी भारतीय भाषाओं को महत्व देते हुए सही दिशा में जा रहा है और हमें चाहिए कि हम उसका विरोध न करते हुए सहर्ष स्वीकार करें। यह सर्वविदित है बच्चा सर्वप्रथम अपनी मातृभाषा सीखता है, अगर उसे उसी की भाषा में ज्ञान प्रदान किया जाता है तो ज्यादा सार्थक होगा, न की पहले उसे एक विदेशी भाषा सीखाने हेतु दबाव डाला जाए। क्योंकि उसके लचीले मस्तिष्क में जो नवोन्मेषी विचार डाले जाएंगे वे उसे लंबे समय तक साथ देंगे और भाषा तो वह आवश्यकतानुसार कभी भी सीख सकता है। कोई भी भाषा सीखना गलत नहीं है, परंतु अपनी भाषा को दुत्कार कर अन्य भाषा सीखना एक व्यक्ति के पूर्ण विकास में बाधक ही होगी, न की साधक। हमारी संस्कृति के रक्षार्थ हमारी भाषाओं को जीवंत रखना अत्यंत आवश्यक है। यह सर्वविदित है कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इस बहुभाषी देश, भारत में हिंदी ने ही एक दूसरे को समीप लाने हेतु सेतु का कार्य किया, अन्यता एक-दूसरे की भाषा का विरोध करते तो स्वतंत्रता केवल एक सपना ही बनकर रह जाती। आज हमें उस समय से सीख लेते हुए, सभी अत्यंत समृद्ध भाषाओं वाले इस बहुभाषी देश भारत में हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में स्वीकारते हुए केंद्र के कदमों का स्वागत करना चाहिए। सभी भारतीय भाषाएं (संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लिखित 22 भाषाएं) हमारी राष्ट्रभाषा हैं और उन्हें भी हमें पूरा सम्मान देना होगा, तभी सही अर्थों में हमारा देश पूर्णतः गुलामी मुक्त स्वतंत्र भारत कहलाएगा। जयहिंद!

भाकृअनुप - केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान

ICAR-Central Research Institute for Dryland Agriculture (CRIDA)

संतोषनगर/ Santoshnagar, हैदराबाद/ Hyderabad - 500 059

फोन/Phone-040-24530177 (Office), 040-24530157, 61, 63 (PABX), फ़ैक्स/Fax: 040-24531802
ई-मेल/ e-mail: director.crida@icar.org.in, वैबसाइट/Website: http://www.icar-crida.res.in

हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान, वर्षा आधारित क्षेत्रों में जलवायु समुत्थानित कृषि प्रणाली, आय के श्रोतों में वृद्धि, कृषकों का क्षमता निर्माण और आजीविका सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा उद्देश्य संस्थागत और नीतिगत नवाचारों के साथ संयुक्त मूलभूत, अनुप्रयुक्त और नीतिगत अनुसंधान के अनुप्रयोग के माध्यम से बारानी कृषि की उत्पादकता में वृद्धि और सततता सुनिश्चित करना है।

हमारे संस्थान और इसकी नेटवर्क परियोजना (ए.आई.सी.आर.पी.डी.ए., ए.आई.सी.आर.पी.ए.एम. एवं नीक्रा) का प्राथमिक अधिदेश, देश के विशाल बारानी कृषि क्षेत्रों में फैले किसानों की कृषि, बागवानी एवं पशुधन उत्पादकता में सुधार और स्थिरता लाना है। इसके तहत संस्थान का वर्तमान जनादेश वर्षा सिंचित क्षेत्रों में टिकाऊ और जलवायु समुत्थानित कृषि के लिए बुनियादी और अनुप्रयुक्त अनुसंधान करना, वर्षा सिंचित क्षेत्रों में स्थान-विशिष्ट प्रौद्योगिकियों के उत्पादन के लिए नेटवर्क अनुसंधान का समन्वय करना, एवं शुष्क भूमि में प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में क्षमता वृद्धि के लिए एक केंद्र के रूप में काम करना प्रमुख है।

संस्थान के प्रभाग बहु-विषयक हैं जिसमें कृषि के प्रमुख अवयवों जैसे शस्य विज्ञान, मृदा विज्ञान, सूक्ष्म जीव विज्ञान, पादप रोग विज्ञान, कृषि वानिकी, बागवानी, पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन, कृषि अर्थशास्त्र, कृषि सांख्यिकी व कृषि प्रसार, आदि शामिल है तथा उनके शोध की विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध है। इस संस्थान में दो महत्वपूर्ण फार्म भी हैं (भुवन एवं वरुण) जहाँ पर कृषि अनुसंधान के साथ-साथ स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों का अनुसंधान कार्य भी प्रगति पर है।

यह संस्थान जलवायु समुत्थानीत कृषि में नवाचार परियोजना (निक्रा) के नोडल केंद्र के रूप में भी काम कर रहा है जिसमे मूलभूत अनुसंधान (वर्तमान में 27 संस्थान कार्यरत) के साथ-साथ किसानों की भागीदारी द्वारा विस्तार करते हुए देश के 151 जिलों में जोखिम मूल्यांकन एवं अनुकूलन तकनीकियों का लाभ किसानों तक पहुंचाया जा रहा है।

जिससे जलवायु संवेदनशीलता की समस्या से निजात पाया जा सके। इसके अलावा इस संस्थान के द्वारा निर्मित जिला स्तरीय कृषि आकस्मिता योजना पूरे भारतवर्ष मे कृषि संबंधी आपदाओं से निपटने में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। वर्तमान में इसे ब्लॉक स्तर पर करने की योजना पर भी कार्य चल रहा है।

वर्तमान में यह संस्थान

अपनी सेवाएँ वर्षा आधारित कृषि तथा जलवायु समुत्थान कृषि में शोध क्षमता निर्माण, परामर्श सेवाएं, मृदा एवं पादप नमुनों से पोषक तत्वों की पहचान में अनुबंध सेवाएं, इत्यादि राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर पर प्रदान कर रहा है। संस्थान में कृषि विज्ञान की स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी की शिक्षा भी दी जा रही है।

हिन्दी दिवस का संदेश

डॉ. विनोद कुमार सिंह
निदेशक
भाकृअनुप केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद

भाकृअनुप-केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान की स्थापना, राष्ट्रीय आवश्यकता को देखते हुए 1985 में की गई। इस संस्थान का प्राथमिक अधिदेश बारानी क्षेत्रों में टिकाऊ और जलवायु समुत्थानीत कृषि के लिए बुनियादी और अनुप्रयुक्त अनुसंधान करना, वर्षा आधारित क्षेत्रों में स्थान-विशिष्ट प्रौद्योगिकियों को उत्पन्न करने के लिए नेटवर्क अनुसंधान का समन्वय करना और शुष्क भूमि में प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में क्षमता वृद्धि के लिए एक केंद्र के रूप में काम करना है। भारत में वर्षा आधारित कृषि लगभग 50% कृषि भूभाग में प्रचलन में है जो खाद्य एवं पशुधन उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देती है। इन क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन, अपर्याप्त बुनियादी ढांचे के कारण, कृषि उत्पादन के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। जलवायु-सहिष्णु विकास एवं सतत वर्षा आधारित प्रणालियों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और भी गहरी हुई है, क्योंकि हम भारतीय कृषि के समक्ष बदलती जलवायु की जटिल चुनौतियों का सक्रियता से सामना कर रहे हैं। हमारे वैज्ञानिक दलों ने संरक्षण कृषि, शुष्क भूमि यंत्रीकरण, नैनो उर्वरक अनुप्रयोग, प्रतिकूल परिस्थितियों में फसल सुधार और कृत्रिम बुद्धिमता आधारित निर्णय सहायता प्रणाली जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है। हमारे संस्थान ने शैक्षणिक सहभागिता के क्षेत्र में भी आईएआरआई-मेगाविश्वविद्यालय हैदराबाद हब के नोडल संस्थान के रूप में इसके अंतर्गत कई भाकृअनुप संस्थानों के सहयोग से स्नातक, परास्नातक, और पीएचडी कार्यक्रमों की शुरुआत की। हम आगे भी इसी प्रतिबद्धता के साथ वर्षा आधारित कृषि को सशक्त करने और भारत के किसानों के लिए जलवायु-सहिष्णु भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य करते रहेंगे।

इस वर्ष समुदाय और लिंग-केंद्रित पहलों में हमारी भागीदारी भी उल्लेखनीय रही, जिसमें राष्ट्रीय बालिका दिवस, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस और पोषण वाटिका मनाना, साथ ही कृषि महिलाओं के लिए विभिन्न जीविकोपार्जन गतिविधियों पर प्रशिक्षण आयोजित करना शामिल था, जो समावेशी कृषि विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों, राज्य सरकारों, कृषि विश्वविद्यालयों, गैर सरकारी संगठनों और निजी क्षेत्र के साथ हमारे सहयोगात्मक प्रयास देश भर में बारानी भूमि कृषि के लिए तकनीकी समाधानों को आगे बढ़ाने में सहायक रहे हैं।

अद्यतन सांख्यिकी के अनुसार भारतवर्ष के कुल आबादी के 43.6% लोग हिन्दी भाषा का प्रयोग करते हैं । अतः अधिक-से-अधिक लोगों से जुड़ने के लिए हिन्दी भाषा का अत्यधिक महत्व है। भारत एक कृषि प्रधान देश है जहां की अधिकांश आबादी गावों मे निवास करती है तथा अन्नत तकनीकियों को उन तक पहुँचने में हिन्दी की बहुत बड़ी भूमिका है। भारत विविधता मे एकता का प्रतीक है जहां हिन्दी के साथ कई क्षेत्रीय भाषाएँ भी बोली जाती है।

हिन्दी भाषा न केवल जनता और सरकार के बीच संवाद-सेतु का काम करता है बल्कि यह हमारे कार्यक्रमों में जन भागीदारी बढ़ाने में पूर्ण भूमिका निभाती है। हिन्दी भारत अधिकांश लोगों द्वारा बोली और समझी जाती है। स्वतंत्रता संग्राम की प्रमुख भाषा होने के कारण भारत के हर हिस्से में हिन्दी को जानने समझने वाले मिल जायेंगे। हिन्दी के माध्यम से हमें दोहरा लाभ मिलेगा, एक तो हमारे लक्ष्यों की प्राप्ति में शीघ्रता आएगी, दूसरी राजभाषा कार्यान्वयन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता भी पूरी हो सकेगी।

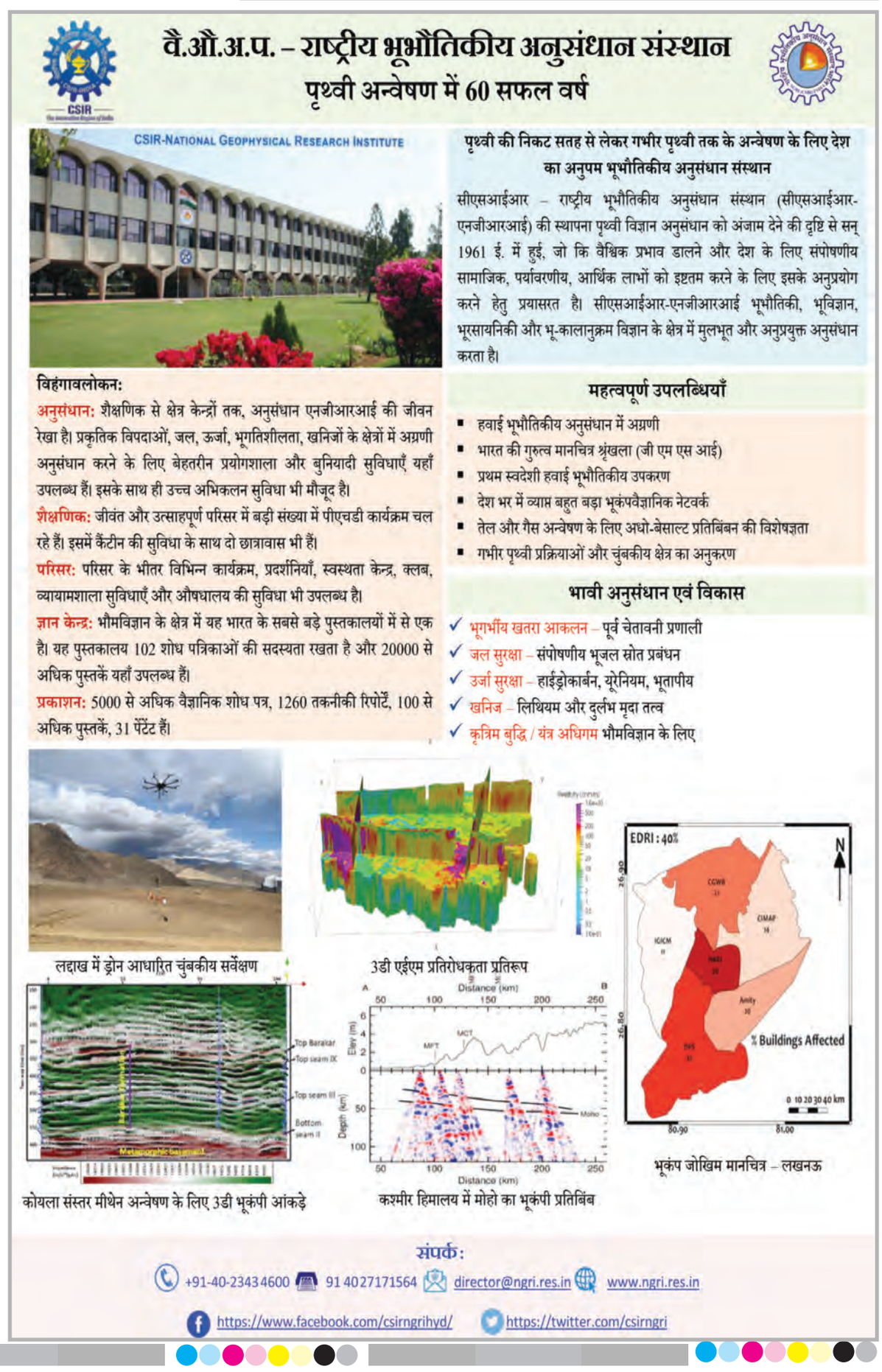

गौरव गान की भाषा हिंदी

(आज हिंदी दिवस पर विशेष)

अतुल कुमार

हिंदी आत्मा की भाषा है . दुनिया में सबसे अधिक लोकप्रिय भाषाओं में में तीसरे स्थान पर इस भाषा को माना गया. सोचिये ! वह कितनी प्रभावी ,प्रयोगमय और प्रसिद्ध भाषा है . तकनीक की आज की दुनिया में सोशल मीडीया पर 98% इस्तेमाल इसी भाषा का होता है . सबसे बडी भूल यह हुई कि इसे सिर्फ साहित्यिक चश्मे से देखा ,आंका और परखा गया . व्यापारिक ,व्यवहार गत और संपर्क भाषा के रूप में इसे नहीं देखा गया . परिणाम स्वरूप आम धारणा बनी कि अंग्रेज़ी के सम्मुख इसकी उपयोगिता कम है .विचित्र और दयनीय सोच बनी कि हिंदी का कोई भविष्य नहीं है .ऐसा क्यों ? हिंदी में वह सभी कार्य संपन्न हो रहे हैं जो किसी भी भाषा से अपेक्षित है . राष्ट्रीय एकता की मुख्य धुरी हिंदी ही तो है . इसलिये हिंदी को दिल की भाषा माना गया ,जो वो है .दिमागी खेल खेलने वालों को यह जानना चाहिये कि आज भी शिक्षा का औसत कम है तब बहुसंख्यक लोगों की भाषा कौनसी है ? हिंदी भाषी क्षेत्रों को छोड अन्य भारतीय भाषाओं को उनकी मातृभाषा या उनके उपयोग की भाषा के रूप में भी माना जाये तो भी 78% लोगों की संप्रेषण ,संपर्क और संबंधों की भाषा हिंदी ही है . वैश्विक स्तर पर भले ही अंग्रेज़ी की आवश्यकता को मान्यता मिल रही हो लेकिन इसकी राह हिंदी या प्रादेशिक भाषा से हो कर जाती है .यह वास्तविकता है .अंग्रेज़ी के प्रभा मंडल में क्या हिंदी और भारतीय भाषाओं की उपेक्षा नहीं हो रही है ! त्रिभाषी सूत्र को लगभग सभी मानते हैं .जो नहीं मानते वहां हिंदी ट्यूशंस के माध्यम से धडल्ले से बड रही है क्या यह सच नहीं है .बीते तीन दशकों में अंतर्राज्य आवागमन , व्यापार ,पर्यटन और रिश्तेदारियां आदि बडी हैं यह सूची लंबी हो सकती है . उदाहरण के लिये करोना काल के दौरान जब अधिकतर श्रमिक अपने अपने मूल प्रांतों को लौट गये तब कई उद्योग धंधे बंद हुए . जिन्हें पुन; शुरु करने के लिये कडी मशक्कत करनी पडी जैसे तेलंगाना के तत्कालीन मुख्य मंत्री को बिहार के मुख्य मंत्री से आग्रह करना पडा कि लौटे हुए श्रमिकों को जल्द वापस भेजें क्यों कि कंस्ट्रक्शन ऐक्टिविटी ठप्प हो गयी है सूचनाओं के अनुसार 7.9 करोड बिहार वासी अन्य प्रांतों में जा कार्य करते हैं और उन राज्यों के राजस्व को बढाने में योगदान देते हैं . बिहार वासी अर्थात हिंदी भाषी जो अपनी सभ्यता , संस्कृति और संस्कारों को साथ ले कर चलेंगे .इनका घर ,परिवार और संसार आदि सभी साथ चलेंगे .स्वाभाविक है , इनके माध्यम से हिंदी प्रसारित होगी .

अतः हिंदी पर यूं ही नहीं कहा गया कि " हिंदी आम बोलचाल की महाभाषा है जो लोगों के हृदय को हृदय से जोडती है " . विश्व के आर्थिक मंच द्वारा इसकी गणना दुनिया की दस शक्तिशाली भाषाओं में होती है .हर साल हिंदी दिवस 14 सितंबर को देश भर में मनाया जाता है . वर्ष 1949 में इसी दिन संविधान सभा ने एकमत हो इसे भारत की राजभाषा के तौर पर स्वीकार किया . इसी ऐतिहासिक निर्णय के बाद निश्चय किया गया कि इसे हर क्षेत्र में प्रसारित किया जाये .देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिंदी के प्रत्येक अक्षर की अपनी स्वतंत्र और विशिष्ट ध्वनि होती है जिससे हिंदी शब्दों का उच्चारण जैसा लिखा जाता है वैसा ही होता है और

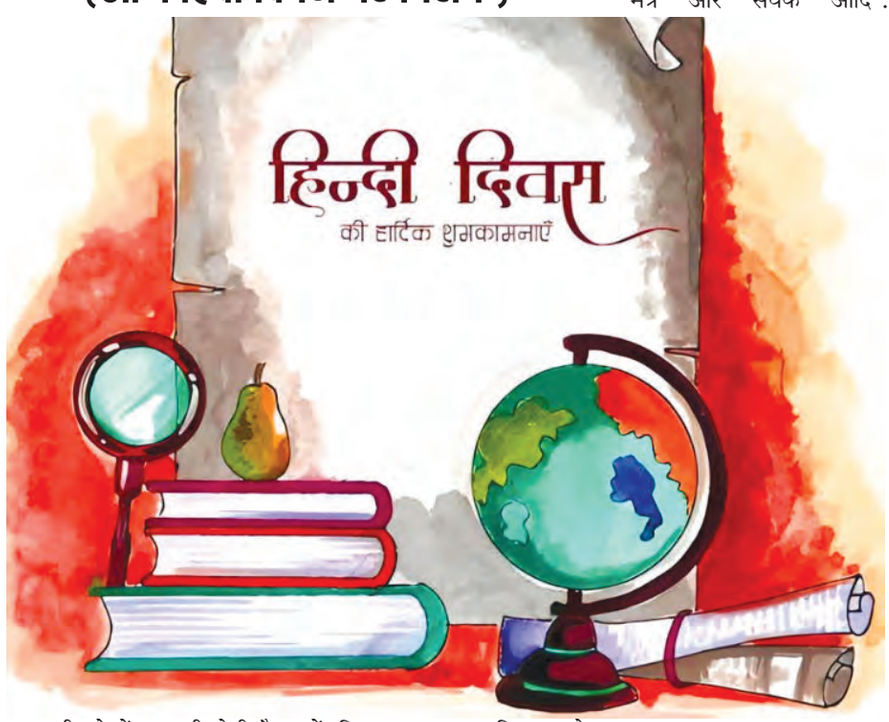

भाषा सीखने में आसानी होती है . हिंदी के शब्दों की तालिका को वर्णमाला कहा गया ,जिसका अर्थ होता है फूलों की माला हिंदी वर्णमाला में 11 स्वर और 33 व्यंजन हैं जिनको इस प्रकार तुक में मिला रखा गया कि इसको पढने – सीखने वालों को आनंद आता है और यह जल्दी याद हो जाते हैं .

अंग्रेज़ी भाषा के कई ऐसे शब्द हैं जिनको हिंदी से लिया गया है जैसे " योग " "कर्म" " अवतार " " मंत्र " और " सेवक " आदि . ध्यान देने वाला तथ्य है कि " बीते दस सालों में आक्स्फोर्ड डिक्शनरी में दुनिया की सभी भाषाओं में सबसे अधिक शब्दों को जिस भाषा से ले शामिल किया गया वह हिंदी है . क्या अंग्रेज़ी दा लोग इस पर सोच - विचार करेंगे ! नवीन उपलब्ध सूचनाओं के अनुसार आज दुनिया के 177 विश्वविद्यालयों में हिंदी पढायी जा रही है जिनमें से 45 विश्वविद्यालय अमेरिका में मौजूद हैं उपलब्ध सूचनाओं के अनुसार दुनिया में हिंदी बोलने और जानने वालों की संख्या तेज़ी से बड रही है. प्रसिद्ध कवि गोपाल सिंह नेपाली ने यूं ही नहीं लिखा " यह दुखडों का जंजाल नहीं, असंख्य मुखडों की भाषा है / थी अमर शहीदों की आशा ,अब ज़िंदों की अभिलाषा है / इसे सुंदर भविष्य के सपने दो ,क्यों कि हिंदी ही जन – जन की बोली और अपनेपन की भाषा है // आज जन संचार माध्यमों में इसका व्यापक उपयोग हो रहा है जिससे राष्ट्रीय पहचान और सांस्कृतिक जागरूकता बड रही है . ध्यान देने योग्य तथ्य है ! संतों ,भक्तों और ऋषियों की भांति तीर्थ यात्रियों की भूमिका भी हिंदी के प्रचार – प्रसार में उल्लेखनीय रही . सदियों से उत्तर के तीर्थ यात्री दक्षिण तथा दक्षिण के तीर्थ यात्री उत्तर के विभिन्न धामों की यात्रा करते हैं . प्राचीन समय में यह यात्राएं पैदल हुआ करतीं क्यों कि उस समय आज की तरह आवागमन की सुविधाएं नहीं थीं तब तीर्थयात्रियों को एक स्थान पर कई – कई दिन रुकना पडता फलत; दोनों का संपर्क हिंदी में ही होता . आज आने –जाने की कई सुविधाएं व माध्यम उपलब्ध हैं तब भी आध्यात्मिक पर्यटन में हिंदी ही पारस्परिक संपर्क का माध्यम बनी हुई है . इससे दोनों ओर की शाब्दिक संपदाओं में वृद्धि हुई और कई प्रांतीय भाषाओं के शब्द हिंदी में और हिंदी के शब्द प्रांतीय भाषाओं में चले आये .तीर्थ यात्रा , आस्था और संपर्क भाषा के संगम से नयी हिंदी का विकास हुआ इसलिये हिंदी की जडें हमारे दिलों में गहराई से बसी हैं .

कई भाषाओं को साथ ले विकसित होने के कारण इसके कई रूप उभरे जैसे मुंबईया हिंदी और हैदराबादी हिंदी आदि . भाषा के इन रूपों ने भी लोगों को एक दूसरे से मिला दिलों का रिश्ता कायम किया .बडती टेक्नालाजी के युग में हिंदी नये रूप को अपना बड रही है .हिंदी के महत्व पर किसी ने खूब कहा . " सब मिल कर दें सम्मान , निज भाषा पर करें गौरव गान / भारत के मस्तक की बिंदी , जन – जन की आत्मा की भाषा है हिंदी //

काव्य कुंज

बीच मझधार

डॉ संजुला सिंह
जमशेदपुर

सुन ना रहे हो, मेरी बात को तुम
उलझन में रखे हो,मेरी रूह को तुम
हम सा कोई ना कर सकेगा, तुम्हें प्यार
तुम जा फंसोगे, बीच मझधार ।
जा तो रहे हो, मुझे छोड़कर तुम
मासूम सा मेरा, दिल तोड़कर तुम
लगने लगेंगी जिंदगी,जब सजा
तब याद आएगी, मेरी वफा ।
चले जा रहे ह, हाथ छुड़ा के
जीवन मेरा गम,गीन बनाके
हमें फिर ना पाओगे, मेरे पास आके
देखलो जरा हमसे, तुम दूर जाके
तुमने किए थे मुझसे,वादे हजार
एक ना निभाए तुम,किया बेकरार
मेरी रूह को छलके ज, तो रहे हो
कभी चैन से तुमभी रहना सकोगे
तुमने ना सोचा कैसे हम जिएंगे
बिन तेरे जीवन में क्या हम करेंगे
हमें लाके छोड़ा तूने,सूनसान राह
तुमको लगेगी, मेरे दिल की आह
हम तो तेरे थे ,तेरे ही रहेंगे
बहेंगे जो आंसू, कैसे सहेंगे
भूलेंगे कैसे तेरी, झूठी अदा
हमको रुलाएगी अपनी वफा ।

भावों से भरी हिंदी

कुमुद बाला,
हैदराबाद

चिंतन , मनन और मंथन से उपजे ,
भावों से भरी हुई है हिंदी।।
दिव्यालोकित कर,अंतर्मन को,
मोहित करती चल रही है हिंदी।।
दिनकर ने हुंकार भरी तो ,
गर्जन करती हुई आई हिंदी,
निराला की स्वरवीणा संग , नर्तन करती हुई आई हिंदी,
मैथिली की स्याही में घुलकर,गुंजन करती हुई आई हिंदी,
बन महादेवी का दीपक , अर्चन करती हुई आई हिंदी,
सुभद्रा के गीतों को रचती , पथ प्रदर्शित कर बढ़ रही है हिंदी।।
शब्दकोश से शब्दों को चुन,लिखी पंत ने असंख्य कविताएँ,
द्विवेदी , त्रिवेदी , चतुर्वेदी ने , चर्चित की असंख्य रचनाएँ,
हो कामायनी के मंचन से प्रतिष्ठित ,हिंदी ने नये संदेश दिये,
गुणान्दिता बन,शब्दिता बन,दी हिंदी ने ,मंगल शुभकामनाएँ,
अज्ञेय,प्रसाद,सांकृत्यायन को चिंहित,ऊर्जित कर रही है हिंदी।।
गर अमरगीत बिहारी का तो , भूषण की ललकार है हिंदी,
श्याम के स्नेहकथा की माटी , सूर की प्रेमपुकार है हिंदी,
कबीर की भक्ति,रसखान की शक्ति,मीरा की दुलार है हिंदी,
अन्तस में सद्भाव संजोए ,समष्टि का सत्य सुविचार है हिंदी,
काल-कपाल को जागृत कर,कलरव गुंजारित कर रही है हिंदी।।
नागार्जुन के विचारों को मथ,दुष्यंत संग ग़ज़ल कह जाती है,
गूढ़ विषय परिभाषित कर सुंदर ,गीतों में मचल मुस्कुराती है,
हिंदी से हिंद को मान मिला , मेरे हिंद के शीश की रोली है,
हिंदी प्रतीक है सभ्यता की और सद्भावना की हमजोली है,
विज्ञान के निकष पर खरी समाज को,जागृत कर रही है हिंदी।।
उपभाषाओं संग मिल हिंदी,उन्नत भाषा की फसल उगाती है,
कोई जाति वर्ण का भेद नहीं , मानवता की कलम चलाती है,
हिंदी उमंग -उदारता की और उल्लास की हास - ठिठोली है,
गर्वित हिंद के हरित धरातल पर ,हर पीर-फकीर की बोली है,
शब्दों के भावकी अनुभूति से,दिल को हर्षित कर रही है हिंदी।।
चिंतन , मनन और मंथन से उपजे ,भावों से भरी हुई है हिंदी।।
दिव्यालोकित कर,अंतर्मन को,मोहित करती चल रही है हिंदी।।

हिन्दी

गजानन पाण्डेय

देश की पहचान है
भारतवासी का अभिमान है
हर रंग में ढल जाती है
सबको अपना बना लेती है ।
शब्दों में धार है
भाव का श्रृंगार है
सब भाषाओं से प्यार है
हिन्दी का अद्भुत संसार है ।
आओ हिन्दी को अपनाएं
देश का सम्मान बढ़ाएं ।

अजर-अमर हिंदी भाषा

संजीव ठाकुर,
रायपुर

हिंदी हम सब के
दिल की धड़कन,
हम सबकी प्यारी धुन है
हिंदी तो राष्ट्र की धुन है
भारत के माथे की बिंदी,
दिलो जान से प्यारी हिंदी।
संस्कृत के प्यार पगी
प्राकृत भाषा से जो हो संवरी।
भक्ति-काल में मनीषियों ने गाया.
सूर-तुलसी ने इसे अपनाया।
कृष्ण की बांसुरी की धुन में,
साधु संतों के भाव-भक्ति में बसी,
धर्म ग्रंथ के मानस मन में,
आस्था की गहराइयों में छुपी।
हिंदी है पवित्र रेशमी डोर
जिसे बांधा पूर्व-पश्चिम
उत्तर-दक्षिण को
इस छोर से उस छोर,
हिंदी विशाल भाषा-बोली है
हम सब की प्यारी हमजोली है
यह तो है पवित्र सलिला गंगा
प्रवाहित है दिल से दिल तक
दिलों में हिंदी मन में
बसी यमुना और गंगा।
स्वतंत्रता के संघर्ष में भी,
भाषा हिंदी का था बुलंद नारा,
जय हिंद-जय भारत गूँज ने ,
शक्ति और शौर्य को संवारा।
अज के वर्तमान में भी हिंदी,
ज्ञान-विज्ञान की बनी सखी।
लैपटॉप स्क्रीन पर चमके,
इंटरनेट में हर तरफ चहके।
फिल्मों के गीतों में झूमें,
कविता के छंदों में झलके।
विश्व के कोने-कोने में आज,
हिंदी भाषा का छाया का राज।
हिंदी प्यारी सिर्फ भाषा नहीं
देश की देश की शान
राष्ट्र का गौरव गान ।
देश की मिट्टी की खुशबू ,
न्योछावर दिल और जान।
आओ मिलकर शपथ ले
हिंदी को हिमालय सी ऊँचाई दें।
संस्कृति की प्यारी हिंदी को,
युगों युगों तक अजर-अमर कर दें ।

जिंदगी

टी तारासिंह
हैदराबाद

जिंदगी तेरी निखर जायेगी
किसी का भला कर ले
किसी के आँसू पोछ दे
किसी का दर्द बांट ले
किसी पर एहसान कर दे
भरोसा जीत ले अपनो का
अहम को भूल जा
तेरी कुछ भी गलतियाँ हो तो
खुदा तूझे माफ कर देगा
किसी को सजा देने से पहले
खुद का सर उसके सामने झूका दे
सिख ले कुछ रोज नया
जिंदगी का सफर अच्छे से कट जायेगा
अपने ओर गैर भी तूझे याद रखेगे ।।

ऐसे ही बड़ी न होऊँ मैं...।

ऐसे ही बड़ी न होऊँ मैं,
अपने परिवार का प्यार न खोऊँ मैं।
माँ के आँचल की ठंडी छाँव,
पापा की डाँट में छुपा स्नेह,
भाई की शरारत, बहन का संग—
येही तो हैं जीवन का मोह।
ये मोह कभी न खोऊँ मैं
ऐसे ही बड़ी न होऊँ मैं,
बचपन की वो मासूम हँसी,
मिट्टी में खलेना, बारिश में भीगना,
हर छोटी बात पर माँ का डाँटना,
और फिर उसी क्षण गले लगाना।
दौड़ के आके मां के गले लगूँ मैं
ऐसे ही बड़ी न होऊँ मैं,
लोग कहते हैं बेटी पराई होती है,
एक दिन ससुराल चली जाती है
पर मरेदि ल की दुआ यही है,
कि मुझ से घर की खशुबू न जाती है।
अपने आंगन में खुशी बन महकू मैं
ऐसे ही बड़ी न होऊँ मैं,
समय भले बदले रंग हजार,
रिश्ते भले लें नए आकार,
पर माँ-पापा का आशीर्वाद,
भाई-बहन का संग रहे अपार।
परिवार का साथ कभी न छोड़ूँ मैं
ऐसे ही बड़ी न होऊँ मैं,
अपने परिवार का प्यार न खोऊँ मैं।

—सस्मिता गहिर, ओडीशा

रंगमंच

वीरेंद्र बहादुर सिंह
नोएडा

मैं पढ़ूं गजल तो
जमाना वाह वाह करता है,
कोई बजाता है ताली तो कोई
सोचता है तो कोई करता है टिप्पणी,
अलग-अलग प्रसंग हैं यहां तमाम के,
अनोखा रंगमंच है यह जिंदगी,
किरदार में रह कर लोग
अभिनय शानदार करते हैं,
कोई करता हैं प्रेम तो दगा हजार करता है
मीठी-मीठी बातों से सौदा हजार करता है,
कोई झेलता है घाव तो कोई घाव हजार करता है,
मिन्नतों के साथ कोई मन्नत हजार करता है,
मैं दुख पढ़ता हूं अपना और जमाना हंसहंस कर बात करता है,
चुपके चुपके वह बातों में अपनी शिकायत करता है,
कोई कहता है खुद का किस्सा अनोखा और
कोई दुख की भरमार करता है,
अलग-अलग प्रसंग हैं यहां तमाम के,
अनोखा रंगमंच है यह जिंदगी,
किरदार में रह कर लोग अभिनय शानदार करते हैं,
कोई पहुंचता है सीधे और कोई मार्ग हजार करता है,
धीरे-धीरे सपनों के कोई सौदा हजार करता है,
कोई रखता है धीरज तो कोई आक्रोश हजार करता है,
धीरे-धीरे सफलता का कोई सफर हजार करता है,
मैं कहता हूं सत्य और जमाना मुंह से वाह वाह करता है,
पीठ पीछे क्या पता तानों की बौछार करता है,
भाईचारा यानी क्या!
जिसमें राजा बने रंक के महल में रंक राज करता है।

मेरे बस की बात नहीं

रमेश गायकवाड
रागा, हैदराबाद

संदेह के घेरे में बंधित होना
मेरे बस की बात नहीं
कभी राम तो कभी रावण का
आचरण मेरे बस की बात नहीं
मीठे मीठे बातों में फूलों की
बागवां बता गए वो
दिल में कुछ दिमाग में और कुछ
मेरे बस की बात नहीं
समाज सेवा के नाम अपनी अपनी
अलग-अलग टोली
कदम कदम पर चेहरे बदलना
मेरे बस की बात नहीं
भावों की दुनिया के आंगन में
सपनों का घर है मेरा
सेवा के नाम कुर्सी कायम रखना
मेरे बस की बात नहीं
मानवता के पथ में
दान चंदा भी जुट जाता है
तो स्वार्थ में डूब कर उसे बांट खाना
मेरे बस की बात नहीं
पैसों की बलबूतों पर
आत्माभिमान को दफनाते
पर लक्ष्मी पुत्रों के दबाव में
काम करना मेरे बस की बात नहीं

ताकों विधन न कोऊ लागै...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

जब कभी भी
विश्व के किसी कोने में विपदा ने दस्तक दी है
दौड़ कर निशान साहिब के चरणों से जा लिपटा
आज बाढ़ पानी से तरबतर
जड़ता ने अपना हक समझा
यह पंजाब है,
हौसला मरने तक जिंदा
आकाओं! सफ़लता नहीं मिलेगी कभी
वाहिगुरू गुरुमंत्र है हमारे पास
ताकों विधन न कोऊ लागै
जा की प्रभू आगे अरदासमाना कि
बाढ़ ने पंजाब में भरपूर क्षति पहुंचाई है
गुरुओं की धरती को आग लगाई है
हैरत में रह जाओगे,
देखो राहत सामग्री लेकर जन मानस उमड़ पड़ा है
बाल बांका हो न सकेगा
हुई तुम्हारी जग हंसाई है
आकाशवाणी,
लहरों के विपरीत बहो, हर्षोल्लास आस पास
ताकों विधन न कोऊ लागै...
न जाने किस बात की दुश्मनी,
आफत आसमान से पंजाब में आई है
खुशहाली तुमसे देखी नहीं गई
कलेजा मुंह को आता,ऐसी चिंगारी बरसाई है
कीरत करो, वंड छको, नाम सिमरन यहां का मूल मंत्र
ठीक है आज अंधेरा,
निश्चित कल खुशियों का सैलाब
ताकों विधन ना कोऊ लागै...

राष्ट्र की गरिमा हिन्दी

समृद्धि और वैभव जिससे,
राष्ट्र का उद्भव और उन्नति जिससे,
नमन है ऐसी राष्ट्रभाषा को,
श्रद्धावनत और नतमस्तक हो,हम सब,
वंदन करते भारत मां के भाल की बिंदी को,
हमारी वंदनीय राष्ट्रभाषा -मातृभाषा हिन्दी को।
ये आर्य भाषा, है राष्ट्र प्रेम की अभिव्यक्ति,
है अनूठी मातृत्व भाव की शक्ति,
पोषक है सभ्यता और संस्कृति की,
भाईचारे और सद्भाव की होती अभिवृद्धि।
व्यापक है जन-जन में इसकी सिद्धि,
स्नेह का लेकर ताना-बाना,
सहअस्तित्व-सद्भाव का बुनकर तंतु,
बनती मानव मन की सेतु।।
हे नवयुग प्रहरी,हे युवाशक्ति,
करके आव्हान ये भारत मां, तुम्हें है पुकारती,
सम्मान करो हर भाषा का,
लेकिन बस इतना ध्यान रहे,
अपमानित न हो अपनी मातृभाषा हिन्दी,
लज्जित न कर सके कोई भी,
ऐसा प्रयत्न हो हर संभव,
है सर्वश्रेष्ठ, है सर्वोत्तम,
क्योंकि मां का दर्जा है सर्वोपरी,
उसका स्थान न ले सके और कोई भी।।

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

शायद

डॉ डी डी देसाई

एक बालक मासूम सा,
कूड़े कचरे की भेंट चढ़ा शायद।
घुँगराले बालों का घोसला सर पर,
गालों पर पोती गयी कालीमा शायद।
वक्त के थपेड़ों से मुरझाई सूरत,
कूड़ेदान से टुकड़े उठाने की जद्दोजहद,
न ही ख़ुशी का आभास...
न ही दर्द की पहचान शायद।
नजरों से कचरा बिनता बालक,
न माँ बाप का पता न घर का शायद।
किसी के प्यार की निशानी है या...
किसी की ठुकराई गई जिम्मेदारी शायद।
अनगिनत लावारिसों का हिस्सा या,
किसी की अधूरी कहानी का किस्सा शायद।
कचरे का ढेर ही उसकी दुनिया...
कूड़ेदान ही उसका बसेरा शायद।
मिली रोटी तो खा के सोये कभी...तो
कभी खाली पेट आसमान ओढ़े सोये शायद।
न धूप तोड़ पाई हौसला उसका ...
न ही बरसात ने उम्मीदें भिगोई कभी।
न कभी खिलौनों से बना रिश्ता ...
न ही जगी खेलने की ख्वाहिश कभी।
खस्ता है हाल...और हालात उसके,
काँच के टुकड़ों सा बिखरा बचपन शायद।
एक बालक मासूम सा,
कूड़े कचरे की भेंट चढ़ा शायद।
किसी के गुनाह की निशानी था...या,
भुगत रहा किसी के कर्मों की सजा शायद।
किसी का तो दिल पिघले इस जनसागर में,
कोई देख उसे...अपना ले शायद।
कोई तो आए भगवान बन कर...
उठा के अपने घर ले जाय शायद।
ममता का हाथ फेरे सर पर कोई,
या प्रेम से एक निवाला कोई खिलाए शायद।
क्या रोशन होगा भाग्य का दिया...?
या उसी में मिलेगी मौत शायद।
एक बालक मासूम सा,
कूड़े कचरे की भेंट चढ़ा शायद।

हिन्दी है मंजिल

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

दिलवाले हिन्दुस्तानियों का हिन्दी है दिल।
हिन्दुस्तान मिट्टी में हिंदी , हिन्दी है मंजिल।।
करने जतन, जो विश्व में हिंदी प्रचलित हो,
अंग्रेजी के साथ विश्व में हिंदी सुसज्जित हो,
हर जगह अंग्रेजी की ही हो रही वाह वाही,
अपने देश में अपनी भाषा हो गयी परायी,
हिन्दी को दबाकर न बनना बुझ दिल ।
दिलवाले हिन्दुस्तानियों का हिन्दी है दिल।
हर प्रदेश की अपनी भाषा हिन्दी से टकराई,
अपनों बीच सिमटी हिन्दी, मन ही मन घबराई,
प्रांतीय भाषा संग हिन्दी को अपनाना
मना हिंदी दिवस , न होगी हिन्दी की अगुवाई ,
हिंदी की शहनाई, बजानी सबको संग मिल।
दिलवाले हिन्दुस्तानियों का हिन्दी है दिल।
हिंदी वैज्ञानिक भाषा हिंदी का ऊंचा स्थान,
हिंदी है सुसभ्य भाषा, करे सबका सम्मान,
सोए को जगाना है, हिंदी को अपनाना है
हिंदी उच्चतम साहित्य,देता जग को ज्ञान,
हिंदी की बगिया में भारतीय रहेगा खिल-खिल।
दिलवाले हिन्दुस्तानियों का हिन्दी है दिल।
हिन्दुस्तान मिट्टी में हिंदी , हिन्दी है मंजिल।।

राष्ट्र भाषा हिन्दी प्यारी

हरि प्रकाश मारु
हैदराबाद

भारत की सब भाषाएं ,
चमन मे कलियों की क्यारी ।
राष्ट्रप्रेम के कारण ,
हिन्दी फूलों जैसी प्यारी ।
फैल रही है राजकाज मे ,
यह सब की राज दुलारी ।
टीवी हो या बोलचाल ,
जगत की सुकुमारी ।
विदेशी भाषा पीछे छूटे ,
हिन्दी की भरमारी ।
सर्व व्यापी हिन्दी भाषा ,
सोशल मीडिया पर भी भारी ।
यूट्यूब , फेसबुक या रील्स में ,
हिन्दी की ही सरदारी ।
भाषाओं की झंझट बाजी ,
कहाँ करे इसकी बराबरी ।
जन मानस मे बसी है हिन्दी ,
राजनीति की लाचारी ।
प्रांत हिन्दी माला के मोती,
अपनाएं बूढ़े,बालक व नर–नारी ।
सब मिल कर यदि जोर लगाएं,
आसमान में होगा परचम भारत माँ की बलिहारी।
सकल प्रेम को मांग रही है,
राष्ट्र भाषा हिन्दी प्यारी

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

हैदराबाद, निज़ामाबाद, विशाखापट्टणम

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी

रविवार, 14 सितंबर 2025

भारत के लिए क्यों जरूरी है नेपाल?

भारत के लिए नेपाल कई मायनों में अहम है पड़ोसी देश नेपाल में पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को अंतरिम प्रधानमंत्री बनाया गया है। पिछले कुछ दिनों से वहां उपद्रव की स्थिति थी। भारत सरकार वहां की स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए है। भारत का नेपाल के साथ रोटी-बेटी का संबंध रहा है। नेपाल में पेट्रोल और डीजल की पूरी सप्लाई भारत से होती है। दोनों देशों के बीच खुली सीमा है और लोग बेरोकटोक एक दूसरे के इलाके में जा सकते हैं। एक अनुमान के मुताबिक 35 लाख नेपाली भारत में काम करते हैं या रहते हैं। नेपाल के 32,000 मशहूर गोरखा सैनिक दशकों पुराने एक स्पेशल एग्रीमेंट के तहत भारतीय सेना में हैं। साथ ही नेपाल भारत और चीन के बीच बफर स्टेट का भी काम करता है। इससे आप भारत के लिए नेपाल की अहमियत का अंदाजा लगा सकते हैं।

नेपाल एक हिंदू-बहुसंख्यक देश है और बॉर्डर के दोनों तरफ के समुदायों के बीच गहरे पारिवारिक संबंध हैं। लोग बिना वीजा या पासपोर्ट के दोनों देशों के बीच यात्रा करते हैं। 1950 की संधि के तहत नेपाली बिना किसी रोक-टोक के भारत में काम भी कर सकते हैं। बॉर्डर खुला होने की वजह से दोनों देशों के लोगों का आपस में जुड़ाव है। दोनों तरफ के परिवार रोजाना एक-दूसरे के साथ बातचीत करते हैं। नेपाल में कई महत्वपूर्ण हिंदू तीर्थ स्थल भी हैं। हर साल भारत से हजारों हिंदू तीर्थयात्री नेपाल आते हैं।

नेपाल में लंबे समय तक राजनीतिक अस्थिरता रहने से सप्लाई चेन बाधित हो सकती है और एक्सपोर्ट पर इसका असर पड़ सकता है। भारत, नेपाल का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है। पिछले फाइनेंशियल ईयर में भारत ने नेपाल को 7.32 बिलियन डॉलर का सामान एक्सपोर्ट किया जबकि भारत में हिमालय की गोद में बसे इस देश से 1.2 बिलियन डॉलर का इम्पोर्ट किया। इस तरह भारत ट्रेड सरप्लस की स्थिति में है। वित्त वर्ष 2024 में भारत का एक्सपोर्ट 7 बिलियन डॉलर था जबकि इम्पोर्ट 0.831 बिलियन डॉलर था।

भारत ने नेपाल को मोस्ट फेवर्ड नेशन का दर्जा दे रखा है। दोनों देश एकदूसरे के अधिकांश सामान पर कोई टैरिफ नहीं लगाते हैं। भारत से नेपाल को होने वाले मुख्य एक्सपोर्ट में पेट्रोलियम उत्पाद, गाड़ियां, मशीनरी, बिजली के उपकरण और खाने-पीने की चीजें शामिल हैं। नेपाल का अधिकांश हिस्सा पहाड़ी होने की वजह से इसकी अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से खेती और पर्यटन पर निर्भर है। उसके कुल व्यापार में 60 फीसदी से ज्यादा भारत के साथ ही होता है। भारत से नेपाल को बिजली से लेकर तेल तक की सप्लाई की जाती है।

हमारी सरकारी कंपनी इंडियन आयल कारपोरेशन नेपाल को उसकी जरूरत के तेल की सप्लाई करती है। इतना ही नहीं वहां डिस्ट्रीब्यूशन का काम भी इसी कंपनी के हवाले है। भारत के मुकाबले नेपाल में तेल की कीमत काफी कम है। इसकी वजह यह है कि वहां टैक्स कम है। साथ ही भारत से नेपाल को सस्ती दरों पर बिजली की भी आपूर्ति की जाती है। भारत के बजट में नेपाल के लिए भी प्रावधान किया जाता है। नेपाल के एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार रक्सौल से हल्दिया के बीच एक एक्सप्रेसवे भी बना रही है।

भारत भी नेपाल से कुछ चीजें खरीदता है। इनमें उसमें जूट प्रोडक्ट, इस्पात फाइबर, लकड़ी के सामान, कॉफी, चाय और मसाले शामिल हैं। पिछले साल भारत ने नेपाल से सबसे ज्यादा वनस्पति तेल और फैट का आयात किया था। इसके अलावा स्टील, कॉफी-चाय, मसालों, लकड़ी और लकड़ी से बने सामान, टेक्सटाइल, फाइबर, नमक और स्टोन जैसी चीजें भी नेपाल से आयात की गईं। भारत की कई दिग्गज कंपनियों के प्रोजेक्ट नेपाल में चल रहे हैं। इनके जरिए वहां के हजारों लोगों को रोजगार मिल रहा है। नेपाली कंपनियों के प्रोडक्ट के लिए भी भारत सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है। साथ ही भारत की एफएमसीजी कंपनियों की नेपाल में बड़ी मौजूदगी है। मसलन सूर्या नेपाल पर आईटीसी का कंट्रोल है। इसी तरह डाबर, यूनिलीवर, वरुण बेवरेजेज, ब्रिटानिया और देवयानी इंटरनेशनल ने नेपाल में अपनी यूनिट स्थापित की है। हर साल करीब 5 लाख लोग भारत और नेपाल के बीच यात्रा करते हैं। 2024 में 202,501 नेपाली भारत आए जबकि 309,207 भारतीयों ने नेपाल का यात्रा की। अभी रोजाना 10 फ्लाइट्स भारत से नेपाल के लिए उड़ान भरती हैं। एयर इंडिया की पांच और इंडिगो की तीन फ्लाइट दिल्ली से काठमांडू के बीच चलती हैं। इसी तरह इंडिगो हैदराबाद और मुंबई से भी नेपाल के लिए फ्लाइट ऑपरेट करती है।

एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि अभी नेपाल के साथ व्यापार को लेकर चिंता की कोई बात नहीं है। भारत सरकार स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही हैं और एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल्स के साथ लगातार संपर्क में हैं ताकि किसी भी संभावित खतरे का आकलन किया जा सके। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि सुचारू व्यापार प्रवाह सुनिश्चित करना जरूरी है। नेपाल के साथ दशकों पुरानी व्यापार साझेदारी को बनाए रखने के लिए लगातार बातचीत भी जरूरी है। बिना किसी रुकावट के सामान की आवाजाही बनाए रखना न केवल भारतीय एक्सपोर्टर्स के लिए जरूरी है, बल्कि नेपाली उपभोक्ताओं के लिए भी जरूरी है।

ट्रांसपोर्ट रूट्स, कस्टम ऑपरेशंस या क्रॉस-बॉर्डर लॉजिस्टिक्स में किसी भी तरह की रुकावट से शिपमेंट में देरी हो सकती है। इससे भारतीय एक्सपोर्टर्स और नेपाली उपभोक्ताओं पर असर पड़ेगा जो इन सामानों पर निर्भर हैं। हाल में हुए विरोध प्रदर्शन ज्यादातर राजधानी काठमांडू तक ही सीमित रहे। लेकिन, अगर ये दूसरे शहरों में भी फैलते, तो इसे ट्रेड रूट्स बाधित हो सकते थे क्योंकि नेपाल जाने वाला ज्यादातर सामान सड़क के रास्ते ही जाता है।

नेपाल में राजनीतिक अशांति के कारण पहले भी रक्सौल-बीरगंज और सोनाली-भैरहवा जैसे बॉर्डर पॉइंट्स पर अस्थायी रुकावटें आई हैं। इससे जरूरी सामानों की डिलीवरी में देरी हुई है। भारतीय एक्सपोर्टर्स को खराब होने वाले सामान, दवाइयों और इंडस्ट्रियल इनपुट्स को लेकर खास चिंता है। भारत से नेपाल को सामान पूरी तरह से सड़क के रास्ते ही जाता है। इसकी वजह यह है कि नेपाल एक लैंडलॉक देश है और उसके पास कोई सीपोर्ट नहीं है। सबसे व्यस्त ट्रेड रूट रक्सौल-बीरगंज क्रॉसिंग है। इसके साथ ही सोनाली-भैरहवा, जोगबनी-बिराटनगर और नेपालगंज-रूपईडीहा से भी ट्रेड होता है। लेकिन रोड ट्रांसपोर्ट पर ज्यादा निर्भरता की वजह से ट्रेड में रुकावट आने का खतरा रहता है।

उत्तर-पूर्व में चाइना बॉर्डर के पास भारत की बड़ी तैयारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार (13 सितंबर) को उत्तर-पूर्व को नई रेल लाइन की सौगात दी है। मिजोरम में भारतीय रेलवे ने अपनी पहली ट्रेन पहुंचा दी है। लेकिन, इस इलाके के सीमावर्ती क्षेत्रों को लेकर भारत की बहुत बड़ी योजना है। खासकर चीन सीमा के पास (एलएसी) करीब 500 किलोमीटर का रेल नेटवर्क खड़ा करना है, जिसपर करीब 300 अरब डॉलर से ज्यादा की लागत आने का अनुमान है। इस नेटवर्क के तहत भारत अपने खास पड़ोसी मुल्क भूटान की सीमा से लेकर बांग्लादेश और म्यांमार बॉर्डर तक रेलवे लाइनों का जाल बिछाने वाला है।

उत्तर-पूर्व में सामरिक तौर पर महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भारत रेल नेटवर्क के विकास को लेकर बहुत बड़े प्रोजेक्ट की योजना को पहले ही मंजूरी दे चुका है। 500 किलोमीटर का यह रेल नेटवर्क चीन से सटे वास्तविक नियंत्रण रेखा के नजदीक और भूटान, बांग्लादेश, म्यांमार सीमाओं के नजदीक उत्तर-पूर्व के दूर-दराज इलाकों को जोड़ेगा। इस प्रोजेक्ट पर अनुमानित तौर पर 3 अरब डॉलर से ज्यादा की लागत आएगी और करीब चार साल में यह पूरा हो जाएगा।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत ने उत्तर-पूर्व के इलाके में उन हवाई पट्टियों को फिर से खोल दिया है, जो 1962 के युद्ध के बाद से बंद पड़ी थीं। इन्हें एडवांस लैंडिंग ग्राउंड (एएलजी) कहा जाता है, जिसका इस्तेमाल सैन्य हेलीकॉप्टरों और विमानों के लिए किया जा सकता है। इसके अलावा लद्दाख में भी एलएसी के पास तक रेल लाइन पहुंचाने पर चर्चा चल रही है। अभी भारतीय रेलवे की पहुंच कश्मीर में बारामूला तक हुई है।

भारत और चीन के बीच हाल के महीनों में रिश्ते सामान्य होने की ओर बढ़े हैं। खासकर शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात ने इसको लेकर नई उम्मीदें जगाई हैं।

इसी सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी, जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर की तस्वीरों ने दुनिया का ध्यान खींचा है और नए जियोपॉलिटिक्स पर चर्चा शुरू हुई है। जहां तक प्रधानमंत्री और जिनपिंग की बात है तो दोनों वैश्विक नेता सीमा से जुड़े मुद्दे को 'निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य' रूप में सुलझाने को सहमत हुए हैं। दोनों ने विश्व बाजार में स्थिरता लाने के लिए आपसी व्यापार और निवेश को बढ़ाने पर भी जोर दिया है।

पहले विनाशक आपदाएं क्यों नहीं आती थीं?

हाल ही में दिल्ली में यमुना का जलस्तर 207.48 मीटर तक ऊंचा हो गया, इससे कई निचले इलाकों में पानी भर गया। पंजाब में 1,900 गांव बाढ़ से प्रभावित हुए, जिससे 400,000 एकड़ फसल की भूमि जलमग्न हुई और 3.84 लाख लोग प्रभावित हुए- यह 1988 के बाद सबसे भयंकर बाढ़ मानी जा रही है। धराली और वैष्णोदेवी की घटनाएं भी इसी कड़ी में हैं।

पिछले साल भी केरल के वायनाड जिले में 30 जुलाई की रात हुए भीषण भूस्खलन ने चूरालमाला और मुंडक्काई क्षेत्रों (मेप्पाड़ी ग्राम पंचायत) को पूरी तरह तबाह कर दिया था। आपदा से एक दिन पहले हुई अभूतपूर्व बारिश- जो जिले की सालाना औसत का 6% थी- ने स्थिति को और गंभीर बना दिया।

इस घटना में लगभग 400 लोगों की जानें गईं और 200 से अधिक शव चालीयार नदी में 40 किमी दूर तक मिले। सरकारी आंकड़ों के अनुसार केरल का लगभग 40% हिस्सा भूस्खलन-प्रवण क्षेत्र में आता है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की जलवायु जल विज्ञानी डॉ. लिसा कॉर्टेज के अनुसार, पहले जिस बारिश को 'सदी में एक बार' होने वाली घटना माना जाता था, अब कुछ इलाकों में हर कुछ वर्षों में हो रही है। 2023 में नेचर पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में पाया गया कि 1950 के दशक के बाद से भारत के अधिकांश

हिस्सों में अत्यधिक बारिश की घटनाएं 20% से 50% तक बढ़ी हैं। भारत मौसम विभाग के आंकड़े भी बताते हैं कि बादल फटने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, खासकर हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर जैसे क्षेत्रों में।

दुनिया भर के वैज्ञानिक इस बात पर सहमत हैं कि जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभाव के कारण प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति, तीव्रता और विनाशकारी क्षमता लगातार बढ़ रही है। बढ़ते वैश्विक तापमान के चलते समुद्र का स्तर बढ़ रहा है, मौसम के पैटर्न असामान्य हो रहे हैं और अतिवृष्टि, सूखा, चक्रवात, बाढ़ तथा भूस्खलन जैसी घटनाएं अधिक बार और पहले से अधिक भीषण रूप में घटित हो रही हैं। यह न केवल मानव जीवन और आजीविका के लिए खतरा है, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता पर भी गहरा असर डाल रहा है।

आजादी के समय भारत में जो आपदाएं आती थीं, उनकी तुलना में आज स्थिति कहीं अधिक गंभीर हो चुकी है। वर्तमान में देश के 40% क्षेत्र सूखा-प्रभावित हो चुके हैं, जबकि बाढ़-प्रभावित क्षेत्रों में 60% से अधिक की वृद्धि हुई है। नए बाढ़-प्रवण क्षेत्र बन रहे हैं और जहां पहले सूखा पड़ता था, अब वहां बाढ़ आने लगी है।

इस वर्ष गुजरात से महाराष्ट्र, राजस्थान और बुंदेलखंड से लेकर महाकौशल तक के इलाकों में अत्यधिक वर्षा हुई। इसके परिणामस्वरूप बुंदेलखंड जैसे सूखाग्रस्त क्षेत्र में भी बाढ़ आ गई। जालौन, हमीरपुर और बांदा जिलों के बड़े हिस्से प्रभावित हुए। यमुना का जलस्तर 1994 में पार किए गए खतरे के निशान से तीन मीटर अधिक हो गया। प्राकृतिक आपदाओं की यह बढ़ती रफ्तार आने वाले समय के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। इसके कारण बड़े पैमाने पर भूमि का कटाव हुआ, फसलों का नुकसान हुआ और यह सब एक-दो दिनों में नहीं बल्कि वर्षों से हो रहे जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों का नतीजा है।

अब सरकारों की भारी-भरकम धनराशि आपदाओं से निपटने में खर्च हो रही है, जबकि किसान आर्थिक संकट में हैं और पर्यावरण लगातार क्षतिग्रस्त हो रहा है। भविष्य की आपदाओं से बचाव के लिए हमें जलवायु-उपयुक्त कृषि पद्धतियों को अपनाना होगा।

वर्षा जल संचयन, तालाब और जलाशयों के संरक्षण को प्राथमिकता देनी होगी। बाढ़ और सूखे से निपटने के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली और स्थानीय आपदा प्रबंधन योजनाओं को मजबूत करना होगा। शहरी-ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में हरित क्षेत्र (ग्रीन कवरेज) बढ़ाकर भूमि के कटाव और तापमान वृद्धि को कम करना होगा। यह समय है कि हम अनियोजित विकास के मॉडल को छोड़कर, स्थायी और सतत विकास की ओर बढ़ें, ताकि भविष्य में आपदाओं के प्रभाव को कम किया जा सके। अनियोजित विकास- जैसे नदियों के किनारे अतिक्रमण, जलनिकासी मार्गों का अवरोध और हरित क्षेत्र का लगातार कम होना- आपदाओं के असर को और गंभीर बना रहा है।

आत्मघातक होगा नेपाल को भारत में दोहराने का मुंगेरी सपना

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में भारत के पड़ोसी देश नेपाल में जिस तरह जेन जी युवा वर्ग ने सड़कों पर उतर कर औली सरकार को उखाड़ दिया इस से पहले श्री लंका और बांग्लादेश में भी इसी तरह के विरोध प्रदर्शनों के उग्र और अनियंत्रित होने पर सत्ता परिवर्तन की घटनाएं सामने आ चुकी है। इन घटनाक्रमों को देख कर भारत में भी पिछले 11 साल से सत्ता पर काबिज दक्षिणपंथी राजनीति के धुर विरोधी जो तमाम तरह के राफेल से लेकर वोट चोरी के आरोप लगा कर आम जन का विश्वास पाने मे अक्षम बने है

अब दबे पांव सोशल मीडिया पर भारत में भी इस तरह का युवा आक्रोश पैदा कर मौजूदा मोदी सरकार को मुसीबत में डालने का सपना संजोने लगे हैं। इसी कड़ी में पिछले एक सप्ताह से नेपाल के घटना चक्र के बाद कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के सोशल मीडिया हैंडलर्स इसी तरह की युवा पीढ़ी को बेरोजगारी भ्रष्टाचार सरकारी नोकरी की कमी जैसे मुद्दों पर भड़काउ पोस्ट कर रहे हैं हालांकि माननीय सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल ही में इन घटनाओं का जिक्र करते हुए भारतीय संवैधानिक व लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती की सराहना की है।तथापि कुछ अतिरेकी लोगों को लगता है कि वह भारत में भी इस तरह की अराजकता के जरिए मोदी सरकार को मुसीबत में डाल सकते हैं।

आपको बता दें कि पिछले कुछ वर्षों में विश्व राजनीति में एक समान प्रवृत्ति साफ देखने को मिल रही है कि जिन देशों में लोगों को अपनी सरकार के प्रति नाराजगी, गुस्सा और असंतोष है, उस देश की जनता सड़कों पर उतर कर ऐसा भयावह विरोध प्रदर्शन कर रही है कि सत्ता पर काबिज नेताओं को अपनी गद्दी छोड़नी पड़ रही है। दक्षिण एशिया से लेकर यूरोप तक यह असंतोष सामने आ चुका है, जो केवल नाराजगी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सत्ता परिवर्तन और संवैधानिक संकट का कारण भी बना।

श्रीलंका में आर्थिक संकट और भ्रष्टाचार के खिलाफ जनता ने राजपक्षे परिवार की सरकार को उखाड़ फेंका। बांग्लादेश में भी लगातार प्रदर्शनों के दबाव में सत्ता को चुनौतियों का सामना करना पड़ा। अब नेपाल और फ्रांस, दो बिल्कुल अलग भौगोलिक सांस्कृतिक परिदृश्य वाले देशों में भी यही कहानी दोहराई जा रही है। दोनों देशों की परिस्थितियां अलग हैं, लेकिन मूल भाव एक ही है, युवाओं और आम नागरिकों का आक्रोश सत्ता के गलियारों को हिला रहा है। नेपाल में युवा पीढ़ी यानि जेन जेड ने सत्ता परिवर्तन ही कर दिया है। युवाओं का आंदोलन शुरुआत में सोशल मीडिया पर बैन से हुई थी, लेकिन यह सिर्फ चिंगारी साबित हुआ। असली ईंधन था दशकों से जमा हुआ गुस्सा, युवाओं की हताशा और राजनीतिक वर्ग का अवसरवाद। यही कारण है कि सोशल मीडिया के चैन को लेकर शुरू हुआ आंदोलन संवैधानिक संकट में बदल गया और सरकार गिरने का कारण बना। यहां तक कि मंत्रियों के बाद प्रधानमंत्री के.पी. ओली तक को इस्तीफा देने को मजबूर होना पड़ा। उग्र युवाओं ने संसद, सुप्रीम कोर्ट, मंत्रियों के आवास व कुछ मीडिया हाउस को भी निशाना बनाया। भले ही तात्कालिक रूप से सोशल मीडिया पर बैन को हिंसा की वजह बताया जा रहा हो, लेकिन यह प्रतिक्रिया तात्कालिक नहीं थी। युवाओं की दशकों की हताशा और राजनीतिक कदाचार, काहिली व निरंकुशता के चलते गुस्सा नेपाल की सड़कों पर लावा बनकर फूटा है।

नेपाल सरकार की सख्ती से आंदोलनकारियों के दमन ने आग में भी का काम किया। एक रिपोर्ट के अनुसार नेपाल की राजनीति में अवसरवाद व राजनीतिक अस्थिरता ने भी सरकारों के प्रति युवाओं के आक्रोश को बढ़ाया है। विडंबना देखिए कि नेपाल में बीते 17 वर्षों में 14 सरकारें बदल चुकी हैं। स्थायित्व और दूरदृष्टि के अभाव में यह देश लगातार राजनीतिक अस्थिरता का शिकार रहा। भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और नेताओं की विलासिता के जीवन ने युवाओं को गहराई से आहत किया। जब जेन जेड पीढ़ी ने सोशल मीडिया पर मंत्रियों और शीर्ष नेताओं की संतानों की ऐशो-आराम भरी जीवनशैली का पर्दाफाश किया, तो सरकार को अपनी सत्ता हिलती दिखी। सरकार ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचलने की नीयत से सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिया। लेकिन यह कदम 'आग में घी डालने' जैसा साबित हुआ। देखते-देखते आंदोलन ने हिंसक रूप ले लिया। संसद, सर्वोच्च न्यायालय, मंत्रियों के आवास और मीडिया संस्थानों तक को भीड़ ने निशाना बनाया। 30 से अधिक युवाओं की मौत ने स्थिति को और भी संवेदनशील बना दिया। प्रधानमंत्री के.पी. ओली समेत कई मंत्रियों का इस्तीफा इस बात का संकेत है कि जनता का आक्रोश अब नेताओं की कुर्सियों से बड़ा हो चुका है। दरअसल 1996 में राजशाही के खिलाफ सशस्त्र आंदोलन शुरू हुआ। फिर 10 वर्षों की हिंसा और अस्थिरता के लंबे दौर से गुजरने के बाद 2006 में जन आंदोलन को अलविदा कहा।

माओवादियों की सरकार बनी। दस वर्ष तक चले इस गृहयुद्ध में 16,000 से अधिक लोग मारे गए, और 2006 में शांति समझौते के साथ इसका अंत हुआ। नेपाल अब हिन्दू राष्ट्र नहीं रहा बल्कि एक गणतांत्रिक देश बन गया। नेपाल में 2008 में माओवादियों की जीत के बाद 240 साल पुरानी राजशाही खत्म हुई। लेकिन पिछले दो दशकों में भी जनता के उम्मीदों पर कोई सरकार खरी नहीं उतरी। भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगाई सहित मूलभूत विकास नहीं होने से जनता में जनाक्रोश बढ़ता ही गया, यही कारण है कि लोकतंत्र से निराशा के बीच नेपाल में राजशाही की वापसी की मांग ने फिर से जोर पकड़ा है। 2025 में काठमांडू और अन्य शहरों में हजारों लोग 'राजा वापस आओ, के नारे के साथ सड़कों पर उतरे पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह, जिन्हें 2008 में सत्ता से हटाया गया था, एक बार फिर सुर्खियों में हैं। उनके समर्थकों का मानना है कि राजशाही के दौर में कम से कम स्थिरता तो थी और भ्रष्टाचार आज की तुलना में कम था। हकीकत यह है कि नेपाल दुनिया के सबसे गरीब देशों में आता है। विश्व बैंक और अन्य स्रोतों के अनुसार नेपाल दक्षिण एशिया में अफगानिस्तान के बाद दूसरा सबसे गरीब देश है। 2024 में नेपाल की प्रति व्यक्ति आय लगभग 1,381 डालर थी। 2025 में भारत की प्रति व्यक्ति आय 2,878 डालर है, जो नेपाल से दोगुनी से अधिक है।

हालांकि सेना द्वारा मोर्चा संभालने के बाद नेपाल में धीरे-धीरे परिस्थिति में सुधार हो रहा है ताजा सूचना के अनुसार पूर्व सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश सुशीला कार्की को नई अंतरिम प्रधानमंत्री बनाया गया हैं। नेपाल की तरह ही फ्रांस भी जनाक्रोश की गिरफ्त में है। वहां 'ब्लॉक एवरीथिंग' नामक आंदोलन ने राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की नींद उड़ा दी है। शुरुआत सोशल मीडिया और एनक्रिप्टेड चैट्स से हुई, लेकिन आज यह सड़कों पर हिंसक प्रदर्शन में बदल चुका है। फ्रांस के लोगों का गुस्सा बजट कटौती, बढ़ती असमानता और सरकार की नीतियों से उपजा है। पेरिस से लेकर छोटे शहरों तक सड़कों को जाम किया जा रहा है, आगजनी और तोड़फोड़ हो रही है। गृहमंत्री चुनो रिटेलो के मुताबिक शुरुआती घंटों में ही 200 लोगों की गिरफ्तारी हुई। ट्रेनों की सेवाएं बाधित, बसें जलाई गई, यह सब दिखाता है कि जनाक्रोश किस स्तर तक पहुंच चुका है। फ्रांस में यह आक्रोश किसी एक कारण से नहीं है। यह असमानताओं के खिलाफ धीरे-धीरे पनपते गुस्से का विस्फोट है। सवाल यह है कि क्या राष्ट्रपति मैक्रों इस चुनौती का सामना कर पाएंगे, या यह आंदोलन उनकी लोकप्रियता और सत्ता को हिला देगा ? नेपाल और फ्रांस की घटनाएं यह दिखाती हैं कि कोई देश विकासशील हो या विकसित, जनता का आक्रोश तब फूटता है, जब उसे लगता है कि सत्ता उसके हितों की अनदेखी कर रही है। इस आक्रोश का सबसे बड़ा केंद्र युवाशक्ति है, जो न केवल भविष्य की बुनियाद है बल्कि वर्तमान की सबसे बड़ी चुनौती भी। सरकारें यदि समय रहते जनता की पीड़ा और युवाओं की आकांक्षाओं को समझने में असफल रहीं, तो लोकतंत्र का यह विस्फोट किसी भी सत्ताधारी के लिए घातक साबित हो सकता है।

जानकार विशेषज्ञों का मानना है कि यह समय है, जब सत्ता को अहंकार छोड़कर जनता से जुड़ना होगा अन्यथा श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल और फ्रांस की तरह और भी देश राजनीतिक उथल-पुथल के शिकार हो सकते है ।भारत में भी सत्ता हासिल करने के लिए हर हथकंडे से असफल विपक्षी दलों के नेताओं द्वारा विदेशी ताकतों की अपरोक्ष मदद से विश्व राजनीति में शिखर पुरुष नरेन्द्र मोदी की सरकार को हिलाने के लिए इसी तर्ज पर कुछ खास समुदाय वर्गों युवाओं को भड़काने की कोशिश की जा सकती हैं सरकार को इस तरह किसी षडयंत्र से निबटने के लिए तैयार रहना होगा।

राष्ट्र की पहचान और विकास की भाषा

डॉ. बी. बालाजी
प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार)
मिश्र धातु निगम लिमिटेड

भारत विविधताओं का देश है। यहाँ सैकड़ों भाषाएँ और बोलियाँ प्रचलित हैं, परंतु हिंदी वह धारा है जो इन सबको जोड़कर एक राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान करती है। हिंदी न केवल करोड़ों भारतीयों की मातृभाषा है, बल्कि यह संस्कृति, परंपरा और भारतीय अस्मिता का प्रतीक भी है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद जब हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया गया, तो इसके पीछे उद्देश्य यही था कि यह भाषा पूरे राष्ट्र के प्रशासन और व्यवहार की धुरी बने। लेकिन यह यात्रा उतनी सरल नहीं रही जितनी सोची गई थी। आज, जब राजभाषा विभाग की स्थापना को 50 वर्ष और हिंदी को राजभाषा बनाए जाने को 75 वर्ष हो चुके हैं, तब यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि हिंदी की वर्तमान स्थिति क्या है और इसके भविष्य का स्वरूप कैसा होना चाहिए।

हिंदी और अंतरराष्ट्रीय पहचान

अक्सर यह महसूस किया जाता है कि जब तक हिंदी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान नहीं बना लेती, तब तक यह भारत में भी पूर्ण रूप से स्थापित नहीं होगी। अंग्रेज़ी भाषा का प्रभाव हमारे सामाजिक, शैक्षिक और प्रशासनिक जीवन में गहराई तक पैठ बना चुका है। ऐसे में हिंदी को विश्वभाषा बनाने का प्रयास भारत के आत्मविश्वास को बढ़ाएगा और देश के भीतर इसके प्रयोग को भी प्रोत्साहन देगा। यह वही स्थिति होगी जब राष्ट्र और भाषा दोनों का विकास समानांतर रूप से होगा—एक विकासशील राष्ट्र की विकासशील राजभाषा।

प्रशासनिक कार्यों में हिंदी का प्रयोग

राजभाषा विभाग ने नीतिगत स्तर पर अनेक पहल की हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि मंत्रालयों और केंद्र सरकार के कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग अभी भी सीमित है। अधिकांश पत्राचार अंग्रेज़ी में ही होता है। यदि केंद्र सरकार के कर्मचारी ही यह अनुभव न कर पाएँ कि हिंदी उनके दैनिक कार्यों की भाषा है, तो आम जनता तक इसकी पहुँच कैसे संभव होगी? राजभाषा केवल विभागीय मेल या पत्रों तक सीमित न रहे, बल्कि अन्य सभी संचार में भी हिंदी का प्रयोग बढ़ाया जाए। तभी यह भाषा प्रशासन की रीढ़ बन सकेगी।

निरीक्षण और पारदर्शिता

संसदीय राजभाषा समिति समय-समय पर विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण करती है, किंतु केवल अधीनस्थ कार्यालयों तक सीमित रहना पर्याप्त नहीं है। मंत्रालयों का भी परीक्षण होना चाहिए। यदि शीर्ष स्तर पर ही हिंदी की उपेक्षा होगी तो अधीनस्थ कार्यालयों में गंभीरता की अपेक्षा नहीं की जा सकती। निरीक्षण और मूल्यांकन से ही स्पष्ट होगा कि हिंदी किस गति से आगे बढ़ रही है और किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है।

सम्मेलनों का प्रभाव और चुनौतियाँ

राजभाषा सम्मेलनों का आयोजन निश्चय ही प्रेरणादायी होता है। इनसे कर्मचारियों और अधिकारियों में उत्साह का संचार होता है। लेकिन जब कार्यालयों का वातावरण ही हिंदी के प्रति उदासीन हो, तो यह उत्साह शीघ्र ही क्षीण हो जाता है। यह वैसा ही है जैसे किसी धावक को प्रोत्साहन तो मिले, किंतु उसकी दौड़ की राह में बाधाएँ बनी रहें। इस स्थिति में अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं हो सकते।

हिंदी विवाद और उसका समाधान

हिंदी को लेकर समय-समय पर विवाद खड़े होते रहे हैं। वास्तव में यह विवाद तर्कहीन हैं। हिंदी किसी क्षेत्र विशेष की नहीं, बल्कि पूरे भारत की भाषा है। यह जोड़ने का कार्य करती है, बाँटने का नहीं। यदि हिंदी भाषी लोग अन्य भारतीय भाषाएँ सीखने और उनका प्रयोग करने की पहल करें, तो यह संदेश जाएगा कि हिंदी किसी भाषा को दबाने नहीं, बल्कि अपनाने और साथ लेकर चलने वाली भाषा है। इस दृष्टिकोण से भाषाई विरोध स्वतः समाप्त हो सकता है।

तकनीकी युग और हिंदी

आज का युग तकनीक और डिजिटल उपकरणों का है। राजभाषा विभाग द्वारा विकसित ई-टूल्स हिंदी के प्रचार-प्रसार में क्रांतिकारी भूमिका निभा सकते हैं। किंतु इन्हें केवल कार्यालयों तक सीमित न रखकर आम जनता के लिए भी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। यदि ये टूल्स गूगल की तरह सर्वसुलभ और लोकप्रिय हो जाएँ, तो लोगों के लिए हिंदी का प्रयोग सहज और आकर्षक बन जाएगा।

मातृभाषा का सम्मान

हिंदी भाषियों के लिए यह अनिवार्य है कि वे अपनी मातृभाषा का सम्मान करें। जब तक हम स्वयं अपनी भाषा को हीन दृष्टि से देखते रहेंगे, तब तक अन्य लोग भी उसे महत्व नहीं देंगे। बच्चों को यह सिखाना होगा कि हिंदी कोई पिछड़ी या ग्रामीण भाषा नहीं, बल्कि आधुनिक, वैज्ञानिक और समृद्ध भाषा है। यदि हिंदी को केवल बोलचाल, अनुष्ठान या मनोरंजन तक सीमित कर दिया गया, तो उसका विकास अवरुद्ध हो जाएगा। इसे व्यवहार और कार्य की भाषा बनाना समय की माँग है।

निजी क्षेत्र और शिक्षा

सरकारी कार्यालयों के साथ-साथ निजी क्षेत्र में भी हिंदी का प्रयोग बढ़ना चाहिए। व्यवसायिक विज्ञापन, बैंकिंग, बीमा और औद्योगिक क्षेत्रों में हिंदी की सशक्त उपस्थिति लोगों के विश्वास को और मज़बूत करेगी। तकनीकी, विधिक और वैज्ञानिक साहित्य हिंदी में उपलब्ध कराना भी आवश्यक है। इसके बिना हिंदी शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएगी।

विद्यालयों और कॉलेजों में बच्चों को हिंदी बोलने से रोकने जैसी प्रवृत्तियाँ चिंताजनक हैं। यह न केवल भाषा के प्रति हीन भावना पैदा करती हैं, बल्कि बच्चों के आत्मविश्वास को भी कमजोर करती हैं। स्कूलों को चाहिए कि वे बच्चों को मातृभाषा में बोलने और लिखने के लिए प्रोत्साहित करें। इससे वे सहजता से अन्य भाषाएँ भी सीख पाएँगे।

मंच और हिंदी का गौरव

सरकारी कार्यक्रमों, विद्यालयों और महाविद्यालयों में मंचासीन व्यक्तियों को हिंदी में ही व्याख्यान देने का प्रयास करना चाहिए। जब उच्च पदों पर आसीन लोग हिंदी का प्रयोग करेंगे, तभी यह संदेश जाएगा कि हिंदी वास्तव में गौरव की भाषा है। उदाहरण प्रस्तुत करने से ही समाज में सकारात्मक बदलाव आता है।

निष्कर्ष

हिंदी की यात्रा लंबी है, चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं, लेकिन अवसर अनंत हैं। आवश्यकता इस बात की है कि इसे केवल राजभाषा के औपचारिक दायरे में सीमित न रखकर व्यवहार और तकनीक की भाषा बनाया जाए। यदि हिंदी अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित होगी, तो देश के भीतर भी यह और मज़बूत होगी। यह भाषा न केवल भारत की आत्मा है, बल्कि भारतीयता की साझा पहचान भी है। जब हम सब मिलकर इसे सम्मान और प्रयोग देंगे, तभी यह सच्चे अर्थों में राष्ट्र की पहचान और विकास की भाषा बनेगी।

आयुर्विज्ञान को जनमानस तक हिंदी में पहुँचाने में अमूल्य योगदान

हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान डब्ल्यूएचओ को सहयोग कर रहे हैं

चिकित्सा की समृद्ध विरासत को संरक्षित और प्रचारित करने हेतु समर्पित है। 3 जून 2024 से, इसे विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा पारंपरिक चिकित्सा में मौलिक और साहित्यिक अनुसंधान के लिए सहयोगी केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है। हमारे वैज्ञानिक पारंपरिक चिकित्सा शब्दावली के मानकीकरण और अंतर्राष्ट्रीय रोग वर्गीकरण (आइसीडी-11) के अद्यतन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में डब्ल्यूएचओ का सहयोग कर रहे हैं। साथ ही, एनआइआइएमएच डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय के अंतर्गत द्रव्यगुण और मौलिक सिद्धांतों में पीएचडी केंद्र के रूप में भी कार्यरत है।

हमारी परियोजनाएँ व्यापक और प्रभावशाली हैं। साही पोर्टल के माध्यम से हम शिलालेखों और ताम्रपत्रों में संरक्षित आयुर्वेदिक ज्ञान को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत कर रहे हैं।

अमर परियोजना के तहत, देवनागरी, संस्कृत, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, गुरुमुखी, शारदा, ग्रंथा, ब्राह्मी, प्राकृत आदि लिपियों में लिखित चिकित्सा पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण, संरक्षण और कैटलॉगिंग की जा रही है। इससे प्राचीन ग्रंथों का लिप्यंतरण और अनुवाद संभव हो

डॉ. गोली पेंचला प्रसाद
प्रभारी निदेशक, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (NIIMH)

रहा है, जिससे शोधकर्ताओं और जनमानस को यह ज्ञान सुलभ हो रहा है।

हमें गर्व है कि हमारी प्रांतीय भाषाओं के विशाल चिकित्सा साहित्य ने भारत की चिकित्सा संपदा को संरक्षित करने में पूर्ण योगदान दिया है।

स्वतंत्रता के पश्चात हिंदी ने देश को एक सूत्र में बाँधने और शोध को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

विदेशी शासन, विशेषकर ब्रिटिश काल में, उनकी भाषा को प्राथमिकता दी गई, पर आज हिंदी ने अनुसंधान और ज्ञान प्रसार का सेतु बनकर यह कमी पूरी की है।

हमें प्रांतीय भाषाओं के प्रति उदासीनता को दूर करना होगा। कई शिलालेख और पांडुलिपियाँ अभी भी अप्रकाशित हैं, क्योंकि इनके लिए सटीक लिपि और भाषा विशेषज्ञों की कमी है। हमें अपने पारंपरिक ज्ञान को भावी पीढ़ियों तक पहुँचाने और इसके विनाश को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। भाषा और लिपि ज्ञान के संवाहक हैं, जो हमारी संस्कृति और वैज्ञानिक सोच को सशक्त बनाते हैं, और एक मजबूत राष्ट्र निर्माण में योगदान देते हैं।

केंद्र सरकार की हिंदी भाषा नीतियों ने सरकारी कार्यों में एकरूपता लाई है, और राजभाषा के साथ-साथ प्रांतीय भाषाओं के विकास हेतु किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं।

इससे भविष्य में हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में संवाद और पत्राचार सरल होगा। केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) के अंतर्गत संस्थानों के माध्यम से प्राचीन शास्त्रों और पांडुलिपियों के शोध-आधारित तथ्यों को हिंदी और अन्य राष्ट्रीय भाषाओं में जनमानस तक पहुँचाया जा रहा है।

आने वाले समय में, आयुर्विज्ञान से संबंधित जानकारी को लोगों की अपनी भाषा में उपलब्ध कराने का प्रयास जारी रहेगा।

इससे आयुष प्रणाली के प्रति जनसामान्य में जागरूकता और प्रेम बढ़ेगा, जिससे वे स्वस्थ, निरोगी और आनंदमय जीवन जी सकेंगे।

घूसखोरी रोकने के लिए अल्बानिया में एआई मिनिस्टर

पीएम बोले- सरकारी ठेकों पर नजर रखेगी, विपक्ष ने कहा- यह पब्लिसिटी स्टंट, संविधान के खिलाफ

तिराना, 13 सितंबर (एजेंसियां)। अल्बानिया एआई मंत्री वाला दुनिया का पहला देश बना,भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए बनाया गया मंत्री, सरकारी सामान और सर्विस खरीदने पर रखेगी नजर।

अल्बानिया दुनिया का पहला ऐसा देश बन गया है जिसके पास एक एआई मंत्री है। यह कोई इंसान नहीं, बल्कि पिक्सल और कोड से बनी एक वर्चुअल मंत्री है, जो पूरी तरह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मुताबिक काम करती है।

प्रधानमंत्री एडी रामा ने हाल ही में चौथी बार चुनाव जीतने के कुछ महीनों बाद डिएला को अपने कैबिनेट में शामिल किया है। डिएला को सरकारी फंडिंग प्रोजेक्ट्स और पब्लिक टेंडरों में भ्रष्टाचार रोकने की जिम्मेदारी दी गई है।

विपक्ष ने इसकी आलोचना की है। डेमोक्रेटिक पार्टी ने कहा कि

यह एक पब्लिसिटी स्टंट है और संविधान के खिलाफ भी है।

10 लाख लोगों की मदद कर चुकी डिएला

अल्बानियाई भाषा में डिएला नाम का मतलब 'धूप' या 'सूरज' होता है। डिएला इससे पहले भी अल्बानिया में काम कर चुकी है। वह एक एआई-आधारित वर्चुअल असिस्टेंट थी, जो नागरिकों को सरकारी दस्तावेज पाने में मदद करती थी। यानी कि अल्बानियाई नागरिक पहले से ही डिएला से परिचित हैं।

रामा का दावा है कि डिएला ने ई-अल्बानिया प्लेटफॉर्म पर दस लाख से ज्यादा लोगों की मदद की। लेकिन अब उनका इरादा है कि डिएला को एक साधारण चैटबॉट से कहीं आगे ले जाकर सरकारी कामकाज का अहम हिस्सा बनाया जाए।

सरकारी डेटा लीक नहीं करेगी डिएला

रामा कहते हैं कि बड़ी-बड़ी विकसित अर्थव्यवस्थाएं अभी भी पुराने तरीकों पर अटकी हैं, जबकि अल्बानिया इस पहल के जरिए एक छलांग लगा सकता है। रामा ने कहा कि उनका मकसद अल्बानिया को ऐसा देश बनाना है जो पूरी तरह करप्शन फ्री हो।

एआई मंत्री बनाना एक प्रतीकात्मक कदम है क्योंकि अल्बानिया के संविधान के मुताबिक मंत्री बनने के लिए इंसान का वयस्क और सक्षम होना जरूरी है। लेकिन फिर भी, एक इंसान की बजाय एआई को चुनने के कई फायदे बताएं जा रहे हैं। डिएला कभी सरकारी रहस्य लीक नहीं करेगी, न ही भ्रष्टाचार या खर्च घोटालों में फंसेगी। उसे सिर्फ बिजली चाहिए।

इससे पहले जून में रामा ने कहा था कि एक दिन अल्बानिया में डिजिटल मंत्री या यहां तक कि एआई प्रधानमंत्री भी हो सकते हैं। तब बहुत कम लोगों ने सोचा होगा कि यह इतनी जल्दी हकीकत बन जाएगा।

नराकास (उपक्रम) एवं ईसीआईएल राजभाषा परियोजना प्रबंधन का उत्कृष्ट केन्द्र

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद तथा इसके समन्वय कार्यालय इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) में राजभाषा कार्यान्वयन को एक परियोजना प्रबंधन के रूप में साकार किया जाता है। नराकास (उपक्रम), हैदराबाद में विगत अनेक वर्षों से राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्राप्त करने की एक अविरल परंपरा है। विगत वर्ष समिति ने अखिल भारतीय स्तर पर 'ग' क्षेत्र में प्रथम पुरस्कार तथा इस वर्ष 'उत्कृष्ट श्रेणी नराकास' पुरस्कार प्राप्त कर एक कीर्तिमान स्थापित किया है। नराकास में राजभाषा अधिनियम, नियम तथा विभिन्न संवैधानिक प्रावधानों को सुनिश्चित करते हुए 'विकसित भारत @ 2047' की दिशा में मौलिक लेखन, रिकॉर्ड डिजिटलीकरण तथा प्रौद्योगिकी अनुवाद के क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। समिति के सभी सदस्य कार्यलयों से विभिन्न राजभाषा संबंधी रिपोर्टों एवं

सूचनाओं को प्राप्त होते ही डिजिटल प्रारूप में सुरक्षित कर लिया जाता है। नराकास (उपक्रम) के समन्वय कार्यालय ईसीआईएल की राजभाषा टीम ने विभिन्न राजभाषा प्रतियोगिताओं का एक वार्षिक कैलेंडर बनाया है। प्रत्येक माह किसी सदस्य कार्यालय में प्रतियोगिता का आयोजन करना

तथा प्रतियोगिता की गंभीरता, शुचिता एवं पवित्रता को अक्षुण्ण रखने के लिए एक अन्य सदस्य

डॉ. राजनारायण अवस्थी
सदस्य-सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम)

कार्यालय के अधिकारी को पर्यवेक्षक का उत्तरदायित्व दिया जाता है। प्रत्येक प्रतियोगिता के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य यह है कि प्रतिभागी एवं अन्य उपस्थित कार्मिकों की प्रतियोगिताआयोजन में समय प्रबंधन, प्रोटोकॉल, प्रतियोगिता आयोजन का प्रबंधन तथा अन्य सामान्य व्यवस्थाओं की योजनाओं को सीखने का सुअवसर मिलता है। नराकास (उपक्रम) समन्वय कार्यालय ईसीआईएल प्रत्येक वर्ष 12 प्रतियोगिताओं का आयोजन कर रहा है। इन प्रतियोगिताओं में अनुवाद प्रतियोगिता, सुलेख एवं श्रुतलेख प्रतियोगिता, शब्दावली, टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता, वाक् प्रतियोगिता, कंप्यूटर पर हिन्दी शब्द संसाधन प्रतियोगिता, अंत्याक्षरी प्रतियोगिता, अतीत की स्मृतियों के झरोखे से, एक भारत-श्रेष्ठ भारत प्रतियोगिता, राजभाषा नीति प्रश्नमंच प्रतियोगिता, तकनीकी विषयों पर पेपर प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता, प्रश्नमंच प्रतियोगिता तथा निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। 'अतीत की स्मृतियों के झरोखे से' प्रतियोगिता ने सदस्य कार्यालयों का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया है। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागी अपने जीवन के अविस्मरणीय संस्मरण सुनाते हैं, जिन्होंने उनके जीवन में प्रेरित किया है। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागी अन्य प्रतिभागियों के संस्मरण सुनकर भाव विभोर हो जाते हैं। अखिल भारतीय स्तर पर इस अप्रतिम प्रतियोगिता का आयोजन केवल नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद में किया जाता है। नराकास (उपक्रम) का समन्वय कार्यालय ईसीआईएल अपने आप में स्वयं प्रौद्योगिकी अनुवाद, भाषा प्रौद्योगिकी तथा प्रकाशन कौशल के क्षेत्र में उत्कृष्टता का केन्द्र है। यहां की राजभाषा टीम प्रकाशन कौशल, प्रौद्योगिकी अनुवाद, मशीन अनुवाद के क्षेत्र में सिद्धहस्त है। विशेषज्ञों की यह टीम नराकास की प्रतियोगिताओं, प्रशिक्षण एवं क्षमता संवर्द्धन पर निरंतर कार्य करती रहती है। आने वाले समय के लिए एक प्रभावशाली योजना तैयार की गई है।

सदस्य कार्यालयों के सहयोग से संसदीय राजभाषा समिति निरीक्षण प्रश्नावली पर संभावित प्रश्न तथा उन प्रश्नों के सटीक एवं तथ्यपरक संक्षिप्त उत्तर, धन्यवाद ज्ञापन पर प्रभावशाली प्रशिक्षण कार्यक्रम की योजना है।

इसी प्रकार पत्रिका संपादन कौशल पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम की योजना है। पत्रिका प्रकाशन में मौलिक तकनीकी लेख किस प्रकार लिखा जाए, लेख में कौन-कौन से प्रश्नावली सृजनात्मक तत्व होने चाहिए इत्यादि का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में पैनेल डिसकसन को भी आयोजित करने की योजना है। इसमें विशेष रूप से संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण में विशेषज्ञता रखने वाले विशेषज्ञ अधिकारियों को आमंत्रित किया जाएगा। राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में प्रेरणा एवं प्रोत्साहन का विशेष स्थान है। इसीलिए यद्यपि नराकास (उपक्रम) के तत्वावधन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यालयों को राजभाषा शील्ड, राजभाषा ट्रॉफी तथा राजभाषा कप लेकिन समन्वय कार्यालय ईसीआईएल स्वयं के तत्वावधान में विभिन्न राजभाषा पुरस्कारों को दिया जाता है। जैसे राजभाषा हिन्दी के क्षेत्र में प्रगामी प्रगति बनाए रखने कार्यालयों को राजभाषा गरिमा पुरस्कार (प्रमाणपत्र तथा शील्ड), राजभाषा प्रतियोगिता आयोजक कार्यालयों को 'राजभाषा प्रेरणा पुरस्कार' तथा अखिल भारतीय हिन्दी दिवस एवं राजभाषा सम्मेलन के अवसर पर प्रकाशित होने वाली संस्मारिका में आलेख प्रकाशित होने पर 'राजभाषा सौरभ' पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग की दिशा में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) तथा समन्वय कार्यालय इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) प्रगति के पथ पर निरंतर अग्रसर है।

नेपाल में 6 महीने में चुनाव कराएंगी सुशीला कार्की

भारतीय राजदूत ने पीएम बनने पर मिलकर बधाई दी, ओली की पार्टी संसद भंग के खिलाफ

काठमांडू, 13 सितंबर (एजेंसियां)। सुशीला कार्की ने शुक्रवार को नेपाल की पहली महिला अंतरिम पीएम पद की शपथ ली। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने उन्हें शपथ दिलाई, इस दौरान उपराष्ट्रपति, चीफ जस्टिस और कई देशों के डिप्लोमैट्स मौजूद थे। नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने भी सुशीला कार्की से मिलकर उन्हें बधाई दी। अब सुशीला कार्की पर 5 मार्च, 2026 से पहले नए संसदीय चुनाव कराने की जिम्मेदारी है।

राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने कल संसद भंग करने का भी ऐलान किया था। पूर्व पीएम केपी ओली की कम्युनिस्ट पार्टी (यूएमएल) ने इस फैसला का विरोध किया है। यूएमएल महासचिव शंकर पोखरेल ने पार्टी कार्यकर्ताओं से इसके खिलाफ सड़कों पर उतरने की अपील की है। वहीं, जेन-जी नेताओं ने इस सरकार में शामिल होने से इनकार कर दिया। उनका कहना है कि वे सरकार में शामिल नहीं होंगे, लेकिन सरकार के कामकाज की निगरानी करेंगे। भारत सरकार ने सुशीला कार्की की अंतरिम सरकार का स्वागत किया है। भारत ने उम्मीद जताई है कि यह सरकार नेपाल में शांति और स्थिरता लाने में मदद करेगी। भारत ने यह भी कहा कि वह एक करीबी पड़ोसी, सहयोगी लोकतंत्र और लंबे समय से विकास साझेदार के तौर पर नेपाल के साथ मिलकर दोनों देशों और उनकी जनता की भलाई के लिए काम करता रहेगा।

रांची से पूर्णिया के लिए इंडिगो की नई फ्लाइट 17 से

रांची, 13 सितंबर (एजेंसियां)। रांची और पूर्णिया के यात्रियों के लिए खुशखबरी है। इंडिगो एयरलाइंस 17 सितंबर से रांची से पूर्णिया वाया कोलकाता नई विमान सेवा शुरू करेगा। यह फ्लाइट प्रायोगिक तौर पर सप्ताह में तीन दिन सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को संचालित होगी। एयरलाइन के अनुसार इस नई सेवा से बिहार-झारखंड के लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी और सफर में समय की बचत होगी। नई सेवा के मुताबिक विमान रांची से सुबह 7.40 बजे कोलकाता के लिए रवाना होगा। कोलकाता से यात्रियों को लेकर दोपहर 1.40 बजे पूर्णिया पहुंचेगा। वहीं इसी दिन यह विमान पुनः रांची के लिए कोलकाता से प्रस्थान करेगा। पूर्णिया से यह विमान दोपहर 2.30 बजे रवाना होकर कोलकाता पहुंचेगा।

बाबूलाल बोले- हेमंत सरकार ने प्रशासन को बंधक बनाया

डीजीपी को न यूपीएससी वैध मान रही न भारत सरकार अवैध तरीके से कुर्सी पर काबिज, प्रोन्नति अटकी

रांची, 13 सितंबर (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। मरांडी ने कहा कि सरकार प्रशासन को बंधक बनाकर सत्ता का खेल खेल रही है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में पुलिस महकमे की पदोन्नति प्रक्रिया महीनों से ठप है, जिससे न केवल अफसरों के संवैधानिक अधिकारों का हनन हो रहा है, बल्कि यह पूरी व्यवस्था को पंगु बनाने की साजिश भी है।

बाबूलाल मरांडी का कहना है कि 17 वरिष्ठ डीएसपी लंबे समय से प्रमोशन का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन सरकार की मनमानी और राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ रही। उन्होंने इसे पुलिसकर्मियों के अधिकारों के साथ खिलवाड़ बताया। मरांडी ने कहा कि यह स्थिति पुलिस महकमे में निराशा और अव्यवस्था फैला रही है, जिससे राज्य की कानून व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। बाबूलाल मरांडी ने झारखंड के वर्तमान डीजीपी अनुराग गुप्ता की नियुक्ति को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि अनुराग गुप्ता न केवल अपनी सेवा अवधि पूरी कर चुके हैं, बल्कि यूपीएससी और केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी उन्हें वैध डीजीपी मानने से इनकार कर दिया है। बावजूद इसके, राज्य सरकार ने उन्हें पद पर बनाए रखा है। मरांडी के मुताबिक, यूपीएससी ने जब प्रमोशन कमेटी में अनुराग गुप्ता को शामिल करने से मना किया तो पूरी बैठक को ही रद्द कर दिया गया, जो राज्य सरकार की मंशा पर सवाल खड़ा करता है। बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया पर भी सरकार पर हमला तेज किया। उन्होंने आरोप लगाया कि अनुराग गुप्ता को डीजीपी बनाकर मुख्यमंत्री अपने काले कारनामों को छुपाना चाहते हैं। मरांडी ने दावा किया कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को भी डीजीपी के इशारों पर काम करना पड़ रहा है। उन्होंने हालिया एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि एसीबी द्वारा हेमंत सोरेन से जुड़ी फाइलों के गायब होने की खबर सामने आई है, जो गंभीर चिंता का विषय है।

67 हाथियों के झुंड ने तोड़ा मकान

कोरबा, 13 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में हाथियों का आतंक जारी है। वन मंडल कटघोरा में इस समय 67 हाथी अलग-अलग झुंड में विचरण कर रहे हैं। इनमें से 66 हाथी शुक्रवार (12 सितंबर) को केंदई रेंज में देखे गए हैं।

झुंड में नन्हे शावक भी हैं। 9 सितंबर को केंदई के सखोदा परिसर में 26 हाथियों के दल में एक नए शावक ने जन्म लिया है। वहीं, हाथियों ने गयामाड़ा गांव में अमृतलाल मंझवार के कच्चे मकान को तोड़ दिया। घटना शुक्रवार रात की है।

बताया जा रहा है परिवार घर में सो रहा था। हाथियों की आहट सुनकर वे एक कमरे में छिपकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। हाथी काफी देर तक आसपास घूमते रहे और घर में रखा धान भी खा गए।

100 फीट ऊंचा साइलो प्लांट ढहा

धनबाद, 13 सितंबर (एजेंसियां)। धनबाद जिले के बाघमारा स्थित बीसीसीएल ब्लॉक-2 क्षेत्र के न्यू मधुबन वाशरी में शुक्रवार देर रात करीब 1 बजे बड़ा हादसा हो गया। वाशरी में बने करीब 100 फीट ऊंचे साइलो प्लांट का नंबर-1 सेलो अचानक धमाके जैसी आवाज के साथ ढह गया।

हादसे के समय अधिकांश कर्मचारी ड्यूटी पर नहीं थे, जिससे बड़ा जानमाल का नुकसान टल गया। हालांकि एक कर्मचारी मलबे में फंस गया। जिसे निकाला गया।

स्थानीय गोपाल महतो के अनुसार, राधा इंजीनियरिंग कंपनी का कर्मचारी धर्मेंद्र कुमार साइलो प्लांट के अंदर फंसा हुआ है। मौके पर मौजूद नरेश महतो ने बताया कि हादसे के समय वे जांच कर रहे थे और गिरने की आहट मिलते ही वहां से भाग निकले।

मोबाइल पर कहासुनी के बाद प्रेमी जोड़े ने दी जान

गुमला, 13 सितंबर (एजेंसियां)। गुमला में मोबाइल पर कहासुनी के बाद पहले प्रेमिका ने फिर प्रेमी ने फांसी लगाकर जान दे दी। इस घटना ने पूरे बिशुनपुर प्रखंड को स्तब्ध कर दिया है।

आठवीं कक्षा में पढ़ने वाली 14 वर्षीय छात्रा और 10वीं का 17 वर्षीय छात्र ने अलग-अलग स्थानों पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना ने न केवल दोनों परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है बल्कि पूरे गांव को भी शोकाकुल कर दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, छात्रा अपने घर में अकेली थी। उसी दौरान उसका प्रेमी, जो नवागढ़ सेरका गांव का निवासी था, ने उसे फोन किया।

51 किमी की रेल लाइन से मिजोरम दिल्ली से जुड़ा

बैराबी-सायरंग के बीच 45 सुरंगें, कुतुबमीनार से ऊंचा भारत का दूसरा ब्रिज, पीएम ने उद्घाटन किया

आइजोल, 13 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को मिजोरम की पहली रेल लाइन बैराबी-सायरंग का उद्घाटन किया। 51 किमी लंबी बैराबी-सायरंग रेलवे लाइन के जरिए मिजोरम की दिल्ली, गुवाहाटी और कोलकाता से सीधी रेल कनेक्टिविटि हो गई है।

इस रेलवे रूट में 45 सुरंग, 88 छोटे और 55 बड़े ब्रिज हैं। इसके अलावा 114 मीटर ऊंचा देश का दूसरा पियर ब्रिज भी है, जो कुतुब मिनार (72 मीटर) से भी ऊंचा है।

पीएम ने कहा, 'लंबे समय से हमारे देश की कुछ राजनीतिक पार्टियां वोट बैंक पॉलिटिक्स कर रही हैं। जिन्होंने मिजोरम को अनदेखा किया, लेकिन आज मिजोरम फ्रंटलाइन में हैं।'

दरअसल, पीएम मोदी 2 दिन के नॉर्थ ईस्ट दौरे पर हैं। वे सुबह मिजोरम के आईजोल पहुंचे, यहां

लेंगपुई एयरपोर्ट से 9000 करोड़ के प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया। इसके बाद पीएम मणिपुर के लिए रवाना हुई। यहां चुराचांदपुर और इंफाल में प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करेंगे, साथ ही शाम 5 बजे असम के गुवाहाटी में भूपेन हजारिका जन्म शताब्दी समारोह में शामिल होंगे। सायरंग से दिल्ली ट्रेन की वजह से अब यह राज्य राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सीधे जुड़ गया है। यह ट्रेन हफ्ते में एक दिन चलेगी और 2510 किमी का सफर 45 घंटे 30 मिनट तय करेगी। एवरेज स्पीड 57.81 किमी प्रति घंटे होगी।

सायरंग-कोलकाता ट्रेन सप्ताह में 3 दिन चलेगी। कोलकाता से सायरंग के बीच की 1530 किमी की दूरी 31.15 घंटे में पूरी होगी। यह ट्रेन सप्ताह में शनिवार, मंगलवार और बुधवार को चलेगी। इस ट्रेन की एवरेज स्पीड 48.96 किमी प्रति घंटे होगी।

सायरंग-गुवाहाटी ट्रेन सायरंग से दिन में 12:30 बजे चलेगी। आधी रात के बाद 2:30 बजे गुवाहाटी पहुंचेगी। इसके साथ एक मालगाड़ी भी सायरंग से निकलेगी देश के दूसरे हिस्सों को जोड़ेगी। आज से आइजोल भी देश के रेलवे मैप पर होगा। मुझे यह अवसर मिला कि मैं रेलवे लाइन का उद्घाटन कर सकूं। कई चुनौतियों से उबरते हुए यह रेल लाइन का सपना सच हो सका है। हमारे इंजीनियर की योग्यता ने इसे साकार किया। मिजोरम प्रतिभाशाली युवाओं से भरपूर है और हमारा काम उन्हें सशक्त बनाना है। हमारी सरकार यहां पहले ही 11 एकलव्य आवासीय स्कूल बना चुकी है। 6 और विद्यालयों पर काम शुरू होने वाला है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि इस क्षेत्र में लगभग 4500 स्टार्टअप और 25 इनक्यूबेटर काम कर रहे हैं।

एडीआर फाउंडर प्रो. छोकर का निधन

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। चुनाव सुधारों के लिए काम करने वाले संगठन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के को-फाउंडर और चुनाव सुधारों के प्रबल समर्थक प्रो. जगदीप एस छोकर का दिल्ली में हार्ट अटैक से निधन हो गया। वे 81 साल के थे। प्रो. छोकर की इच्छा के अनुसार उनका शरीर रिसर्च के लिए लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज को डोनेट किया गया है। आईआईएम अहमदाबाद में प्रोफेसर रहे छोकर ने 1999 में एडीआर की स्थापना की। इसके जरिए चुनावी पारदर्शिता के लिए कई कानूनी लड़ाइयां लड़ीं। उम्मीदवारों के बैकग्राउंड का खुलासा व इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम रद्द कराने जैसे सुधार उनकी कोशिशों के चलते ही संभव हो सके।

सीएम सवार थे, हॉट एयर बैलून में आग लगी

मंदसौर में तेज हवा से ट्रॉली झुकी, पायलट ने कहा- कपड़ा फायर प्रूफ, कलेक्टर बोलीं- ये हादसा नहीं

मंदसौर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट के पास हिंगलाज रिसोर्ट में नाइट हाल्ट के बाद शनिवार सुबह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव हॉट बैलून में सवार हुए, लेकिन हवा की रफ्तार 20 किलोमीटर प्रतिघंटा होने से बैलून नहीं उड़ सका।

इस दौरान उसके निचले हिस्से में आग लग गई, जिसे वहां मौजूद कर्मचारियों ने बुझाया। दूसरी ओर, सीएम डॉ. यादव जिस ट्रॉली में सवार थे, उसे सिक्योरिटी गार्ड्स ने संभाले रखा, जिससे डॉ. यादव सुरक्षित हैं। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार शाम को गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट में गांधीसागर फेस्टिवल के चौथे संस्करण की शुरुआत की थी। रात में वे रिट्रीट के पास हिंगलाज रिसोर्ट में ही रुके थे। उन्होंने क्रूज पर सवार होकर चंबल डैम के बैक वाटर एरिया घूमा। शनिवार सुबह

वे रिट्रीट पहुंचे। यहां बोटिंग का लुत्फ उठाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंदसौर सांसद सुधीर गुप्ता के साथ हॉट एयर बैलून के रोमांचकारी सफर पर निकल रहे थे, लेकिन उस समय हवा की रफ्तार ज्यादा थी। इस वजह से बैलून उड़ नहीं सका। जब उसमें एयर भरी जा रही थी, वह नीचे झुक गया। जिससे निचले हिस्से में आग लग गई। इसके ठीक नीचे सीएम थे। इसके चलते सीएम सिक्योरिटी भी अलर्ट हुई और ट्रॉली को संभाले रखा। दूसरी ओर, एक्सपर्ट और कर्मचारियों ने आग को बुझाया।

कलेक्टर अदिति गर्ग ने बयान जारी कर कहा कि एयर बैलून में सुरक्षा के संबंध में किसी तरह की कोई चूक नहीं हुई है। मुख्यमंत्री जी केवल एयर बैलून को देखने के लिए गए थे। हॉट एयर बैलून, जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, गर्म हवा का गुब्बारा होता है।

रेप-लव जिहाद के आरोपियों के घर पर चला बुलडोजर

भोपाल, 13 सितंबर (एजेंसियां)। भोपाल में कॉलेज छात्राओं से रेप और लव जिहाद के आरोपी साद और साहिल के अवैध मकानों पर आज जिला प्रशासन का बुलडोजर चला। तीसरे आरोपी फरहान के घर पर कार्रवाई फिलहाल टाल दी गई है। शनिवार को 11 बजे कोर्ट में उसकी पेशी होनी थी, लेकिन लोक अदालत के चलते नहीं हो पाई। आरोपी फरहान के पिता रिजवान ने कहा, पुलिस ने हमसे 10 लाख रुपए की डिमांड की गई थी। करीब 15 दिन तक इस मामले को दबाए रखा। हम 2 लाख रुपए ही दे पाए, 8 लाख की व्यवस्था नहीं हुई तो मिसरोद थाने के रंजीत सिंह ने मेरे बच्चे पर लव जिहाद का केस दर्ज कर दिया। अदालत का फैसला नहीं आया है, उससे पहले ही हमारे मकान गिराए जा रहे हैं।

कार्रवाई से पहले शुक्रवार को मकानों के आसपास बैरिकेडिंग कर दी गई थी। शनिवार सुबह 5 बजे अर्जुन नगर में भारी पुलिस बल के साथ प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। इस मामले में कोर्ट ने आरोपी पक्ष की ओर से आवेदन लगाने के बावजूद कार्रवाई पर स्टे नहीं लगाया।

फरहान, साद, साहिल, नबील, अली और अबरार पर निजी कॉलेज की छात्राओं के साथ रेप और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने के आरोप हैं। मामले की सुनवाई कोर्ट में चल रही है। गोविंदपुरा एसडीएम रवीश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि नियमानुसार कार्रवाई होगी। पुलिस की मौजूदगी में सरकारी जमीन पर बने अवैध कब्जे को हटाया गया।

गणेश विसर्जन जुलूस में ट्रक घुसा, 9 की मौत, 20 घायल

चश्मदीद बोले- ट्रक बेकाबू हुआ, पहिए के नीचे आ गए लोग

बेंगलुरु, 13 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के हासन जिले में शुक्रवार रात एक ट्रक ने गणेश विसर्जन जुलूस में शामिल लोगों को कुचल दिया। 9 लोगों की मौत हो गई, 20 लोग घायल हैं। घटना लगभग 8.45 बजे मोसाले होसाहल्ली गांव में हुई।

पुलिस के मुताबिक, ज्यादातर मृतक युवा लड़के हैं। घायलों को अस्पताल में एडमिट कराया गया है। चश्मदीद ने बताया, ट्रक अरकलागुडु की तरफ से आ रहा था। जुलूस के नजदीक पहुंचते ही ट्रक का कंट्रोल खो गया और वह भीड़ को कुचलता हुआ निकल गया, लोग ट्रक के पहिए के नीचे आ गए। इधर पीएम मोदी ने हादसे में मरने वाले सभी मृतकों के परिजन को 2 लाख और घायलों को 50,000 रुपए देने की घोषणा की है। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने इस दुर्घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा, मुझे गहरा दुख है कि गणपति जुलूस में शामिल लोगों पर एक ट्रक के चढ़ने से श्रद्धालुओं की जान चली गई। यह एक बहुत ही दुखद घटना है।

वायुसेना को 114 राफेल चाहिए रक्षा मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा

60% स्वदेशी सामान होगा, 2 लाख करोड़ का सौदा संभव

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। इंडियन एयर फोर्स को 114 'मेड इन इंडिया' राफेल लड़ाकू विमान की जरूरत है। इसके लिए सेना की तरफ से रक्षा मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा जा चुका है।

इन विमानों को फ्रांसीसी कंपनी डसॉल्ट एविएशन और भारतीय एयरोस्पेस कंपनियां मिलकर बनाएंगीं। 'मेड इन इंडिया' राफेल में 60 परसेंट सामान स्वदेशी होगा।

यह फैसला ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के खिलाफ राफेल के शानदार प्रदर्शन के तुरंत बाद लिया गया है। इस प्रस्ताव की अनुमानित लागत 2 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा है।

रक्षा अधिकारियों ने एएनआई को बताया कि भारतीय वायु सेना की तरफ से केस स्टेटमेंट या प्रस्ताव कुछ दिन पहले रक्षा

मंत्रालय को प्राप्त हुआ था। रक्षा, वित्त सहित अन्य विभाग इस पर विचार कर रहे हैं।

विचार-विमर्श के बाद, प्रस्ताव को रक्षा खरीद बोर्ड और उसके बाद रक्षा अधिग्रहण परिषद के पास भेजा जाएगा। अगर फ्रांस के साथ यह सौदा हो जाता है तो भारत सरकार की अब तक की सबसे बड़ी डिफेंस डील होगी।

भारतीय सेना में 176 राफेल विमान हो जाएंगे

114 राफेल की डील पूरी होने के बाद भारतीय सेना के बेड़े में राफेल विमानों की संख्या 176 हो जाएगी। हालांकि अभी इसमें थोड़ा वक्त लग सकता है। भारतीय वायु सेना पहले ही 36 राफेल विमानों को शामिल कर चुकी है, और भारतीय नौसेना ने 26 राफेल मरीन का ऑर्डर दिया है।

भारत और फ्रांस के बीच जून में 26 राफेल मरीन विमानों की डील साइन हुई थी। डील के तहत भारत, फ्रांस से 22 सिंगल सीटर विमान और 4 डबल सीटर विमान खरीदेगा।

ये विमान परमाणु बम दागने की क्षमता से लैस होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक फ्रांस के साथ ये डील करीब 63,000 करोड़ रुपए में हो रही है। इन विमानों की डिलीवरी 2028-29 में शुरू होगी और 2031-32 तक सभी विमान भारत पहुंच जाएंगे।

हाथ जोड़कर ऐशन्या बोलीं- भारत-पाकिस्तान मैच न देखें

पहलगाम में 26 लोग मारे गए ऑपरेशन सिंदूर में जवानों की जानें गईं

कानपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप में कल, 14 सितंबर को भारत और पाकिस्तान के बीच मैच होने वाला है।

दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाना है। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमों के बीच यह पहला मुकाबला है। पहलगाम में आतंकियों ने कानपुर के शुभम द्विवेदी को उनकी पत्नी ऐशन्या के सामने गोली मारकर हत्या कर दी थी। ऐशन्या ने भारत-पाकिस्तान के इस मैच का विरोध किया है। उन्होंने बातचीत में कहा- पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए।

ऑपरेशन सिंदूर में कई जवानों की जान गई। इसके बावजूद मैच कराया जा रहा है। मुझे लगता है कि बीसीसीआई में इमोशंस नहीं हैं। इन सब की शहादत आपके लिए कोई वैल्यू नहीं रखती।

टैरिफ की टेंशन के बीच शशि थरूर ने निकाला टूरिज्म वाला फॉर्मूला

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की ओर से भारत से होने वाले आयात पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के खिलाफ कांग्रेस सांसद शशि थरूर बहुत ज्यादा हमलावर रहे हैं। शुक्रवार को सिंगापुर में भी उन्होंने इस मामले को लेकर अमेरिका और ट्रप पर जोरदार हमला बोला था। लेकिन, इसके साथ ही उन्होंने टैरिफ की वजह से भारतीय अर्थव्यवस्था का संकट बढ़ने की बात कही थी और खासकर रोजगार जाने पर चिंता जताई थी। शनिवार को उन्होंने युवाओं को रोजगार के अवसर दिलाने के लिए टूरिज्म पर फोकस करने की सलाह दी है।

सिंगापुर से भारत लौटने के बाद तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस

सांसद ने देश में टूरिज्म सेक्टर के विस्तार की जरूरत पर जोर दिया है।

उन्होंने एक दिन पहले सूरत में टैरिफ की वजह से एक लाख से ज्यादा नौकरियां जाने का मुद्दा उठाया था और इसके समाधान पर काम करने की आवश्यकता बताई थी।

शनिवार को उन्होंने मुंबई में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, 'ऑटोमेशन की वजह से मैन्युफैक्चरिंग में सीमित रोजगार पैदा होंगे, लेकिन टूरिज्म अकुशल और कम कुशल श्रमिकों को भी समाहित कर सकता है और हमारे युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवा सकता है।'

कांग्रेस सांसद बोले, 'दुबई और सिंगापुर जैसे देश जो कि भारत से काफी छोटे हैं, वहां इससे 10 से 20 गुना ज्यादा पर्यटक जाते हैं। हमें निश्चित रूप से टूरिज्म को प्राथमिकता देनी चाहिए, ज्यादा होटल बनाने चाहिए, सुविधाएं बढ़ानी चाहिए और इसे राष्ट्रीय प्राथमिकता के तौर पर लेना चाहिए।'

शशि थरूर ने जो कहा है, अगर इस साल के केंद्रीय बजट को देखें तो सरकार की ओर से उसपर काफी जोर भी दिया गया है। चालू वित्त वर्ष (2025-26) के बजट के मुताबिक वित्त वर्ष 2023 में भारत में पर्यटन क्षेत्र से 7.6 करोड़ रोजगार पैदा हुए। पर्यटन क्षेत्र में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, स्किल डेवलपमेंट और यात्रा सुविधाओं के लिए 2541.06 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

राज्यों के साथ साझेदारी में 50 टॉप टूरिस्ट डेस्टिनेशन विकसित करने की पहल की गई है। टूरिज्म सेक्टर को बढ़ावा देने के इरादे से बजट में युवाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू करने की बात की गई है। होमस्टे के लिए मुद्रा लोन देने, टूरिस्ट डेस्टिनेशन तक कनेक्टिविटी और अन्य सुविधाएं बेहतर करने के साथ ही परफॉर्मेंस आधारित इंसेंटिव का भी प्रावधान किया गया है।

चेन्नई से लौटे मजदूर की मिली लाश

तालाब के पास पड़ा था शव, शरीर पर चोट के निशान, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

जामताड़ा, 13 सितंबर (एजेंसियां)। जामताड़ा के कर्माटांड थाना क्षेत्र के भीठरा गांव में सिरा बांध तालाब के पास 35 वर्षीय तस्लीम अंसारी का शव मिला है। तस्लीम दो दिन पहले ही चेन्नई से मजदूरी करके लौटे थे।

परिजनों के अनुसार, शुक्रवार को तस्लीम गांव के जैनुल अंसारी के साथ अबुआ आवास योजना के लिए बैंक से 20 हजार रुपए निकालने गए थे। शाम 6-7 बजे तक उन्होंने घर लौटने की बात की थी, लेकिन वे रात भर घर नहीं पहुंचे। शनिवार सुबह ग्रामीणों ने पुलिया के पास उनका शव देखा।

मृतक के शरीर पर कई जगह चोट के निशान मिले हैं। मृतक की पत्नी सूती खातून ने हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

कर्माटांड थाना प्रभारी चंदन तिवारी ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। घटनास्थल पर मिले साक्ष्य संदिग्ध हैं। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

अरबों का चमत्कारी कलश बताकर 1.94 करोड़ ठगे

कहा- सरकार बेचेगी, पैसा सबको बंटेगा, 5 करोड़ मुनाफे का लालच, फर्जी-कंपनी बनाकर 70 हजार तक वसूले

जशपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में जादुई कलश के नाम पर ग्रामीणों से करोड़ों की ठगी की गई है। शातिर ठगों ने दावा किया कि उन्हें कोरबा से एक जादुई कलश मिला। इसकी कीमत विदेश में अरबों में हैं। सरकार इसको बेचेगी और मुनाफा सभी सदस्यों में बांटा जाएगा।

ग्रामीणों को झांसे में लेकर ठगों ने सिक्योरिटी मनी और प्रोसेसिंग फीस के नाम पर 25,000 से 70,000 रुपए वसूले। 1 से 5 करोड़ रुपए मुनाफे का लालच दिया। यह मामला पत्थलगांव थाना क्षेत्र का है। जब ग्रामीणों को इसका फायदा नहीं मिला, तो उन्होंने थाने में शिकायत की। तब इस मामले का खुलासा हुआ।

पुलिस ने शुक्रवार को 4 आरोपी को गिरफ्तार किया है। शुरुआती जांच में 1 करोड़ 94 लाख रुपए के ठगी के सबूत मिले हैं। यह रकम और भी ज्यादा हो

सकती है। दरअसल, 2021 में 6 ठगों ने आरपी ग्रुप नाम से फर्जी कंपनी बनाकर ग्रामीणों को झांसे में लिया। उन्होंने ग्रामीणों को मौखिक रूप से बताया कि कोरबा जिले के मंडवारानी क्षेत्र में एक जादुई कलश मिला है। दावा किया कि यह चमत्कारी धातु का कलश है। यह विदेशों में अरबों की कीमत का है। भारत सरकार इसे बेचेगी, जिससे मुनाफा जुड़े सभी सदस्यों में बांटा जाएगा।

ग्रामीणों से सदस्यता, सिक्योरिटी मनी और प्रोसेसिंग फीस के नाम पर 25,000 से 70,000 रुपए तक वसूले गए। उन्होंने बाकायदा आधार कार्ड, पैन कार्ड और फोटो लेकर केवाईसी की झूठी प्रक्रिया भी पूरी की। कंपनी से जुड़ने पर 1 से 5 करोड़ रुपए मिलने का सपना दिखाया गया।

7 सितंबर 2025 को ग्राम चिड़ौरा की अमृता बाई ने पत्थलगांव थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने बताया कि उसने 2021 में कंपनी में 25,000 रुपए जमा किए थे, लेकिन अब तक कोई फायदा नहीं मिला। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की।

पुलिस ने मामले में राजेन्द्र कुमार दिव्य, तुरेंद्र कुमार दिव्य उर्फ मनीष, प्रकाश चंद्र धृतलहरे और उपेंद्र कुमार सारथी को गिरफ्तार किया है। इनके पास से कार, मोबाइल और दस्तावेज समेत करीब 13 लाख रुपए का सामान जब्त किया गया है। वहीं महेंद्र बहादुर सिंह ठाकुर और एक अन्य आरोपी अभी फरार हैं।

जांच में सामने आया है कि जशपुर, सरगुजा, कोरबा, रायगढ़ और बिलासपुर जिलों के ग्रामीण इस ठगी के जाल में फंसे हैं। अब तक की जांच में पुलिस को करीब 1 करोड़ 94 लाख रुपए की ठगी के साक्ष्य मिले हैं, जबकि वास्तविक राशि इससे कहीं ज्यादा होने की आशंका है।

इस मामले में SSP शशि मोहन सिंह ने बताया कि यह एक बड़ा ठगी का मामला है। जिसमें

महिला पुलिसकर्मी से चेन छिनतई

बच्चों के साथ टहल रही थीं प्रीति कुमारी, बाइक सवार दो युवक चेन लेकर फरार

धनबाद, 13 सितंबर (एजेंसियां)। धनबाद के धीरेंद्रपुरम कॉलोनी में शुक्रवार शाम एक महिला पुलिसकर्मी से चेन छिनतई की घटना सामने आई। घटना की शिकार प्रीति कुमारी हैं, जो वायरलेस ऑफिस में कॉन्स्टेबल के पद पर तैनात हैं। प्रीति अपने बच्चों के साथ कॉलोनी में टहल रही थीं, तभी दो युवकों ने पल्सर बाइक से उनका गहना छीन लिया। पुलिस ने बताया कि बाइक चालक नीली शर्ट में था, जबकि पीछे बैठा युवक काली शर्ट पहने था। प्रीति कुमारी ने बताया कि अपराधियों ने घटना से पहले इलाके में कई बार रेकी की थी। छिनी गई चेन का वजन लगभग सात ग्राम है। इसकी कीमत 70 से 80 हजार रुपए के बीच आंकी जा रही है। घटना के तुरंत बाद प्रीति कुमारी धनबाद थाना पहुंचीं और अज्ञात अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई।

दिल्ली और बॉम्बे हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मामले में एफआईआर दर्ज

सुनवाई रोककर अदालत परिसर करना पड़ा खाली

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली और बॉम्बे हाईकोर्ट को शुक्रवार को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल मिले। पुलिस ने इन दोनों धमकियों को गंभीरता से लेते हुए एफआईआर दर्ज की और जांच शुरू कर दी है। मुंबई पुलिस के अनुसार, बॉम्बे हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी वाले मामले में आजाद मैदान पुलिस स्टेशन में अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मुंबई पुलिस ने आधिकारिक बयान में कहा कि मुंबई आजाद मैदान पुलिस स्टेशन ने बॉम्बे हाईकोर्ट बम धमकी वाले ईमेल मामले में बीएनएस की धारा 353(1) और 353(2) के तहत एफआईआर दर्ज की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

इसके अलावा, दिल्ली हाईकोर्ट को भी शुक्रवार को ही ईमेल के जरिए धमकी मिली। दिल्ली पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सुरक्षा कड़ी कर दी और

एफआईआर दर्ज कर मेल भेजने वाले के स्रोत की जांच शुरू कर दी है। दिल्ली पुलिस की साइबर सेल और तकनीकी टीम इस बात का पता लगाने में जुटी है कि ईमेल कहां से भेजा गया और इसके पीछे कौन लोग शामिल हो सकते हैं।

बता दें कि शुक्रवार को बॉम्बे हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सभी पीठों को सुनवाई रोककर अदालत परिसर खाली करना पड़ा था। बम निरोधक दल को मौके पर बुलाया गया। हाईकोर्ट के बाहर और अंदर जांच पड़ताल की गई, लेकिन कुछ भी संदिग्ध बरामद नहीं हुआ और धमकी झूठी निकली। अब इस मामले में आजाद मैदान पुलिस स्टेशन में अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। इसी तरह दिल्ली हाईकोर्ट में भी शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई थी, जब ईमेल के जरिए बम विस्फोट की धमकी दी गई थी।

क्या अमेरिका अपने बुने जाल में उलझ गया है?

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत को लेकर पूरी तरह कन्फ्यूज हैं। उनकी नीतियों में साफ विरोधाभास दिखता है। एक तरफ वह भारत के साथ ट्रेड डील करके व्यापार बढ़ाने की बात करते हैं। वहीं, दूसरी ओर भारत पर 100% टैरिफ लगाने की कहानी चल पड़ती है। ऐसा दिखने लगा है कि ट्रंप ने टैरिफ का जो जाल बुना था, उसमें वह खुद उलझकर रह गया है। चीन और भारत ने दुनिया को अमेरिका के चंगुल से निकलने का रास्ता दिखा दिया है। हालांकि, समझने की यह जरूरत है कि सुपरपावर अमेरिका की रणनीति इतने पसोपेश में कैसे है। अमेरिका रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर टैरिफ लगाने के लिए अपने जी7 सहयोगियों पर दबाव बनाने लगा है। भारत इस मामले में सीधे तौर पर निशाने पर है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने जी7 देशों के वित्त मंत्रियों के साथ बात की है। उन्होंने कहा कि जो देश रूस से तेल खरीद रहे हैं, उन पर जुर्माना लगाया जाना चाहिए। अमेरिका का कहना है कि रूस को मिलने वाले पैसे को रोकना जरूरी है। तभी यूक्रेन में युद्ध खत्म हो सकता है। चीन और भारत से आने वाले सामानों पर भी टैरिफ लगाने की बात कही गई है। भारत रूस से सस्ता तेल खरीद रहा है। इससे दुनिया भर में तेल की कीमतें स्थिर हैं। लेकिन, अमेरिका इससे खुश नहीं है। ट्रंप भारत से आने वाले सामानों पर टैरिफ को दोगुना कर चुके हैं। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर बातचीत रुक गई थी। हालांकि, भारत का रुख देखकर हाल में ट्रंप के तेवर ढीले पड़ गए थे। उन्होंने भारत के साथ जल्द व्यापार समझौता होने की उम्मीद जताई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी दोस्ती का हवाला भी दिया।

अमेरिका की नीति में विरोधाभास क्यों?

यह साफ तौर पर डोनाल्ड ट्रंप की भारत के प्रति नीति में विरोधाभास को दिखाता है। एक तरफ तो वह भारत के साथ व्यापारिक रिश्ते मजबूत करना चाहते हैं। लेकिन, दूसरी तरफ भारत पर 100% तक टैरिफ लगाने की बात भी कर रहे हैं। अब सवाल यह उठता है कि आखिर ट्रंप ऐसा क्यों कर रहे हैं? ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति इसका एक बड़ा कारण है। 'अमेरिका फर्स्ट' का मतलब है कि ट्रंप हर चीज में अमेरिका को सबसे पहले रखना चाहते हैं। उनका मानना है कि अमेरिका को दूसरे देशों के साथ व्यापार में नुकसान हो रहा है। वह इस नुकसान को खत्म करना चाहते हैं। ट्रंप का कहना है कि भारत जैसे देश अमेरिकी सामानों पर ज्यादा टैक्स लगाते हैं। जबकि भारत से अमेरिका में आने वाले सामानों पर कम टैक्स लगता है। ट्रंप टैरिफ को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। वह इसका इस्तेमाल व्यापार में हो रहे नुकसान को ठीक करने के लिए करना चाहते हैं। वह भारत पर दबाव डालना चाहते हैं कि वह अमेरिका के साथ व्यापार के लिए बेहतर समझौता करे। लेकिन, अब तक भारत ने उनकी मंशा को पूरा नहीं होने दिया है। ट्रंप की अपेक्षा के उलट भारत ने अमेरिका के साथ कड़ा रुख अख्तियार किया है। उसने रूस से तेल खरीदना जारी रखा है। उसका कहना है कि यह पूरी तरह से कानूनी है। चीन के साथ भारत के रश्तिों का सुधरना भी अमेरकि के लिए बड़ी चोट है। क्षेत्र में चीन के प्रभाव को सर्फि भारत ही कंट्रोल में कर सकता है ट्रंप और उनका प्रशासन लगातार कह रहे हैं कि भारत रूस से तेल खरीदकर रूस की 'युद्ध मशीन' को पैसा दे रहा है। ट्रंप जी 7 देशों से भारत और चीन पर टैरिफ लगाने की बात कर रहे हैं। जी7 दुनिया के सात सबसे अमीर देशों का समूह है। ट्रंप का मानना है कि ऐसा करने से भारत पर दबाव बनेगा। यह कदम व्यापार से ज्यादा भू-राजनीतिक दबाव बनाने की रणनीति है।

घरेलू राजनीति को साधना चाहते हैं ट्रंप

ट्रंप की इस रणनीति का एक बड़ा कारण अमेरिकी घरेलू राजनीति भी है। वह अपने मतदाताओं को यह दिखाना चाहते हैं कि वह अमेरिका के उद्योगों और नौकरियों की रक्षा के लिए कड़े कदम उठा रहे हैं। टैरिफ की घोषणाएं और व्यापारिक साझेदारों पर दबाव बनाना इसका हिस्सा है। यह उनकी चुनावी रैलियों में भी एक आम विषय रहा था। इस तरह भारत के साथ व्यापारिक संबंध सुधारने की बात करते हुए भी वह अपने घरेलू राजनीतिक आधार को संतुष्ट करने के लिए कड़े बयान दे रहे हैं।

कपड़ा उद्योग के राजस्व में आ सकती है 5 से 10 फीसदी की गिरावट, क्रिसिल रेटिंग्स की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी टैरिफ से घरेलू कपड़ा उद्योग के राजस्व में 5-10 फीसदी की गिरावट आ सकती है। क्रिसिल रेटिंग्स ने एक रिपोर्ट में यह दावा किया है। इस उद्योग में निर्यात की हिस्सेदारी लगभग तीन-चौथाई है।

तीन प्रमुख कारक कपड़ा उद्योग को सहारा दे सकते हैं

रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा चुनौतियों के बावजूद तीन प्रमुख कारक भारतीय कपड़ा उद्योगों को सहारा दे सकते हैं। इसमें अप्रैल से अगस्त 2025 के बीच बिक्री का मजबूत वृद्धि। दूसरा चीन, पाकिस्तान और तुर्की जैसे प्रतिस्पर्धी देशों की सीमित निर्यात क्षमता खासकर उन उत्पाद श्रेणियों में जहां भारत को कम टैरिफ का फायदा है और भारतीय विनिर्माताओं का वैकल्पिक वैश्विक बाजारों की ओर रुख करना शामिल है। इसके अलावा यह कंपनियों की कर्जमुक्त बैलेंस शीट क्रेडिट प्रोफाइल पर पड़ने वाले दबाव को आंशिक रूप से कम कर सकती है।

खुदरा विक्रेता महंगाई को लेकर सतर्क बने हुए

क्रिसिल रेटिंग्स के उप मुख्य रेटिंग अधिकारी मनीष गुप्ता ने कहा कि होम टेक्सटाइल्स विवेकाधीन उत्पाद हैं। अमेरिका को इसके निर्यात इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 2-3 प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई है। खुदरा विक्रेता मुद्रास्फीति संबंधी चिंताओं के बीच मांग को लेकर सतर्क बने हुए हैं। लेकिन 27 अगस्त से उच्च टैरिफ के कार्यान्वयन से पहले, कुछ ऑर्डरों की अग्रिम लोडिंग के कारण निर्यात में तेजी आई थी। गुप्ता ने आगे कहा कि इसके अलावा, प्रतिस्पर्धी देशों में कपास आधारित घरेलू वस्त्र उत्पाद बनाने की सीमित क्षमता होने के कारण, भारत निकट भविष्य में अमेरिकी बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धी स्थिति बनाए रखने में सक्षम होना चाहिए। इससे इस वित्त वर्ष में उद्योग के कुल राजस्व में गिरावट 5-10 प्रतिशत तक सीमित रहनी चाहिए।

ईयू और यूके के साथ व्यापार बढ़ाने पर जोर

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि इसका असर उन कंपनियों पर ज्यादा पड़ने की उम्मीद है जो अपनी आधी से अधिक आय अमेरिका से कमाती हैं। क्रिसिल रेटिंग ने आगे कहा है कि अमेरिका में कम खरीद की भरपाई के लिए, भारतीय निर्माता यूरोपीय संघ (ईयू) और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के साथ व्यापार बढ़ाने की कोशिश करेंगे। पिछले वित्त वर्ष में भारत के घरेलू कपड़ा निर्यात में इन भौगोलिक क्षेत्रों का कुल योगदान 13 प्रतिशत था। घरेलू निर्यातक अब ब्रिटेन और यूरोपीय संघ पर ज्यादा फोकस कर सकते हैं। हाल ही में ब्रिटेन के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते और यूरोप में बढ़ते अवसरों ने भारतीय कंपनियों के लिए नए रास्ते खोले हैं।

हालांकि, क्रिसिल रेटिंग्स के निदेशक गौतम शाही के अनुसार, इन वैकल्पिक बाजारों से राजस्व बढ़ाने में समय लगेगा।

अमेरिका में महंगाई के चलते मांग में गिरावट

शाही ने कहा कि अमेरिकी बाजार में भारतीय निर्यातकों को ऊंचे टैरिफ का कुछ बोझ खुद उठाना पड़ रहा है। इसके अलावा अमेरिका में महंगाई के चलते मांग में गिरावट की आशंका है। संभावित अधिक आपूर्ति का दबाव न सिर्फ अन्य निर्यात गंतव्यों बल्कि घरेलू बाजार में भी मार्जिन पर असर डाल सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, नतीजतन इस वित्त वर्ष उद्योग स्तर पर परिचालन लाभप्रदता पिछले साल की तुलना में 200-250 आधार अंकों तक कम हो सकती है।

अडानी के पोर्ट पर नहीं घुस सकेंगे 'प्रतिबंधित' जहाज, इससे किसे होगा सबसे ज्यादा नुकसान?

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के सबसे बड़ा प्राइवेट पोर्ट ऑपरेटर अडानी ग्रुप ने एक बड़ा फैसला लिया है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि ग्रुप अब अपने पोर्ट पर उन टैंकरों को आने नहीं देगा जिन पर पश्चिमी देशों ने पाबंदी लगा रखी है। इस फैसले से उन दो भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल की सप्लाई पर असर पड़ सकता है, जो अडानी के गुजरात स्थित मुंद्रा पोर्ट पर नियमित रूप से रूसी तेल मंगवाती हैं। भारत समुद्र के रास्ते आने वाले रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है। ज्यादातर तेल उन टैंकरों से आता है जिन पर यूरोपियन यूनियन, अमेरिका और ब्रिटेन ने पाबंदी लगा रखी है।एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी अपनी सारी कच्चे तेल की सप्लाई मुंद्रा पोर्ट से ही मंगवाती है। यह कंपनी पंजाब के बठिंडा में 226,000 बैरल प्रतिदिन की रिफाइनरी चलाती है। इसी तरह सरकारी तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्प (आईओसी) भी इस पोर्ट का इस्तेमाल तेल इम्पोर्ट करने के लिए करती है।

एलन मस्क ने लगा ली लंबी रेस, बहुत पीछे छूट गए एलिसन, गौतम अडानी की टॉप 20 में वापसी

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। एलन मस्क ने दुनिया के सबसे बड़े रईस के रूप में अपनी पोजीशन काफी मजबूत कर ली है। कुछ दिन पहले वह कुछ समय के लिए ओरेकल के फाउंडर लैरी एलिसन से पिछड़ गए थे। लेकिन पिछले दो दिनों में उनकी नेटवर्थ में काफी उछाल आई है। इस दौरान उनकी नेटवर्थ में करीब 35 अरब डॉलर की तेजी आई है। इसके साथ ही उनकी नेटवर्थ 419 अरब डॉलर पहुंच गई। इस साल उनकी नेटवर्थ में 13.8 अरब डॉलर की गिरावट आई है। मस्क एकमात्र रईस हैं जिनकी नेटवर्थ 400 अरब डॉलर से ज्यादा है। एलिसन की नेटवर्थ अब 349 अरब डॉलर रह गई है। शुक्रवार को उनकी नेटवर्थ में 14.5 अरब डॉलर की गिरावट आई। वैसे इस साल उनकी नेटवर्थ 157 अरब डॉलर बढ़ी है। फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म के सीईओ मार्क जकरबर्ग 265 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। ऐमजॉन के जेफ बेजोस (250 अरब डॉलर), लैरी पेज (211 अरब डॉलर), सर्गेई ब्रिन (198 अरब डॉलर), स्टीव बालमर (175 अरब डॉलर), बर्नार्ड आरनॉल्ट (163 अरब डॉलर), जेंसन

हुआंग (155 अरब डॉलर) और माइकल डेल (149 अरब डॉलर) का नंबर है।

अंबानी-अडानी का हाल

भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी 98.9 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में 18वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 8.25 अरब डॉलर की तेजी आई है। इस बीच अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी 82.1 अरब डॉलर के साथ फिर से टॉप 20 में वापस आ गए हैं। शुक्रवार को उनकी नेटवर्थ में 3.44 अरब डॉलर की तेजी आई है। टॉप 10 में 9 अरबपति अमेरिका के हैं जबकि टॉप 20 में उनकी संख्या 14 है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि प्रारंभ संवत्-1955885126

सूर्योदय 06-06 / सूर्यास्त 18-20

ग्रह स्थिति: सूर्य सिंह, चन्द्र वृष, मंगल कन्या, बुध सिंह, गुरु मिथुन, शुक्र कर्क, शनि मीन, राहु कुंभ, केतु सिंह

लग्न समय: सिंह 04-12 बजे, कन्या 06-18 बजे, तुला 08-24 बजे, वृश्चिक 10-33 बजे, धनु 12-47 बजे, मकर 14-54 बजे, कुंभ 16-44 बजे, मीन 18-26 बजे, मेष 20-02 बजे, वृष 21-47 बजे, मिथुन 23-48 बजे, कर्क 01-59 बजे

दिशाशूल- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी 03-06 तक उपरान्त नवमीं
मास- आश्विन कृष्ण ,रविवार 14 September
नक्षत्र- रोहिणी 08-41 तक उपरान्त मृगशिरा
योग - वज्र 07-35 तक सिद्धि
करण- बालव 16-02 तक उप कौलव
विशेष- अष्टमी श्राद्ध श्रीमहालक्ष्मी व्रतं
व्रत -त्योहार जीवित्पुत्रिका व्रतं

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 16-46 से 18-18 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	06-06 - 07-37	अशुभ	शुभ।	18-20 - 19-46	शुभ
चंचल	07-37 - 09-08	शुभ	अमृत	19-46 - 21-15	शुभ
लाभ	09-08 - 10-40	शुभ	चंचल	21-15 - 22-43	शुभ
अमृत	10-40 - 12-11	शुभ	रोग	22-43 - 00-12	अशुभ
काल	12-11 - 13-43	अशुभ	काल	00-12 - 01-40	अशुभ
शुभ	13-43 - 15-15	शुभ	लाभ	01-40 - 03-08	शुभ
रोग	15-15 - 16-46	अशुभ	उत्पात	03-08 - 04-37	अशुभ
उत्पात	16-46 - 18-20	अशुभ	शुभ	04-37 - 06-06	शुभ

दवाएं और मेडिकल की मशीनें हो जाएंगी सस्ती
जीएसटी रेट कट के बाद सरकार ने लिया ये फैसला

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। सरकार ने सभी दवा कंपनियों को नई जीएसटी व्यवस्था के तहत 22 सितंबर, 2025 से दवाओं, फॉर्मूलेशन और मेडिकल डिवाइसेज की एमआरपी में बदलाव करने का आदेश दिया है। नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ने कहा है कि जीएसटी रेट्स में कमी का फायदा ग्राहकों और मरीजों को मिलेगा । सरकार ने दवा कंपनियों से डीलरों, रिटेलर्स, स्टेट ड्रग कंट्रोलर्स और सरकार को नई जीएसटी दरों और अपडेटेड एमआरपी के साथ नई प्राइस लिस्ट या सप्लीमेंट्री प्राइस लिस्ट जारी करने को कहा है ।

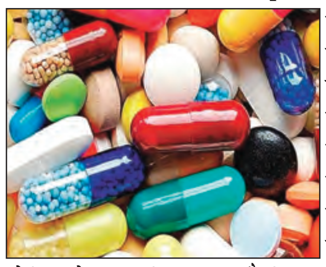

नोटिस में साफ किया गया है कि अगर कंपनियां रिटेल लेवल पर प्राइस कंप्लायंस सुनिश्चित कर लेती हैं, तो उन्हें 22 सितंबर से पहले मार्केट में उपलब्ध स्टॉक को वापस लेने, री-लेबल करने या स्टिकर लगाने की जरूरत नहीं है. रेगुलेटर ने सुझाव दिया है कि इंडस्ट्री एसोसिएशन्स लोकल और नेशनल न्यूजपेपर्स में विज्ञापन देकर डीलरों और रिटेलर्स तक नई जीएसटी दरों की जानकारी पहुंचा सकते हैं ।

रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने शुक्रवार को इसको लेकर नोटिफिकेशन जारी किया, क्योंकि दवाओं की कीमत और पैकेजिंग लीगल मेट्रोलॉजी के दायरे से बाहर है, जो एफएमसीजी प्रोडक्ट्स पर लागू होता है. 3 सितंबर, 2025 को हुई 56वीं जीएसटी काउंसिल मीटिंग में जीएसटी रेट्स में बड़े बदलाव किए गए. काउंसिल ने प्रमुख दवाओं पर जीएसटी रेट 5% से घटाकर शून्य कर दिया. करीब 33 जेनरिक दवाएं टैक्स फ्री हो गई हैं और नई दरें आने वाली 22 सितंबर 2025 से प्रभावी हो जाएंगी. वैडिंग, धुंध, पट्टियां और ऐसी चीजें, जैसे ड्रेसिंग, एडहेसिव प्लास्टर, पोल्टिस, जो मेडिसिनल सब्सटांस से लेपित हैं या मेडिकल, डेंटल या वेटरनरी यूज के लिए रिटेल सेल के लिए पैक की जाती हैं। उन पर अब 5% टैक्स लगेगा, जो पहले 12% था. सरकार ने टैल्कम पाउडर, फेस पाउडर, हेयर ऑयल, शैम्पू, डेंटल फ्लॉस, टूथपेस्ट, टॉयलेट सोप, शेविंग क्रीम, शेविंग लोशन और आफ्टर शेव लोशन जैसे ज्यादातर प्रोडक्ट्स पर जीएसटी रेट 18% से घटाकर 5% कर दिया है।

चुपके से हो रहे दो बड़े बदलाव

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। नवंबर में टैक्सपेयर्स के लिए दो बड़े बदलाव होने वाले हैं। जीएसटी रेट में कटौती की खबरों के बीच ये बदलाव चुपचाप हो जाएंगे। पहला, इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर में तेजी से रिफंड मिलेगा। दूसरा, रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया आसान हो जाएगी। ये बदलाव वर्किंग कैपिटल मैनेजमेंट और नियमों का पालन करने में मददगार होंगे। इनसे अर्थव्यवस्था को जबरदस्त फायदा मिलने की उम्मीद है। 1 नवंबर, 2025 से इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर वाले टैक्सपेयर्स को 90% तक रिफंड मिल जाएगा। इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर का मतलब है, जब इनपुट जीएसटी आउटपुट जीएसटी से ज्यादा होता है। रिफंड रिस्क प्रोफाइल के आधार पर मिलेगा। बाकी 10% वेरिफिकेशन के बाद मिलेगा। अधिकारियों को रिफंड रोकने के लिए खास वजह बतानी होगी। अभी रिफंड में ज्यादा समय लगता है और मैनुअल जांच होती है।सोलर लैंप बनाने वाली कंपनी का उदाहरण लेते हैं।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आज आपको अपने दृष्टिकोण को सांसारिक वास्तविकता के साथ संतुलित करने की जरुरत को समझने और इस कला में पारंगत होने की आवशयकता महसूस होगी । आपकी योजनायें महत्वाकांक्षी हैं,लेकिन आपको इसके लिए वास्तविक समस्याओं को समझना होगा नही तो आप अपने अच्छे इरादे के बावजूद टकराव महसूस करेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो)
आपके सामने इन दिनों कुछ नई चीजें आई हैं । अपने सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहें । पूछे गये प्रश्नों का जवाब दें । आपको अभी और भी प्रयास करने हैं और इससे आपकी तरक्की की मजबूत नींव पड़ेगी । इन सबके बीच खुद को तरोताजा करना और खुश रखना न भूलें ।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आज आप खुद को उलझन में फंसा हुआ महसूस करेंगे । अपना भला चाहने वाले लोगों से उन चीजों के बारे में भी खुलकर बात करें,जो आपको परेशान कर रही हैं । अनिश्चितत्ता के बादल एक सप्ताह में छंट जायेंगे । किसी परिजन या अन्तरंग दोस्त का साथ मिलेगा ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपका कोई करीबी शायद आपके कारण भावनात्मक उथल-पुथल के दायरे में है । आप एकदम से निष्कर्ष पर पहुच जाते हैं और इस बार भी आपने सही से समझे बिना ही इस व्यक्ति पर वफादार न होने का आरोप लगा दिया है । आपके लिए अच्छा यही होगा कि आप पहले शांति से बैठकर सही समय तक का इन्तजार करें और अच्छे से सोच लें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आप आसानी से आगे होने वाली बातों का अनुमान लगा लेते हैं । आपकी संचार क्षमता भी प्रभावशाली और नजरिया खुला है,इसीलिए जो आप चाहते हैं उसके लिए बहुत मेहनत करें । हमेशा गलतियाँ ढूँढने की फिराक में रहने वाले आक्रामक लोगों के साथ उलझने से बचें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
वित्तीय लाभ की सूचना से आपको और आपके परिजनों को ख़ुशी होगी । इससे ये भावना आएगी कि सब अच्छा हो रहा है । आप खुशमिजाज और आकर्षक हैं,नए लोगों से मिलें । इससे आपको नए अवसर मिलेंगे जो अंतत आपके लिए फायदे का सौदा साबित होंगे । आप परिवार या घर की बनावट में कोई बदलाव लाने के बारे में सोच सकते हैं ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
एकरसता आपको अच्छी न लगती |इससे आप बोर अनुभव करते हैं । आज आप काफी खुश और फ्लर्ट वाले मूड में होंगे । अपनी दिनचर्या बदलें । इसमें फिटनेस को जगह दें । किसी मनोरंजक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं । आपके नए विचार से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित होंगें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आप आज आत्मविश्वास से भरे रहेंगे और किसी अधूरे पड़े काम को हाथ में लेंगे । समस्याएं आएँगी लेकिन आपका रास्ता नही रोक पाएंगी । कोई अच्छा दोस्त आपका साथ देगा । कार्यस्थल पर मिलने वाले एक महत्वपूरण सम्बन्ध की सहायता से नया मौका मिलेगा । अतीत के फेर से निकलकर आगे की सोचें ।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा ,फा, ढा, भे)
आज अपमनी दार्शनिकताओं तथा विचारों को किसी के साथ बाँट लेने का मौका देखें ,आपकी मुलाकात एक बेहतरीन व्यक्ति से हो सकती है । इससे एक ख़ूबसूरत दोस्ती या अच्छी साझेदारी भी जन्म ले सकती है । थोड़े से ध्यान से देखने से,आप अपने आसपास से बहुत सारी चीजें सीख पायेंगेऔर यह ज्ञान आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज का दिन आपकी वित्तीय स्थिति एवं करियर में तरक्की का दिन है ,लेकिन इन सबके लालच में अपने परिवार की उपेक्षा ना करें । दरअसल आज आप अपने भीतर आध्यात्मिकता का भी अनुभव करेंगे । इन दोनों शक्तियों के बीच उलझा हुआ अनुभव भी करेंगे लेकिन अंतत दोनों में संतुलन बना पाने में कामयाब होंगे।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आपकी निजी और कामकाजी जिन्दगी में कुछ बदलाव आने वाले हैं जिनसे आप असुरक्षित और चिंतित महसूस करेंगे । लेकिन इसे अपने ऊपर हावी ना होने दें और संतुलन बनाये रखें । कोई आपसे बदला लेने की कोशिश में है,इससे स्थिति और भी खराब हो सकती है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपको कोई अप्रत्याशित खुशखबरी मिलेगी । यह आपके करियर या निजी जीवन से जुडी हो सकती है लेकिन इससे आपको वित्तीय लाभ भी होंगें । इससे आपको भविष्य में भी इसी प्रकार के लाभ उठाने का रास्ता दिखाई देगा । आप आज बहुत अच्छे मूड में हैं और आपकी आशावादिता और खुशमिजाजी से सभी प्रभावित होंगे । दोस्तों और परिवार के साथ आनंद लें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

प्रगति के पथ का सोपान : हिन्दी महाविद्यालय

दक्षिण की भूमि हैदराबाद के केंद्र में स्थापित संपूर्ण दक्षिण भारत का कल्पवृक्ष हिन्दी महाविद्यालय वर्ष 1961 से अपनी अविराम गतिविधियों एवं उपलब्धियों के कारण नगरद्वय की शिक्षण संस्थाओं का प्रेरणा स्रोत रहा है। महाविद्यालय को सर्वप्रथम वर्ष 2006 में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन समिति द्वारा मान्यता प्रदान की गई। वर्ष 2012 में स्वायत्तता प्राप्ति के साथ संस्था की प्रगति की दिशा में नया अध्याय जुड़ गया है। शैक्षणिक वर्ष 2023–2024 to 2027–28 तक महाविद्यालय को स्वायत्तता का दर्जा मिला है तथा वर्ष 2023 में राष्ट्रीय पुनर्मूल्यांकन एवं प्रत्यायन के चतुर्थ चक्र में ग्रेड हुआ है।

हिन्दी महाविद्यालय एक महत्वपूर्ण संस्था के रूप में दक्षिण भारत के संब महाविद्यालयों में उत्तम शिक्षा के लिए विशिष्ट स्थान रखता है। स्व. चेयरमैन एमिरेटस सुरेंद्र लूणिया, अध्यक्ष श्री लक्ष्मीनिवास शर्मा, उपाध्यक्ष श्यामसुंदर मूंदड़ा, सचिव शीलकुमार जैन, संय्क्त सचिव प्रदीप दत्त, कोषाध्यक्ष सी.ए. एस.बी. काबरा एवं समिति के सक्रिय सदस्यों के दिशा-निर्देश में कई कीर्तिमान स्थापित कर रही है और हीरक जयंती भी पूर्ण कर चुकी है। छात्र एवं छात्राओं के लिए हॉस्टल की व्यवस्था की गयी है। हैदराबाद के भूतपूर्व वित्त मंत्री विनायक राव विद्यालंकार की इच्छा शक्ति का साकार रूप हिन्दी महाविद्यालय ने विगत 57 वर्षों में बार-बार यह सिद्ध किया है कि हिन्दी माध्यम से उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों का भविष्य उत्कृष्ट एवं उज्जवल बना है। समाज सेवी पन्नालाल पित्ती का संस्था की स्थापना में अतुल्य योगदान है। महाविद्यालय भवन का शिलान्यास आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री नीलम संजीव रेड्डी द्वारा हुआ था। संस्थापक प्राचार्य कृष्णदत्त, पूर्व सचिव गंगाराम, खंडेराव कुलकर्णी सहित अनेक हिन्दी सेवियों के

0निःस्वार्थ योगदान और समर्पण की, यहाँ की हर शिला साक्षी है। कला महाविद्यालय के रूप में स्थापित हिन्दी महाविद्यालय ने प्रगति के सोपान तय करते हुए अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। वर्ष 1969 में वाणिज्य तथा वर्ष 1971 में विज्ञान का अध्ययन-अध्यापन प्रारंभ हुआ। वर्ष 1991 में माननीय राज्यपाल कृष्णकांत के आशीर्वाद से संस्था ने स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एम.एम. हिन्दी के साथ एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। वास्तव में इस संस्था ने उत्तर को दक्षिण से जोड़ने में अहम भूमिका निभाई है। सभी क्षेत्रों में उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने में इस संस्था ने दक्षिण भूमि पर असंभव को संभव बनाया। छात्रों के चतुर्दिक विकास को केंद्र में रखते हुए नए पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की योजना के तहत अंग्रेजी माध्यम से क्रमशः वर्ष 2007-08 में बी.एससी तथा 2011–12 में बी.बी.ए. पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए। उपलब्धियों की दृष्टि से वर्ष 2012–13 महत्वपूर्ण रहा है। उसी वर्ष हिन्दी स्नातकोत्तर विभाग स्वायत्तता की परिधि में आ गया तथा स्वतंत्र परीक्षा विभाग की स्थापना हुई। स्वायत्तशासी संस्था के रूप में हिन्दी महाविद्यालय ने विकास के कई चरण पूर्ण किये हैं। संस्था अपने विद्यार्थियों की शैक्षिक गुणवत्ता के लिये कटिबद्ध है। छात्रों को उच्चतम शिक्षा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखते हुए स्वर्गीय माणिकचंद गुप्त के आर्थिक सहयोग से महाविद्यालय परिसर में उस्मानिया विश्वविद्यालय से संबद्ध एम सी गुप्ता कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (एमबीए) की स्थापना की गयी है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से कौशल विकास योजना से जुड़े पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की नीति के अंतर्गत वर्ष 2015 से बी. वोकेशनल स्टडीज़ के अधीन स्नातक स्तर पर बैंकिंग एंड इंश्योरेंस तथा हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन पाठ्यक्रम प्रारंभ किये गये हैं। उल्लेखनीय है कि अकादमिक वर्ष 2016–17 में बी.एससी स्तर पर बायोटेक्नॉलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, केमिस्ट्ररी, बायोकेमिस्ट्री, गणित, सांख्यिकी, भौतिकशास्त्र तथा कंप्य्टर साइन्स से जुड़े पाठ्यक्रमों का नवीनीकरण हुआ है। अंग्रेजी विभाग वाणिज्य विभाग एवं कंप्य्टर प्रशिक्षण केंद्र लगभग 78 इंटरनेट कंप्यूटरों से संपन्न है। यहाँ का पुस्तकालय इस संस्था की धुरी है। यह 45,000 पुस्तकों से समृद्ध है। छात्रों के चतुर्दिक विकास को ध्यान में रखते हुए सन 1998 में स्थापित क्रिकेट कोचिंग अकादमी में प्रशिक्षित विद्यार्थी क्रिकेट जगत में कीर्ति अर्जित कर रहे हैं। एनसीसी एवं एनएसएस इकाई क्रियाशील है। यहाँ स्नातक स्तर पर बीएससी मेथमेटिक्स, फिजिक्स, केमेस्ट्री, बी.वोकेशनल योगा तथा अकाउंटेंसी एवं स्नातकोत्तर स्तर पर एम.एससी मेथमेटिक्स, स्टैटिसटिक्स, एम. कॉम तथा एम.ए. स्तर पर शिक्षा प्रदान की जा रही है। महाविद्यालय ने वोकेशनल और वैज्ञानिक प्रयोगों के साथ-साथ व्यापारिक विषयों को भी विशेष स्थान दिया है, जिसमें मुख्य रूप से एमबीए पाठ्यक्रम नया आयाम रच रहा है।

डॉ. सुरभि दत्त एवं डॉ. रजनीधारी

राहु मंत्र के फायदे क्या हैं?

क्यों और कैसे करना चाहिए इसका जप

राहु का ज्योतिष शास्त्र में विस्तार से वर्णन मिलता है। पुराणों में राहु को वृत्ताकार बताया गया है। यानी इसका कोई पिंड नहीं है। पृथ्वी के उत्तरी ध्रुव को भी राहु कहा जाता है। वैदिक ज्योतिष में राहु को मायावी ग्रह भी बताया गया है। इसे समझना बेहद मुश्किल है, इसीलिए इसके बारे में कहा जाता है कि कलियुग में राहु ही एकमात्र ऐसा ग्रह है जो राजा को रंक और रंक को राजा बनाने की क्षमता रखता है। राहु को क्रूर ग्रह माना जाता है। इसलिए यह दोनों ही ग्रह अक्सर बुरे परिणाम देते हैं। राहु के शुभ प्रभाव से व्यक्ति का व्यक्तित्व विकसित होता है। इस ग्रह के अशुभ प्रभाव से व्यक्ति को आर्थिक नुकसान, मानसिक तनाव और कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं।

अगर राहु कुंडली में सही अवस्था में हो तो ये उम्मीद से कई गुना बेहतर परिणाम भी देता है। ये रातों-रात तकदीर बदलने वाला ग्रह है, इसलिए राहु ग्रह को कमतर आंकने की गलती कभी न करनी चाहिए। इससे प्रभाव से बचने के लिए लोग तमाम उपाय करते हैं। मंत्रों का जाप इनमें से एक है। धार्मिक मान्यता है कि, अगर कुछ मंत्रों का जप किया जाए तो राहु का प्रभाव कम होगा।

राहु का मंत्र और उसका प्रभाव

ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः

यह राहु का बीज मंत्र है। इस मंत्र के जाप से व्यक्ति अपने पूर्व जन्मों के कष्टों से राहत पाता है, मानसिक शांति मिलती है, और राहु से उत्पन्न भय व चिंता कम होती है।

"ॐ रां राहवे नमः"

यह राहु ग्रह को समर्पित एक शक्तिशाली मंत्र है, जिसे जाप करने से राहु के नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं और सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। इन दोनों मंत्रों का 108 बार जाप करना चाहिए। इससे राहु का प्रभाव कम होगा।

राहु के मंत्र के जाप के फायदे

दोषों से मुक्तिः राहु का मंत्र जप करने न केवल आपके पूर्व कर्मों के दोष समाप्त होंगे, बल्कि आपको ओस जन्म में कष्ट भुगतना पड़ रहा है, तो उसमें भी आपको राहत मिलेगी। इसके अलावा, कुंडली में राहु दोष, कालसर्प दोष या ग्रहण योग का प्रभाव भी कम होगा।

भय दूर होगाः नियमित राहु का मंत्र जप करने से मानसिक शांति मिलेगी। इसके साथ ही,राहु से उत्पन्न भ्रम, चिंता और भय भी दूर होगा।

परेशानियों से मुक्तिः इस मंत्र का जप करने से रहस्यमयी बाधाओं से मुक्ति, अचानक आई परेशानियां, असफलताएं और कोर्ट-कचहरी जैसे मामलों से मुक्ति मिल सकती है।

एकाग्रता बढ़ेगीः यह मंत्र ध्यान और एकाग्रता में वृद्धि करता है। राहु मानसिक भ्रम का कारक होता है। यह मंत्र उस पर नियंत्रण देता है।

रुके कार्य बनेंगेः राहु बीज मंत्र के प्रभाव से रुके हुए कार्यों में प्रगति होती है। इसके अलावा, यह मंत्र विदेश यात्रा और तकनीकी क्षेत्रों में सफलता, वैज्ञानिक खोज, मीडिया आदि में भी सफलता देता है।

तेरहवीं का भोजन खाना सही है या गलत?

हिंदू परंपरा में, मृत्यु एक अंत नहीं है, बल्कि एक नए जीवन की शुरुआत मानी जाती है। किसी व्यक्ति का दाह संस्कार, हिंदू धर्म के 16 संस्कारों में से अंतिम संस्कार माना गया है। दाह संस्कार में कई तरह के रीति रिवाज किए जाते हैं, जिसमें से एक है तेरहवीं का भोजन। तेरहवीं के भोज को मृत्यु भोज भी कहा जाता है और इस दिन 13 ब्राह्मण व सगे संबंधियों को बुलाकर भोज करवाया जाता है। यह भोजन ना केवल शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देने का एक तरीका है, बल्कि यह एक सामाजिक अनुष्ठान भी है, जो समुदाय को एकजुट करता है। लेकिन कुछ लोगों के मन में यह सवाल रहता है कि क्या मृत्यु भोज में खाना सही होता है।

मृत्यु भोज में केवल ये लोग आमंत्रित

दाह संस्कार के तेरहवें दिन पर घर पर 13 या 16 पंडितों को घर पर बुलाकर भोज करवाया जाता है और इसमें रिश्तेदार व परिवार के लोग भी शामिल होते हैं। तेरहरवीं पर केवल गायत्री मंत्र का जप करने वाले विद्वान ब्राम्हणों को ही खाने का विधान है। मृत्युभोज केवल ब्राम्हण, करीबियों और जरूरतमंदों के लिए तैयार किया जाता है। लेकिन अब मृत्युभोज में लाखों खर्च करना और हजारों लोगों को खिलाना शास्त्र सम्मत नहीं है। अगर कोइ संपन्न परिवार का इस भोज का हिस्सा बनाता है, तो उसके कर्मों का क्षय होता है।

रुड़ पुराण में कर्मों का उल्लेख

हिंदू धर्म के पवित्र ग्रंथों में से एक, गरुड़ पुराण में सीधे तौर पर पिंडदान भोजन का उल्लेख नहीं है। लेकिन यह बताता है कि मृत्यु के बाद आत्मा 13 दिनों तक अपने घर के आसपास रहती है। इस समय ब्राह्मणों को भोजन कराना और गरीबों की मदद करना मृतक की आत्मा के लिए लाभकारी होता है। गरुड़ पुराण में यह भी कहा गया है कि यह भोजन बहुत साधारण होना चाहिए। अगर अमीर लोग गरीबों के लिए बनाए गए भोजन को खाते हैं, तो यह पाप माना जाता है। इसे गरीबों के भोजन को चुराने के समान बताया गया है। इसलिए, पिंडदान के समय भोजन को जरूरतमंदों में बांटना चाहिए, न कि दिखावे या अनावश्यक तामझाम के लिए।

महाभारत में श्रीकृष्ण के विचार

महाभारत के अनुशासन पर्व में श्रीकृष्ण ने कहा है कि भोजन देने वाले और खाने वाले दोनों को मन की शांति के साथ भोजन करना चाहिए। दुख के समय, विशेषकर शोक में, घर में भोजन करना आध्यात्मिक रूप से सही नहीं है। कुरुक्षेत्र युद्ध से पहले, श्रीकृष्ण ने दुर्योधन के घर भोजन करने से इनकार कर दिया था क्योंकि उनका मन शांत नहीं था। इससे यह समझा जा सकता है कि गहरे दुख के समय भोजन करना या बांटना आध्यात्मिक रूप से हानिकारक हो सकता है।

मनुस्मृति के नियम

पितृदेवताओं की पूजा के लिए किए जाने वाले श्राद्ध कर्मों के लिए मनुस्मृति में कुछ सख्त नियम हैं। इसमें कहा गया है कि केवल कुछ गिने-चुने विद्वान ब्राह्मणों को ही पूरी श्रद्धा के साथ भोजन कराना चाहिए। इस दौरान घर के लोग रोना-धोना नहीं करना चाहिए क्योंकि यह मृतक की आत्मा की शांति में बाधा डालता है। दिखावे के लिए बड़े पैमाने पर भोजन कराना और इसके लिए कर्ज लेना शास्त्रों के खिलाफ है। ऐसे कार्यों से पुण्य नहीं मिलता, बल्कि पाप होता है।

पिंडदान भोजन की शुरुआत क्यों हुई?

पुराने समय में, पिंडदान भोजन के पीछे एक अच्छा उद्देश्य था। आस-पड़ोस के लोग दुखी परिवार को अनाज आदि लाकर देते थे और उनके साथ भोजन करके उन्हें सांत्वना देते थे। यह भोजन दिखावे के लिए नहीं, बल्कि सांत्वना और आत्मा की शांति के लिए होता था। गंगाजल छिड़कना भी शरीर और घर के लिए अच्छा माना जाता था, जिससे बीमारियां दूर रहती थीं। यह परंपरा मानसिक रूप से संभलने और एकजुट रहने के लिए शुरू हुई थी।

अब यह परंपरा कैसे बदल गई?

समय के साथ, पिंडदान भोजन के पीछे का असली उद्देश्य बदल गया है। आजकल कई जगहों पर सैकड़ों लोगों को बुलाकर महंगे भोजन कराना पड़ता है, जिससे परिवारों पर दबाव बढ़ता है। कुछ लोग समाज में अपनी छवि बनाए रखने के लिए कर्ज भी लेते हैं। यह पूरी तरह से हमारे शास्त्रों के खिलाफ है। कई आध्यात्मिक गुरु भी ऐसे अनावश्यक खर्चों का विरोध करते हैं। वे इसे अनावश्यक बोझ और हमारे धर्म के खिलाफ बताते हैं।

12 प्रकार के होते हैं श्राद्ध, दसवां वाला तो बना देता है धनवान

भविष्य पुराण के अनुसार कुल 12 प्रकार के श्राद्ध होते हैं। पहला नित्य, दूसरा नैमित्तिक, तीसरा काम्य, चौथा वृद्ध, पांचवां सपिंडित, छठा पार्वण, सातवां गोष्ठ, आठवां शुद्धि, नौवा कर्मांग, दसवां दैविक, ग्यारहवां यात्रार्थ और बारहवां पुष्टि। चलिए इन सभी प्रकार के श्राद्धों के बारे में आपको यहां विस्तार से बताते हैं। साथ ही आप जानेंगे किन इन श्राद्धों को करने से क्या लाभ मिलता है।

श्राद्ध के प्रकार

1. नित्य श्राद्ध- यह श्राद्ध जल द्वारा, अन्न द्वारा प्रतिदिन होता है। श्राद्ध-विश्वास से किये जाने वाले देवपूजन, माता-पिता एवं गुरूजनों के पूजन को नित्य श्राद्ध कहते हैं। अन्न के अभाव में जल से भी श्राद्ध किया जाता है। इसे करने से मनुष्य हर दिन तरक्की की नयी सीढ़ी चढ़ता है।

2. नैमित्तिक श्राद्ध- किसी एक को निमित्त बनाकर जो श्राद्ध किया जाता है, उसे नैमित्तिक श्राद्ध कहते हैं। इसे करने से स्मरण शक्ति बढ़ती है। आपका बौद्धिक लेवल अच्छा होता है।

3. काम्य श्राद्ध- जो कुछ कामना रखकर किया जाता है, उसे काम्य श्राद्ध कहते हैं। इसे करके मनुष्य बड़ी से बड़ी उपलब्धियों को प्राप्त कर सकता है।

4. वृद्ध श्राद्ध- विवाह, उत्सव आदि अवसरों पर वृद्धों के आशीर्वाद लेने हेतु किया जाने वाला श्राद्ध वृद्ध श्राद्ध कहलाता है। दाम्पत्य जीवन को सफल बनाने के लिये यह श्राद्ध करना चाहिए।

5. सपिंडित श्राद्ध- यह श्राद्ध सम्मान हेतु किया जाता है। समाज में, घर में और रिश्तेदारों में अपना सम्मान बनाए रखने के लिये यह श्राद्ध करना चाहिए।

6. पार्वण श्राद्ध- मंत्रों से पर्वों पर किया जाने वाला श्राद्ध पार्वण श्राद्ध है, जैसे अमावस्या आदि पर्वों पर किया जाने वाला श्राद्ध। इसे करने से घर में खुशियों का आगमन होता है।

7. गोष्ठ श्राद्ध- गौशाला में किया जाने वाला गोष्ठ श्राद्ध कहलाता है। इसे करने से स्त्री सुख की प्राप्ति होती है।

8. शुद्धि श्राद्ध- अपनी शुद्धि कराने के लिए जो श्राद्ध किया जाता है, वह शुद्धि श्राद्ध कहलाता है। इसे करने से ऑफिस में बैक बाइटिंग से बचाव होता है।

9. कर्मांग श्राद्ध- आने वाली संतति के लिए गर्भाधान, सोमयाग, सीमान्तोन्नयन आदि जो संस्कार किये जाते हैं, उन्हें कर्मांग श्राद्ध कहते हैं। इसे करने से बुढ़ापे में सन्तान आपका सहारा बनाती है, आपका ख्याल रखती है।

10. दैविक श्राद्ध- देवताओं को प्रसन्न करने के उद्देश्य से दैविक श्राद्ध किया जाता है। इसे करने से आपको अन्न-धन्न की कभी कमी नहीं होती।

11. यात्रार्थ श्राद्ध- यात्रा के उद्देश्य से किया जाने वाला श्राद्ध यात्रार्थ श्राद्ध कहलाता है। तीर्थ में जाने के उद्देश्य से या देशान्तर जाने के उद्देश्य से जिस श्राद्ध को सम्पन्न कराना चाहिए, वह यात्रार्थ श्राद्ध है । इसे करने से आपकी हर बिजनेस यात्रा सफल होती है।

12. पुष्टि श्राद्ध- देशान्तर में जाने वाले की पुष्टि के लिए जो शुभकामना की जाती है, उसके लिए जो दान पुण्य आदि किया जाता है उसे पुष्टि श्राद्ध कहते हैं। अपने मित्र, भाई, बहन, पति, पत्नी आदि की भलाई के लिए जो कर्म किये जाते हैं उन सबको पुष्टि श्राद्ध कहते हैं। इसे करने से विदेश जाने का अवसर मिलता है और जो पहले से विदेश में हैं, उन्हें लगातार अपने कामों में सफलता मिलती है ।

देवी सीता की खोज में लंका जाने के लिए हनुमान जी ने एक पहाड़ पर चढ़कर क्यों लगाई थी छलांग?

रामायण के सुंदरकांड का एक सुंदर प्रसंग है। इस प्रसंग में हनुमान जी ने बताया है कि किसी भी बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सिर्फ उत्साह ही नहीं, बल्कि मजबूत आधार और योजनाबद्ध तैयारी भी जरूरी है।

देवी सीता की खोज में निकली वानर सेना जब समुद्र तट पर पहुंची और उन्हें यह पता चला कि माता सीता लंका में हैं, तब ये बड़ा प्रश्न उठा कि सीता माता की खोज में लंका कौन जाएगा?

सबकी निगाहें हनुमान जी पर टिक गईं और जैसे ही उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई, उन्होंने बिना देर किए लंका जाने की तैयारी शुरू कर दी। लंका जाने के लिए उन्होंने एक विशेष कार्य किया, वे एक छोटे पहाड़ पर चढ़े, पैरों का दबाव बनाया और वहां से समुद्र पार करने के लिए विशाल छलांग लगाई।

जब हनुमान जी देवी सीता की खोज करके लंका से लौट आए, तब किसी ने उनसे पूछा था कि आपने पहाड़ पर चढ़कर छलांग क्यों लगाई थी? आप तो शक्तिशाली हैं, जहां खड़े थे, वहीं से छलांग लगा सकते थे।

हनुमान जी ने उत्तर दिया कि अगर छलांग लंबी लगानी हो तो आधार मजबूत होना चाहिए। अगर आधार मजबूत नहीं होगा तो छलांग गड़बड़ा सकती है। बड़ी सफलता चाहते हैं तो आधार और योजना पर ध्यान देना चाहिए।

हनुमान जी की सीख

मजबूत नींव के बिना बड़ी सफलता नहीं मिलती

हनुमान जी ने दिखाया कि कोई भी बड़ा काम, चाहे आप कितने भी सक्षम क्यों न हों, बिना मजबूत आधार के नहीं करना चाहिए।

किसी भी नए प्रोजेक्ट, परीक्षा, नौकरी या व्यवसाय की शुरुआत करने से पहले पूरी तैयारी और रिसर्च जरूर करनी चाहिए। योजना और सोच का स्पष्ट होना जरूरी है

हनुमान जी ने पहले स्थिति को देखा, पहाड़ की ऊंचाई को समझा और फिर उस पर चढ़कर छलांग लगाई। ये दिखाता है कि सफलता केवल जोश से नहीं, बल्कि सोच और योजना से मिलती है।

काम शुरू करने से पहले एक स्पष्ट एक्शन प्लान बनाना चाहिए कि क्या करना है, कब करना है और कैसे करना है।

आत्मविश्वास के साथ-साथ आत्ममंथन भी जरूरी

हनुमान जी में बल था, क्षमता थी, पर उन्होंने फिर भी अपनी परिस्थिति को जांचा और फिर कदम उठाया। ये हमें सिखाता है कि आत्मविश्वास अच्छा है, लेकिन अति-आत्मविश्वास खतरनाक हो सकता है।

अपनी क्षमताओं का मूल्यांकन करें और जरूरत हो तो सीखने या सलाह लेने में संकोच न करें।

छोटी तैयारी, बड़ी सफलता

पर्वत पर चढ़ने का उनका छोटा-सा कार्य उनकी विशाल सफलता का आधार बना।

कभी भी छोटी-छोटी तैयारियों को नजरअंदाज न करें, जैसे समय पर सोना, पढ़ाई की प्लानिंग करना, समय प्रबंधन करना, या ऑफिस मीटिंग से पहले नोट्स बनाना।

परिस्थितियों का सही उपयोग करें

हनुमान जी ने जिस पहाड़ का उपयोग किया, वह प्रतीक है उस संसाधन का, जो हर किसी के पास होता है। फर्क सिर्फ उसे पहचानने और सही समय पर इस्तेमाल करने का है।

अपने आस-पास के अवसरों, लोगों, समय और ज्ञान का स्मार्ट उपयोग करें।

जहां खड़े हैं, वहीं से दौड़ने मत लग जाइए, पहले जमीन देखिए, खुद को देखिए और फिर एक मजबूत आधार बना कर आगे बढ़ें। आपकी सफलता की छलांग आपके आधार की मजबूती पर निर्भर करती है।

कैसे एक साधारण बालक बना विज्ञान की दुनिया का असाधारण मिसाल

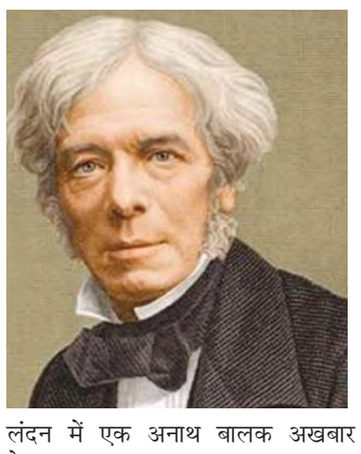

लंदन में एक अनाथ बालक अखबार बेचकर गुजारा करता था। जब यह काम उसके हाथ से निकल गया, तो उसे एक जिल्दसाज की दुकान पर जिल्द चढ़ाने का काम मिल गया। उसे पढ़ने का बहुत शौक था। वह पुस्तकों पर जिल्द चढ़ाते समय उनकी महत्वपूर्ण बातों व जानकारियों को ध्यान से पढ़ता रहता था।

एक दिन जिल्द चढ़ाते समय उसकी नजर विद्युत संबंधी एक लेख पर पड़ी। वह लेख उसे बहुत ही मनोरंजक लगा। वह उससे बहुत प्रभावित हुआ। उसने दुकान के मालिक से पुस्तक मांग ली और रात भर में उस लेख के साथ ही पूरी पुस्तक पढ़ डाली। इससे विद्युत संबंधी प्रयोग करने में उसकी जिज्ञासा बढ़ती गई और धीरे-धीरे वह प्रयोग के लिए विद्युत संबंधी छोटी-मोटी चीजें जुटाने म भी लग गया। एक ग्राहक तो उससे बहुत ही प्रभावित हुआ। उसने तय किया कि वह बालक को आगे बढ़ने में हरसंभव मदद करेगा। वह एक दिन उसे अपने साथ भौतिक शास्त्र के प्रसिद्ध विद्वान डेवी का भाषण सुनवाने ले गया।

बालक ने डेवी की बातें ध्यान से सुनीं और उन्हें नोट भी किया। इसके बाद बालक ने उनके भाषण की समीक्षा करते हुए अपने परामर्श लिखकर डेवी के पास भेज दिए। डेवी को बालक के सुझाव बहुत पसंद आए। उन्होंने उसे यंत्रों को व्यवस्थित करने के लिए अपने पास रख लिया। बालक उनके सहयोगी और नौकर दोनों की भूमिका निभाता रहा। वह दिन भर अपने कामों में व्यस्त रहता, रात को अध्ययन करता। थकान होने पर भी उसके चेहरे पर शिकन तक नहीं आती थी। वह भौतिकी के क्षेत्र में कुछ असाधारण करने का संकल्प ले चुका था। वह दिन-रात अध्ययन और शोध में लगा रहता था। वह बाधाओं की तनिक भी परवाह नहीं करता था। यह बालक आगे चलकर वैज्ञानिक माइकल फैराडे के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

मन शांत होता है, तो हम स्वयं को देख पाते हैं गुस्से में हम स्वयं से दूर हो जाते हैं

आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद जी गिरि के जीवन सूत्र में जानिए हमारा विवेक कब खो जाता है?जब पानी उबलता है तो हम उसमें अपना चेहरा नहीं देख पाते हैं, ठीक इसी तरह जब हम गुस्से में होते हैं, तब हम स्वयं को देख नहीं पाते, हम स्वयं से दूर चले जाते हैं। जब दर्पण भाप के कारण धुंधला हो जाता है, तब हम दर्पण में खुद को देख नहीं पाते हैं, दर्पण भी विवश हो जाता है, वो चाहता है कि कोई हाथ बढ़े आगे और उसकी भाप को हटाए। जैसे ही भाप दर्पण से हटती है, दर्पण हमें दिखाने लगता है। हमारे मन का दर्पण भी हमें स्वयं को दिखाने लगता है, जब वह शांत होता है।

बिना अनुमति नहीं कर पाएंगे अभिषेक बच्चन के व्यक्तित्व प्रतीकों का उपयोग, हाईकोर्ट का फैसला

अभिनेता अभिषेक बच्चन की आवाज, नाम, तस्वीरों एवं वीडियो आदि का अवैध इस्तेमाल करना भारी पड़ सकता है। दिल्ली हाईकोर्ट ने अभिनेता के व्यक्तित्व प्रतीकों के अवैध इस्तेमाल पर रोक लगाई है। बता दें कि हाल ही में अभिषेक बच्चन ने अपने पब्लिसिटी और व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा की मांग करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिस पर हाईकोर्ट ने अहम फैसला दिया है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने क्या कहा?

न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक दिल्ली उच्च न्यायालय ने अभिषेक बच्चन के व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा करते हुए ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों को उनके नाम या तस्वीरों के अवैध रूप से व्यावसायिक लाभ के लिए उपयोग करने से रोका है। उच्च न्यायालय ने कहा कि यह स्पष्ट है कि बच्चन के व्यक्तित्व प्रतीकों, जिनमें उनका नाम, तस्वीरें और हस्ताक्षर शामिल हैं, का दुरुपयोग प्रतिवादी वेबसाइटों और प्लेटफार्मों द्वारा उनकी इजाजत के बिना, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस जैसी तकनीकी उपकरणों का उपयोग करके किया जा रहा है।

'अभिनेता की साख और प्रतिष्ठा पर पड़ सकता है असर'

न्यायमूर्ति तेजस करिया ने 10 सितंबर को पारित आदेश में कहा, 'ये विशेषताएं वादी के पेशेवर कार्य और करियर के दौरान उनके संबंधों से जुड़ी हैं। इनके अनधिकृत उपयोग से अभिनेता की साख और प्रतिष्ठा पर असर पड़ता है'। बता दें कि इस मामले में हाईकोर्ट ने 10 सितंबर को फैसला सुरक्षित कर लिया था। यह आदेश शुक्रवार को उपलब्ध कराया गया।

ऐश्वर्या राय ने भी किया था हाईकोर्ट का रुख

अदालत ने यह अंतरिम आदेश अभिषेक बच्चन की याचिका पर पारित किया, जिसमें उन्होंने अपने व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा करने और ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों को उनके नाम, तस्वीरों और एआई-जेनरेटिड अनुचित और आपत्तिजनक कंटेंट का अवैध रूप से उपयोग करने से रोकने की मांग की थी। अभिषेक बच्चन के अलावा उनकी पत्नी व अभिनेत्री ऐश्वर्या राय ने भी व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

दिल्ली हाईकोर्ट ने ऐश्वर्या राय बच्चन के नाम, तस्वीर, आवाज या किसी भी तरह के एआई-जनरेटेड कंटेंट के इस्तेमाल पर भी रोक लगा दी है।

पति निक के प्यार में डूबीं प्रियंका चोपड़ा, ब्लेजर संग फ्रील स्कर्ट पहन दिखाया फैशन का जलवा

प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में पति निक जोनस संग कुछ तस्वीरें शेयर की हैं. जिसमें दोनों की एक बार फिर रोमांटिक केमिस्ट्री देखने को मिली. ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा अपने काम के साथ सोशल मीडिया पर भी खासी एक्टिव हैं. जहां वो फैंस के साथ अपनी लाइफ की हर अपडेट शेयर करती हैं. हाल ही में उन्होंने कुछ तस्वीरें शेयर की. जिसमें वो पति निक जोनस के साथ रोमांटिक होती नजर आई.

दरअसल हाल ही में प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस एक इवेंट में शामिल हुए थे. जहां दोनों बेहद स्टाइलिश लुक में नजर आए. इस लुक की कई तस्वीरें प्रियंका ने अब अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं. तस्वीरों में एक्ट्रेस कैमरे के लिए एक से बढ़कर एक पोज देती नजर आ रही हैं. प्रियंका ने एक लॉन्ग डीपनेक ब्लेजर के साथ मैचिंग फ्रील स्कर्ट पहनी है. एक्ट्रेस ने अपना लुक मिनीमल मेकअप, ब्राउन न्यूड लिपस्टिक और हाई हील्स के कंपलीट किया है. वहीं कुछ तस्वीरों में प्रियंका अपने पति निक के प्यार में डूबी नजर आई. दोनों इस फोटो में एक-दूजे को किस करते दिखे.

प्रियंका ने इन तस्वीरों को शेयर करते हुए लिखा कि, 'सितंबर की एक शानदार रात.' दोनों की ये केमिस्ट्री अब सोशल मीडिया पर आग लगा रही है. बता दें कि प्रियंका और निक ने साल 2018 में धूमधाम से शादी रचाई थी.

दोनों ने पहले क्रिश्चियन वेडिंग की और फिर हिंदू रीति-रिवाज से सात फेरे भी लिए थे. आज ये पावरकपल एक प्यारी सी बेटी के पेरेंट्स हैं. बेटी का नाम कपल ने मालती मैरी जोनस रखा है.

रवीना टंडन यूं ही नहीं कहलातीं 'मस्त-मस्त गर्ल', 52 की उम्र में भी बरपाती हैं कहर

90 के दशक की टॉप एक्ट्रेस में से एक मानी जाने वाली रवीना टंडन किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. रवीना कभी अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर तो कभी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर सुर्खियां बटोरती रहती हैं. रवीना टंडन ने अपने करियर में कई ब्लाकबस्टर फिल्मों में काम किया है. उनकी एक्टिंग के साथ-साथ फैंस उनकी खूबसूरती के भी दीवाने हैं.

रवीना टंडन 52 साल की हो चुकी हैं. लेकिन उनकी खूबसूरती और ग्लैमरस अंदाज के आगे न्यू कमर्स भी फेल नजर आती हैं. रवीना टंडन इंडियन हो या वेस्टर्न हर आउटफिट को बेहद ही ग्रेस के साथ कैरी करती हैं. यही वजह है कि वो हर ड्रेस में कमाल की लगती हैं. रवीना टंडन आज भी बेहद ग्लैमरस हैं. एक्ट्रेस की ये तस्वीरें इस बात का सबूत हैं. इस तस्वीर में रवीना अपनी बेटी राशा थडानी से भी ज्यादा स्टनिंग लग रही हैं. रवीना टंडन सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं और अपनी एक से बढ़कर एक तस्वीरें सोशल सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं. रवीना के फैंस भी उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब रहते हैं. ऐसे में रवीना अपने फैंस को निराश नहीं करती हैं. रवीना टंडन के इंस्टाग्राम पर 8.3 मिलियन फॉलोवर्स हैं, जो उन्हें बेहद पसंद करते हैं. रवीना टंडन बेशक अब फिल्मों में बेहद कम नजर आती हैं, लेकिन अब भी उनकी फैन फॉलोइंग कम नहीं हुई है. रवीना टंडन 90 के दशक की टॉप एक्ट्रेस में से एक रही हैं. उन्होंने शाहरुख खान से लेकर सलमान खान तक के साथ फिल्मों में काम किया है. रवीना टंडन ने मूवी डिस्ट्रीब्यूटर अनिल थडानी के संग शादी की है. इस कपल के दो बच्चे हैं. रवीना टंडन की बेटी का नाम राशा है जो बॉलीवुड डेब्यू कर चुकी हैं और उनके बेटे का नाम रनबीर थडानी है. उम्मीद है कि वो भी जल्द ही इंडस्ट्री में कदम रखेंगे.

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के पूरे हुए 4500 एपिसोड्स, पूरी टीम ने किया सेलिब्रेट

तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो कई सालों से चल रहा है. इस शो को कुछ समय पहले 17 साल पूरे हुए हैं. शो के 17 साल पूरे होने पर सेलिब्रेशन किया गया था. अब शो के 4500 एपिसोड्स पूरे होने पर सेलिब्रेशन हुआ है. प्रोड्यूसर असित मोदी ने टीम के साथ सेलिब्रेशन किया है. जिसकी फोटोज उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर की हैं. तारक मेहता का उल्टा चश्मा 2008 में शुरू हुआ था और अब 2025 तक ये शो चल रहा है और सबको बहुत पसंद भी आ रहा है.

तारक मेहता का उल्टा चश्मा में अब तक कई कलाकार आए हैं और गए हैं लेकिन हर कोई लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाने में कामयाब रहा है. पुराने तारक मेहता से लेकर नए तारक मेहता और दयाबेन जैसे कई कलाकारों को आज भी लोगों का ढेर सारा प्यार मिल रहा है.

असित मोदी ने शेयर किया पोस्ट

असित मोदी ने सोशल मीडिया पर सेलिब्रेशन की फोटोज शेयर की हैं. जिसमें पूरी टीम के साथ 4500 एपिसोड्स का केक काटते हुए नजर आ रहे हैं. असित मोदी ने फोटोज शेयर करते हुए लिखा- एक बीज से शुरू हुआ सपना आज हज़ारों मुस्कुराहटों का बागीचा बन चुका है. पहले दिन से जुड़े साथियों, हमारी मेहनती टीम और पर्दे के पीछे के सभी साथियों का दिल से आभार. और आप दर्शकों के बिना ये सफ़र अधूरा था, आपका प्यार ही हमारी ताक़त है. आगे भी हंसी, खुशी और सकारात्मकता का ये सफ़र यूं ही चलता रहेगा. हँसते रहिए, देखते रहिए.

बता दें 4501 एपिसोड का टेलिकास्ट हो चुका है. सोशल मीडिया पर एपिसोड का वीडियो वायरल हो रहा है. नए एपिसोड में गोकुलधाम वासियों पर गंभीर आरोप लगे हैं.

नई दयाबेन की होगी एंट्री

तारक मेहता का उल्टा चश्मा से लंबे समय से दयाबेन का किरदार निभाने वाली दिशा वकानी गायब हैं. कई बार असित मोदी ने दिशा को शो में वापस लाने की कोशिश की है. मगर अब वो नहीं आएंगी. असित मोदी ने एक इंटरव्यू में कहा- 'हमारे शो ने हाल ही में 17 साल पूरे किए हैं. अब पानी सिर के ऊपर चला गया है और ये हाईटाइम है शो में नई दया को वापस लाने का.'

शर्मिला टैगोर ने शादी से पहले अपनाया था इस्लाम बेटी सोहा अली खान ने बताया- आज भी उनका नाम 'आयशा' है

एक्ट्रेस सोहा अली खान ने हाल ही में अपनी मां और एक्ट्रेस शर्मिला टैगोर के बारे में बताया कि उनकी मां ने हमेशा अपनी शर्तों पर जिंदगी जी है। सोहा ने यह भी बताया कि शर्मिला टैगोर ने मंसूर अली खान पटौदी से शादी करने से पहले इस्लाम धर्म स्वीकार किया था। हॉटरफ्लाई के साथ बातचीत में सोहा ने बताया कि उनके माता-पिता, शर्मिला और टाइगर पटौदी की शादी में कोई बड़ी मुश्किल नहीं आई थी।

सोहा ने कहा, जब उन्होंने (शर्मिला टैगोर) मेरे पिता से शादी की थी, तब उन्होंने अपना धर्म बदला था। उनका नाम आयशा है। यह थोड़ा कंफ्यूजिंग हो सकता है क्योंकि कभी वह 'आयशा' साइन करती थीं, कभी 'शर्मिला'। ये सब अलग-अलग पहचानें हैं, लेकिन क्योंकि पूरे प्रोफेशनल करियर में वह शर्मिला टैगोर रही हैं, इसलिए लोग उन्हें उसी नाम से जानते हैं, लेकिन वह आयशा भी हैं।

बता दें कि सिमी गरेवाल के शो में मंसूर अली खान ने भी बताया था कि शर्मिला टैगोर का नाम आयशा रखने का सुझाव उन्होंने दिया था। वहीं, शर्मिला टैगोर ने कहा था, "यह आसान नहीं था, लेकिन बहुत मुश्किल भी नहीं। इसे समझकर अपनाना पड़ा। पहले मैं बहुत धार्मिक नहीं थीं। अब मुझे हिंदू धर्म और इस्लाम के बारे में ज्यादा जानकारी है।"

इसके अलावा अपनी शादी को लेकर शर्मिला ने बरखा दत्त के यूट्यूब चैनल मोजो स्टोरी में बातचीत में बताया था कि कोलकाता में शादी के समय उनके माता-पिता को धमकी भरे टेलीग्राम मिले थे। मंसूर के परिवार को भी थोड़ी चिंता हुई थी।बता दें कि एक्ट्रेस शर्मिला टैगोर ने सत्यजीत रे की बंगाली फिल्म 'अपुर संसार' से अपने करियर की शुरुआत की और बाद में कई हिंदी फिल्मों में भी काम किया। वह 'आराधना', 'अमर प्रेम', 'सफर' और 'छोटी बहू' जैसी फिल्मों में नजर आईं। मंसूर अली खान पटौदी, जिन्हें 'टाइगर पटौदी' के नाम से जाना जाता है, भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रहे। सिर्फ 21 साल की उम्र में वे भारतीय टेस्ट टीम के सबसे कम उम्र के कप्तान बने थे।

कौन हैं रितिका नायक? 'मिराय' में जिनकी मासूमियत ने जीता सबका दिल

रितिका नायक

तेजा सज्जा और मांचू मनोज की एक्शन-एडवेंचर से भरी मायथोलॉजिकल फिल्म 'मिराय' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। दर्शकों को फिल्म के विजुअल्स और वीएफएक्स काफी प्रभावित कर रहे हैं। लेकिन इस फिल्म के रिलीज होते ही अगर किसी को सबसे ज्यादा सर्च किया जा रहा है तो वो हैं फिल्म में नजर आई रितिका नायक। रितिका फिल्म की लीड एक्ट्रेस हैं। अब उनकी खूबसूरती और मासूमियत ने लोगों को प्रभावित किया है। जानिए रितिका नायक के बारे में।

दिल्ली के ओड़िया परिवार में हुआ जन्म

27 अक्टूबर 1997 को दिल्ली में एक ओड़िया परिवार में जन्मीं रितिका नायक ने दिल्ली पब्लिक स्कूल से पढ़ाई की है। साल 2019 में रितिका ने दिल्ली टाइम्स फ्रेश फेस का 12वां सीजन भी जीता है।

2022 में किया फिल्मों में डेब्यू

रितिका को शुरू से ही एक्टिंग की दुनिया में जाना था। कई जगह ऑडिशन देने के बाद रितिका को साल 2022 में आई 'अशोक वनमलो अर्जुन कल्याणम' में एक्टिंग करने का मौका मिला। इस फिल्म से रितिका ने तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में अपना डेब्यू किया। इस फिल्म में रितिका के साथ विश्वक सेन और रुखसार ढिल्लन भी प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। इस फिल्म के लिए रितिका को साइमा अवॉर्ड में बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस का नॉमिनेशन भी मिला।

इसके बाद रितिका 2023 में आई नानी और मृणाल ठाकुर की फिल्म 'हाय नन्ना' में भी नजर आई थीं। हालांकि, इस फिल्म में उनका सिर्फ कैमियो था। इसके बाद अब 'मिराय' रितिका की तीसरी फिल्म है। इस फिल्म में वो मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा उनकी आगामी फिल्मों में विजय देवरकोंडा के भाई आनंद देवरकोंडा की फिल्म 'डुएट' शामिल है।

'मिराय' में दिखा रितिका का मासूम अंदाज

'मिराय' में रितिका ने विभा नाम का किरदार निभाया है, जिसे तेजा सज्जा के किरदार को ढूंढने के लिए भेजा जाता है। उनका किरदार काफी शांत और सौम्य है। एक साधिका की तरह लगते अपने किरदार में रितिका काफी खूबसूरत लगी हैं और उनकी मासूमियत ने हर किसी को प्रभावित किया है। यही कारण है कि फिल्म रिलीज होते ही लोग रितिका के बारे में जानना चाहते हैं।

सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं रितिका

रितिका सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वो अक्सर ही इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें साझा करती रहती हैं। मौजूदा वक्त में उनके इंस्टाग्राम पर 4 लाख 88 हजार के करीब फॉलोअर्स है। अब 'मिराय' की रिलीज के बाद इनकी संख्या में बढ़ोत्तरी होने की पूरी उम्मीद है।

एनजीओ वाली अवॉर्ड समितियों पर दादासाहब फाल्के के नाती का आरोप

बोले- असली सिनेमा का सम्मान या पैसों का खेल ?

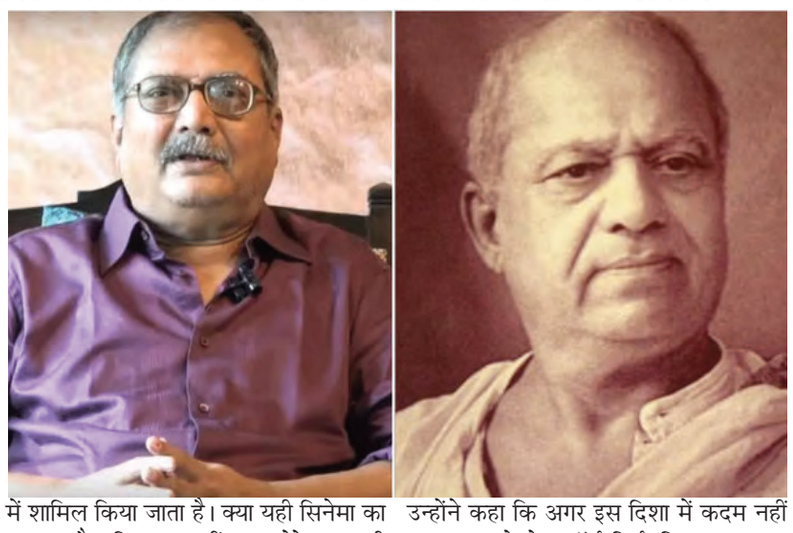

इस साल दादासाहब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड्स 2025 अपने 10 साल पूरे कर रहा है। इसे 29 और 30 अक्टूबर को मुंबई में आयोजित किया जाना है। लेकिन समारोह से पहले दादासाहब फाल्के के नाती चंद्रशेखर श्रीकृष्ण पुसलकर ने एक बड़ा बयान देकर फिल्म उद्योग में हलचल मचा दी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वह सिर्फ डीपीआईएफएफ ही नहीं, बल्कि किसी भी संस्था, संगठन या एनजीओ द्वारा दादासाहब फाल्के के नाम पर दिए जा रहे अवॉर्ड का समर्थन नहीं करते। उनका आरोप है कि ये अवॉर्ड अब सच्चे टैलेंट का सम्मान नहीं, बल्कि पैसे, दिखावे और व्यक्तिगत लाभ का खेल बनते जा रहे हैं।

'यह खेल सिर्फ नाम, पैसे और दिखावे का है'

अमर उजाला डिजिटल से बातचीत में चंद्रशेखर ने कहा, 'मैं इस तरह के अवॉर्ड का समर्थन किसी भी रूप में नहीं कर सकता। पुरस्कार देने की प्रक्रिया साफ-साफ और भरोसेमंद नहीं है। मुझे नहीं पता पैसा कहां खर्च होता है और किन आधारों पर अवॉर्ड दिए जाते हैं। यह कार्यक्रम सच्चे कलाकारों को सम्मान देने की जगह, नाम और पैसों का खेल बन चुके हैं। चाहे कोई संस्था हो या एनजीओ - दादासाहब फाल्के के नाम का उपयोग कर अपना लाभ उठा रही हैं। मैं ऐसे अवॉर्ड से पूरी तरह अलग रहूंगा।'

सितारे भी नहीं जानते कि उन्हें क्यों बुलाया गया

चंद्रशेखर श्रीकृष्ण ने आगे कहा कि कई अवॉर्ड सीधे पैसे लेकर दिए जा रहे हैं। कुछ लोगों को बुलाया जाता है, उनसे रकम ली जाती है और फिर उन्हें सम्मानित कर दिया जाता है। कई सितारे तो खुद नहीं जानते कि उन्हें क्यों बुलाया गया। कुछ को पैसे देकर इस कार्यक्रम में शामिल किया जाता है। क्या यही सिनेमा का सम्मान है? बिल्कुल नहीं। यह मेरे नाना की विरासत और भारतीय सिनेमा की गरिमा का अपमान है।

इससेइंडस्ट्री में भ्रम और अविश्वास फैलता है

चंद्रशेखर ने आरोप लगाया कि ऐसे अवॉर्ड नए कलाकारों के लिए हानिकारक हैं। उन्होंने कहा कि छोटे-बड़े अवॉर्ड भी पैसे और दिखावे के लिए दिए जा रहे हैं। इससे मेहनती कलाकारों का हौसला टूटता है और इंडस्ट्री में भ्रम और अविश्वास फैलता है। लोग अपने हुनर से ज्यादा पैसे और संपर्क पर भरोसा करने लगते हैं। यह स्थिति सिनेमा की जड़ों के लिए नुकसानदायक है।

सरकार से कार्रवाई की मांग

चंद्रशेखर ने सरकार और जिम्मेदार अधिकारियों से कड़ी कार्रवाई की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर इस दिशा में कदम नहीं उठाए गए तो ये अवॉर्ड सिर्फ दिखावा बनकर रह जाएंगे। असली कलाकारों की मेहनत और योगदान का कोई सम्मान नहीं होगा। मैं सरकार से मांग करता हूं कि इस पूरे मामले की जांच कराई जाए कि अवॉर्ड किस आधार पर दिए जा रहे हैं और पैसे का खेल कितना फैला हुआ है।

मैं अपनी विरासत की रक्षा करूंगा

आखरी में चंद्रशेखर ने साफ कहा कि मैं किसी भी अवॉर्ड, समारोह या आयोजक से जुड़ना या उनका समर्थन करना स्वीकार नहीं करूंगा। दादासाहब फाल्के की विरासत को बचाना मेरी जिम्मेदारी है। ऐसे अवॉर्ड जो केवल पैसा, दिखावा और राजनीतिक लाभ के लिए दिए जा रहे हैं। मेरे लिए कभी स्वीकार्य नहीं हो सकते। मैं पूरी तरह ऐसे आयोजनों से दूर रहूंगा।

सुप्रीम कोर्ट से भजनलाल सरकार को झटका

खेतड़ी ट्रस्ट की वसीयत को लेकर सुनाया बड़ा फैसला; एसएलपी खारिज

झुंझुनू, 13 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने झुंझुनूं के खेतड़ी के दिवंगत राजा बहादुर सरदार सिंह की संपत्तियों से जुड़े चर्चित मामले में राजस्थान सरकार की याचिका खारिज कर दीं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार के पास इस मामले में दखल के लिए कोर्ट आने का कानूनी अधिकार नहीं है। मामला 1985 में तैयार राजा बहादुर सरदार सिंह की वसीयत से जुड़ा है, जिसके आधार पर खेतड़ी ट्रस्ट का गठन किया गया।

दिल्ली हाईकोर्ट वसीयत को वैध ठहराते हुए ट्रस्ट को संपत्ति का अधिकार दे चुकी। इसे चुनौती देते हुए राज्य सरकार ने सुप्रीम

कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर की। न्यायाधीश बी.वी. नागरत्ना और न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने स्पष्ट किया कि हाईकोर्ट ने वसीयत को वैध ठहरा दिया और प्रॉबेट जारी कर दी।

मामला वसीयत आधारित उत्तराधिकार का है, न कि बिना वसीयत के उत्तराधिकार का। ऐसे में हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 29 के तहत उत्तराधिकारी न होने पर संपत्ति सरकार के पास जाने का प्रावधान इस मामले में लागू नहीं होता। राज्य सरकार प्रॉबेट आदेश को चुनौती नहीं दे सकती।

अन्य याचिका भी खारिज, जुर्माना

दूसरी ओर, स्वयं को मृतक का पितृ पक्षीय संबंधी बताने वाले सुरेन्द्र सिंह व अन्य की याचिका भी कोर्ट ने खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने अपनी आपत्तियां और संबंधित दीवानी वाद वापस ले लिया, यह तथ्य छिपाया। कोर्ट ने इस कारण न केवल उनकी याचिका खारिज की बल्कि एक-एक लाख रुपए जुर्माना भी लगाया।

'जासूसी' पर बवाल: गहलोत ने स्पीकर देवनानी पर लगाए गंभीर आरोप, जांच की मांग की

जयपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में लगे 2 अतिरिक्त कैमरों को लेकर मचा बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के बाद अब पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने भी इस मामले को लेकर स्पीकर वासुदेव देवनानी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शनिवार को पीसीसी पहुंचे गहलोत ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि विपक्ष की बेंच की ओर दो एक्स्ट्रा कैमरे लगाए गए, और उनका कंट्रोल सिस्टम सीधे स्पीकर के चैंबर में रखा गया है। यह गोपनीयता का उल्लंघन ही नहीं, बल्कि बहुत बड़ा क्राइम है। गहलोत ने स्पीकर पर सवाल उठाते हुए कहा कि -"आपको क्या अधिकार है कि आप अलग से कैमरे लगा दें और उसकी फुटेज सिर्फ स्पीकर या उनके प्राइवेट सेक्रेटरी देख सकें? यह बहुत गंभीर मामला है। राज्यपाल को इस पूरे मामले की जांच करानी चाहिए।" गहलोत ने यह भी आरोप लगाया कि हाउस एडजर्न होने के बाद जब विधायक आपस में अनौपचारिक बात कर रहे

थे, तब भी उन बातों को रिकॉर्ड कर डिबेट में इस्तेमाल किया गया। उन्होंने डोटासरा प्रकरण का हवाला देते हुए कहा कि ऐसे बयानों को आधार बनाकर माननीय सदस्यों की गरिमा को ठेस पहुंचाई गई।

उन्होंने कहा- जब वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से या जब डिबेट होती है उसे यूट्यूब के माध्यम से सब देख सकते हैं कि कौन क्या बोल रहा है। पर आप अलग कैमरा लगा दो विपक्ष की तरफ, क्या बात कर रहे हैं वो आपस के अंदर, क्या नहीं कर रहे हैं और पूरा स्पीकर के पास में खबर पहुंचती जाए, डोटासरा वाला मामला था यही तो था। उस समय हाउस एडजर्न था। आप इनफॉर्मल कई बार बात करते हैं, जुमला बोल देते हैं। ये क्या कांग्रेस वाले क्या बीजेपी वाले बोल देते हैं तो क्या आप उन जुमलों को ले के जो हाउस में प्रोसेसिंग में बोला नहीं गया है तब भी आप उसको ले के आप ऐसे कमेंट करवा दो डोटासरा जी पर, ये तो एमएलए बनने लायक ही नहीं है । गहलोत बोले कि स्पीकर के पास क्या अधिकार है कि माननीय सदस्य की गैर मौजूदगी में उन्हें लेकर डिबेट करवा दी। डिबेट में कोई बीजेपी वाले एमएलए कह रहे हैं 5 साल के लिए निकाल दो, कोई कह रहे हैं कि चार साल के लिए निकाल दो। ये जो माहौल बनाया हाउस के अंदर मैं समझता हूं उचित नहीं है। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस के लोग गवर्नर के पास गए थे अब इस मामले की जांच होनी चाहिए कि वास्तव में कैमरे क्यों लगाए गए और कैमरों का भुगतान किसने किया।इसकी शिकायत भी की है और राज्यपाल से जांच की मांग की है।

विधायक आवास खाली कराने के नोटिस पर हाईकोर्ट पहुंचे बेनीवाल, अगले हफ्ते सुनवाई संभव

जयपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सांसद हनुमान बेनीवाल ने जयपुर स्थित विधायक आवास खाली कराने के नोटिस और उसके आधार पर की जा रही कार्रवाई को राजस्थान हाईकोर्ट में चुनौती दी है। इस मामले पर अदालत संभवतः अगले सप्ताह सुनवाई कर सकती है।

बेनीवाल की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि संपदा अधिकारी ने प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों की अनदेखी करते हुए जल्दबाजी में नोटिस जारी कर दिया और कार्रवाई भी प्रारंभ कर दी। उनका कहना है कि उन्हें सुनवाई और अपने पक्ष में तथ्य रखने का पर्याप्त अवसर नहीं दिया गया।

याचिका में उल्लेख किया गया

है कि 1 जुलाई को संपदा अधिकारी ने हनुमान बेनीवाल को विधायक आवास खाली करने का नोटिस जारी किया था। इस नोटिस की पहली सुनवाई 11 जुलाई को हुई। इसके बाद भी अधिकारी ने मामले में बेवजह जल्दबाजी दिखाई और उनके द्वारा दायर किए गए आवेदनों को बिना पर्याप्त विचार किए अपमानजनक टिप्पणियों के साथ खारिज कर दिया।

बेनीवाल ने आरोप लगाया कि संपदा अधिकारी का यह आचरण राज्य सरकार के पक्ष में उनके पूर्वाग्रह को दर्शाता है। उनका कहना है कि न्यायपूर्ण प्रक्रिया का पालन किए बिना उन्हें जबरन आवास खाली करने को बाध्य किया जा रहा है। उन्होंने अदालत से आग्रह किया है कि संपदा अधिकारी की ओर से जारी नोटिस और उसके आधार पर की जा रही कार्रवाई को रद्द किया जाए।

जानकारों का मानना है कि इस प्रकरण में हाईकोर्ट की सुनवाई महत्वपूर्ण होगी, क्योंकि यह मामला न केवल एक जनप्रतिनिधि से जुड़ा है बल्कि सरकारी संपत्तियों के आवंटन और पुनः प्राप्ति की प्रक्रिया की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़ा करता है।

सीएम भजनलाल का बड़ा फैसला

झालावाड़ स्कूल हादसे के पीड़ितों को दी 13 लाख की सहायता; मिलेगी नौकरी

जयपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने झालावाड़ जिले के मनोहरथाना क्षेत्र के पिपलोदी में हुए दुखद स्कूल हादसे के बाद पीड़ित परिवारों के लिए राहत पैकेज का ऐलान किया है। साथ ही क्षेत्र में विकास कार्यों की भी बड़ी सौगात दी है। सरकार ने प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उनकी मदद के लिए ठोस कदम उठाए हैं।

मुख्यमंत्री ने पिपलोदी में हुए स्कूल हादसे में मृतक विद्यार्थियों के परिजनों को 13 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है। इसके अतिरिक्त गंभीर रूप से घायल 11 विद्यार्थियों और उनके परिजनों को 1 लाख 36 हजार रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी। साधारण रूप से घायल 10 विद्यार्थियों के लिए 75 हजार 400 रुपये की आर्थिक मदद स्वीकृत की गई है।

छात्रा से छेड़छाड़ के मामले में संविदा शिक्षक बर्खास्त

शिक्षा मंत्री ने दिए गिरफ्तारी के आदेश

जयपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। धौलपुर जिले के बरौली में एक संविदा शिक्षक द्वारा स्कूली छात्रा से अश्लील हरकत किए जाने का मामला सामने आने के बाद शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने आरोपी शिक्षक को तत्काल नौकरी से हटाने और पुलिस द्वारा गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

प्रकरण के अनुसार पीड़िता कक्षा 7 की छात्रा है और विद्यालय के ही शिक्षक से ट्यूशन लेती थी। 4 अगस्त की शाम करीब 5 बजे आरोपी शिक्षक ने छात्रा को रोक लिया और उसके साथ अश्लील छेड़छाड़ की। घटना के बाद डरी-सहमी बच्ची ने घर जाकर मां को पूरी बात बताई। परिजनों ने तत्काल सरमथुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई।

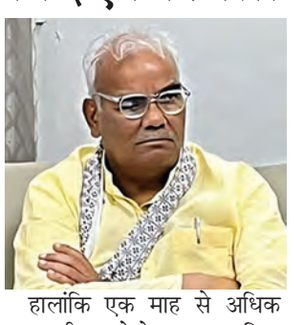

हालांकि एक माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद पुलिस की ओर से आरोपी के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। आरोपी ने मामले को दबाने के लिए पंचायत में पहुंचकर कबूलनामा और माफी मांगी, जिसका वीडियो भी परिजनों के पास मौजूद है। इसके बावजूद पुलिस निष्क्रिय बनी रही। आरोपी शिक्षक संविदा पर सरकारी स्कूल में कार्यरत है और निजी विद्यालय का संचालन भी कर रहा है। परिजनों ने इस लापरवाही और पुलिस की निष्क्रियता की शिकायत सीधे शिक्षा मंत्री मदन दिलावर से उनके जयपुर आवास पर जाकर की।

शिकायत सुनने के बाद शिक्षा मंत्री ने तुरंत शिक्षा निदेशक माध्यमिक सीताराम जाट को आरोपी शिक्षक को बर्खास्त करने के निर्देश दिए। साथ ही पुलिस अधिकारियों को अपराधी की शीघ्र गिरफ्तारी और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने का आदेश भी दिया।

मंत्री ने कहा कि छात्राओं की सुरक्षा सर्वोपरि है और ऐसे मामलों में कोई ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस सख्त रुख से परिजनों को कुछ हद तक राहत मिली है, लेकिन पुलिस की भूमिका पर अब भी सवाल उठ रहे हैं।

करौली में तीन मासूमों को स्कूल बस ने कुचला

एक की मौत, गुस्साए ग्रामीणों ने स्कूल में की तोड़फोड़, रोड भी जाम

करौली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के करौली जिले के नादौती क्षेत्र में गुढ़ाचंद्रजी कस्बे में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है. एक निजी स्कूल के मुख्य द्वार पर स्कूल बस ने दो बालिकाओं को कुचल दिया, जिसमें एक बालिका की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी बालिका गंभीर रूप से घायल हो गई. घायल बालिका को तत्काल दौसा रेफर किया गया है. घटना गुढ़ाचंद्रजी कस्बे में स्थित एक निजी स्कूल के मुख्य द्वार पर हुई.

जानकारी के अनुसार, स्कूल बस ने अचानक अनियंत्रित होकर दो बालिकाओं को अपनी चपेट में ले लिया. हादसा इतना भयावह था कि एक बालिका ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दूसरी को गंभीर चोटें आईं. घायल बालिका को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए दौसा रेफर कर दिया गया. मृतक बालिका का शव स्कूल संचालक के वाहन में रखा गया है, जिसके बाद परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया.

मृत बच्ची की पहचान राजाहेड़ा निवासी शिवचरण की 5 वर्षीय पुत्री रिया और घायल बच्ची की पहचान 7 वर्षीय शानू के रूप में हुई है. यह हादसा निजी केवीएस स्कूल के मुख्य द्वार पर हुआ. हादसे की सूचना मिलते ही मृतक बालिका के परिजन और स्थानीय ग्रामीण स्कूल परिसर में जमा हो गए. आक्रोशित भीड़ ने स्कूल प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की. प्रदर्शनकारियों का कहना है कि स्कूल बस की लापरवाही और सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण यह हादसा हुआ. लोगों के प्रदर्शन करने की सूचना मिलते ही नादौती थाना अधिकारी वीर सिंह गुर्जर, तहसीलदार सहित पुलिस प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास शुरू किया. पुलिस प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश कर रही है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हादसे के कारणों की गहन जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी.

मिड डे मील खाने से 100 से ज्यादा बच्चों की बिगड़ी तबीयत, 16 की हालत गंभीर; मचा हड़कंप

दौसा, 13 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा जिले में शनिवार को मिड डे मील खाने के बाद 100 से ज्यादा बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। मामला सामने आने के बाद प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया।

मामला नांगल राजावतान उपखंड के ग्राम पंचायत चूड़ियावास स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का है। जहां रोटी और आलू की सब्जी खाने के बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मिड डे मील खाने से बच्चे फूड पॉइजिंग के शिकार हो गए।

स्कूल परिसर में बच्चे पेट दर्द से कहराते रहे। साथ ही कई बच्चों को उल्टी होने लगी। बच्चों की तबीयत बिगड़ते ही स्कूल प्रशासन के हाथ पांव फूल गए। आनन—फानन में सभी बच्चों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया है। अस्पताल में करीब 100 बच्चों का उपचार जारी है।

वहीं, 16 बच्चों की हालत गंभीर बनी हुई। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। इस घटना से परिजनों और ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। अपने बच्चों की कुशलक्षेम जानने के लिए परिजन अस्पताल की ओर दौड़ पड़े। ऐसे में अस्पताल के बाहर काफी लोगों की भीड़ जमा हो गई।

सूचना मिलते ही अतिरिक्त जिला कलक्टर रामस्वरूप चौहान, सीबीईओ सत्यनारायण मीणा, नांगल राजावतान थानाधिकारी हुसैन अली, कार्यवाहक तहसीलदार अजय मधुकर सहित कई अधिकारी अस्पताल पहुंचे। प्रशासनिक अधिकारियों ने बच्चों का हालचाल जाना और चिकित्साकर्मियों को इलाज में लापरवाही ना बरतने के निर्देश दिए।

तीन साल की मासूम को मिला न्याय

पॉक्सो कोर्ट ने दुष्कर्म के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई

जालौर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। जिले के सांचौर थाना क्षेत्र में 9 महीने पहले 3 साल की मासूम के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को जालौर की पॉक्सो कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 50 हजार रुपए के अर्थदंड से भी दंडित किया। विशिष्ट लोक अभियोजक रणजीत सिंह राजपुरोहित ने बताया कि सांचौर थाना क्षेत्र में पीड़िता की मां ने 9 जनवरी को एक लिखित रिपोर्ट दी थी। इसमें बताया कि 8 जनवरी की देर शाम करीब 7 बजे उसकी तीन साल की बेटी घर के बाहर खेल रही थी। मां एक घर में काम कर रही थी। इस दौरान आरोपी मासूम को अपने क्वार्टर में ले गया और वहां उसके साथ दरिंदगी की और इसके बाद बच्ची को घर से बाहर फेंक दिया। मासूम के चिल्लाने की आवाज सुनकर मां घर से बाहर आई बच्ची खून से लथपथ थी।

खूंखार महिला माओवादी कमांडर कल्पना का आत्मसमर्पण, 25 लाख का था इनाम

पुलिस महानिदेशक की उपस्थिति में किया सरेंडर

माओवादी मुख्य धारा में लौटें, सरकार करेगी मदद : डीजीपी

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 42 सालों तक जगंलों में सक्रिय रहने वाली कुख्यात महिला माओवादी कमांडर सीपीआई (माओवादी) वरिष्ठ नेता पोथुला पद्मावती ने शनिवार को पुलिस महानिदेशक की उपस्थिति में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

पोथुला पद्मावती को कल्पना, सुजाता, मयनाक्का आदि नामों से जाना जाता है। उसके ऊपर 25 लाख रुपये का नकद इनाम था। राज्य सरकार ने उसे इनाम की धन राशि सौंप दी। वह 43 वर्षों तक माओवादी आंदोलन से जुड़ी रहीं कल्पना 1982 में सीपीआई-एमएल (पीपुल्स वार ग्रुप) में शामिल हुईं और पार्टी के साथ विभिन्न पदों पर काम किया। कुख्यात माओवादी कमांडर किशन की पत्नी के रूप में जानी जाने वाली कल्पना ने देश के तत्कालीन आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल राज्यों में विभिन्न पदों पर कार्य किया। नक्सली संगठन में कल्पना की पहचान नक्सली आंदोलन के कुख्यात माओवादी किशनजी की पत्नी के रूप में होती है। नक्सली कमांडर किशनजी की पश्चिम बंगाल में हुई मुठभेड़ में मौत हुई थी। इसके बाद सुजाता ने नक्सली संगठन में और अधिक सक्रिय हो गई थी।

ऐसा माना जा रहा है कि कल्पना के आत्मसमर्पण से नक्सलियों का संगठन कमजोर होगा। छत्तीसगढ़ और तेलंगाना पुलिस को लंबे समय से सुजाता की तलाश थी। सार्वजनिक जीवन की मुख्यधारा में शामिल होने वाले माओवादी पोथुला पद्मावती उर्फ कल्पना अब 62 साल की हो चुकी है। वह मूल रूप से पेंचिकालपाडु गांव, गट्टू मंडल, जोगुलम्बा गदवाल जिले की रहने वाली है। उसके पिता थिम्मा रेड्डी थे। वह एक कृषक परिवार से थीं जिसके पास काफी संपत्ति थी। उन्होंने गांव के पोस्टमास्टर के रूप में भी काम किया और 1983 में उनका निधन हो गया। उनकी माँ, वेंकम्मा एक गृहिणी हैं। उनके तीन भाई और एक बहन हैं, तीनों भाई अपने पैतृक गांव में खेती करते हैं। उनके बड़े भाई, पोथुला श्रीनिवास रेड्डी ने वर्ष 1982 में लगभग दो महीने तक सीपीआई (एमएल) पीपुल्स वार ग्रुप के साथ काम किया। कल्पना का विवाह मल्लोजुला कोटेश्वर राव उर्फ प्रहलाद उर्फ किशनजी से हुआ था। वह एक वरिष्ठ माओवादी नेता थे और सीपीआई (माओवादी) की पश्चिम बंगाल राज्य समिति के केंद्रीय समिति सदस्य (सीसीएम) और सचिव के रूप में कार्यरत थे। 24 नवंबर 2011 को पश्चिम बंगाल के पश्चिमी मिदनापुर जिले में बंगाल-झारखंड सीमा के पास पुलिस के साथ मुठभेड़ में उनकी मृत्यु हो गई। गदवाल के सरकारी जूनियर कॉलेज में इंटरमीडिएट के दूसरे वर्ष की पढ़ाई के दौरान मार्क्सवादी लेनिनवादी विचारधारा से प्रभावित हुईं। उनकी विचारधारा से प्रेरित होकर, वह दिसंबर 1982 में सीपीआई (एमएल) पीपुल्स वार ग्रुप में शामिल हो गईं।

अग्रवाल समाज ने सीएम को दिया निमंत्रण पत्र

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से मुलाकात की और 22 सितंबर की शाम क्लासिक कन्वेंशन 3, शमशाबाद में आयोजित होने वाले 5149वें महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह के लिए निमंत्रण पत्र दिया। साथ ही, अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों के बारे में भी उन्हें जानकारी दी। रेवंत रेड्डी ने समाज की गतिविधियों की सराहना करते हुए आश्वासन दिया कि यदि समय मिला तो वे कार्यक्रम में अवश्य भाग लेंगे। प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, सलाहकार बद्री विशाल बंसल, हरीश गुप्ता, सलाहकार संजय गुप्ता और यशस्वी भी शामिल थे।

पूर्व तट रेलवे

पूर्णकालिक अनुबंधकीय चिकित्सक (CMP) की नियुक्ति हेतु वॉक-इन-इंटरव्यू

रोजगार सूचना सं.: 01/2025-CMP दिनांक : 09.09.2025

पूर्व तट रेलवे, वाल्टियर मण्डल में पूर्णकालिक (जनरल ड्यूटी चिकित्सा अधिकारी) आधार पर "अनुबंधकीय मेडिकल प्रैक्टिशनर (CMPs)" के रूप में नियुक्ति के लिए चिकित्सकों का एक पैनल बनाने हेतु एक वॉक-इन-इंटरव्यू आयोजित करेगी, जिसके लिए दोनों सेवानिवृत्त (केन्द्रीय/राज्य) चिकित्सक एवं अन्य चिकित्सकों एक वर्ष की समयावधि हेतु अथवा CMPs की नियुक्ति की योजना के लागू रहने तक या नियमित IRHS की नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, अनुबंध के आधार पर अनुमेय आयु सीमा के अनुसार आवेदन कर सकते हैं। निम्न वर्णित शर्तों के अनुसार इच्छुक डाक्टरों की उपयुक्तता का निर्धारण करने के लिए एक **वॉक-इन-इंटरव्यू** आयोजित किया जायेगा।

रिक्ति की कुल संख्या: 02 संख्यक।

वॉक-इन इंटरव्यू के लिए पंजीकरण: साक्षात्कार के लिए पंजीकरण अनिवार्य है। सभी को वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए पंजीकरण करने की आवश्यकता है, जिसके लिए उन्हें संलग्न प्रारूप में सार्टिफिकेट (पीडीएफ) के साथ स्कैन किए गए आवेदन पत्र को **ई-मेल आईडी: chosgazwat@gmail.com** पर मेल के विषय **"CMP 2025"** उल्लेख करके **07.10.2025** को **1800 बजे** या उससे पहले भेजना होगा।

"वॉक-इन इंटरव्यू" का स्थान	तिथि, रिपोर्टिंग समय एवं "वॉक-इन इंटरव्यू" का समय
मण्डल रेल अस्पताल, CMS कार्यालय, दोण्डापार्थी / वाल्टियर, पिन-530004	08.10.2025 (बुधवार) को 1130 बजे

द्रष्टव्य : आवेदन प्रारूप, शैक्षणिक योग्यता / पात्रता, आयु, पारिश्रमिक, और अन्य नियम एवं शर्तों के लिए कृपया वेबसाइट : **www.eastcoastrail.indianrailways.gov.in** ➲ **About us** ➲ **Division** ➲ **Waltair Division** ➲ **Walk In Interview & Notification** का अवलोकन करें।

PR-592/Q/25-26 वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी / वाल्टियर

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा अत्तापुर में आज से श्रीकृष्ण कथा का आयोजन

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा सात दिवसीय श्रीकृष्ण कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस पावन कार्यक्रम में भगवान कृष्ण की महिमा और उनकी लीलाओं का वर्णन किया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक उर्जा और शांति प्राप्त होगी। यह कथा श्री चिन्ना अनन्तगिरि शिवालयम्, पिल्लर नं. 143, अत्तापुर, हैदराबाद में 14 से 20 सितंबर तक प्रतिदिन सायं 3:30 बजे से 7:00 बजे तक होगी। मंगल कलश यात्रा 14 सितंबर प्रातः 9 बजे राम मंदिर, पिल्लर नं. 143 से प्रारंभ होगी।

इस कथा का वाचन प्रसिद्ध कथा वाचक आशुतोष महाराज की शिष्या साध्वी आस्था भारती द्वारा किया जाएगा, जो अपनी अद्वितीय शैली से भगवान कृष्ण की लीलाओं का जीवंत वर्णन करेंगी। सभी श्रद्धालुओं से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर भगवान श्रीकृष्ण की महिमा का श्रवण करें और उनका आशीर्वाद प्राप्त करें।

शेर के दस्तक से लोगों में दहशत

मदनूर, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मदनूर मंडल इंद्र नगर निवासी परमेश ने हर रोज की तरह शनिवार के दिन खेत में घास काटने गया था। अचानक उसके कान में शेर की आवाज गूंजने लगी तो घबराते हुए सड़क पर आ पहुंचा। उन्होंने बाजूके खेत के मालिक को इस घटना के बारे में बताया तो उन्होंने गांव के लोगों को फोन पर खेत में शेर आने की जानकारी दी। गांव वालों ने खेत स्थानिक पुलिस और फॉरेस्ट अधिकारी को सूचना दी। पोलिस तो जल्दी आय लेकिन फॉरेस्ट अधिकारी फोन करने के दो घंटे बाद घटना स्थल पर पहुंचे। फॉरेस्ट अधिकारी ने शेर के पंजे के निशान की पुष्टि की व स्थानिक ग्राम पंचायत सचिव संदीप के आदेशानुसार मदनूर में ढिंढोरा कराया कि खेतों में शेर घूम रहा है, जनता सतर्क रहे। इसी के साथ साथ स्थानिक किसानों ने शनिवार के शाम पुराने बस्तानक के समीप सड़क पर बैठकर विरोध प्रदर्शन करते हुए फॉरेस्ट अधिकारी से ड्रोन कैमरा के सहायता से शेर का पता लगाकर जनता को राहत दें।

माँ और प्रेमी ने की दो साल की बच्ची की हत्या

शव गांव के बाहर दफनाया, मेदक में सनसनीखेज मामला

मेदक, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक महिला और उसके प्रेमी ने अपनी ही दो साल की बेटी की हत्या कर शव को गांव के बाहर दफना दिया। पुलिस ने शुक्रवार को दोनों को हिरासत में लिया, जिसके बाद यह अपराध उजागर हुआ। जांच अधिकारियों के अनुसार, शाबाशपल्ली गांव की रहने वाली ममता की शादी पांच साल पहले सिद्दीपेट जिले के रायपोल निवासी भास्कर से हुई थी। दंपति की दो बेटियां थीं, लेकिन वैवाहिक जीवन में अनबन के चलते ममता इस साल मार्च में बच्चों को लेकर अपने मायके आ गई थी। गांव में रहते हुए ममता का एक स्थानीय युवक फयाज से प्रेम संबंध हो गया। 7 जून को ममता अपनी छोटी बेटी तनुश्री के साथ अचानक लापता हो गई, और उसी दिन फयाज भी गायब हो गया। इसके बाद ममता के पिता ने शिवववमपेट पुलिस थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस की जांच में शुक्रवार को बड़ी सफलता मिली। ममता और फयाज को आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले के नरसारावपेट से पकड़ा गया। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि उन्होंने 7 जून को तनुश्री की हत्या कर शव को गांव के बाहरी इलाके में दफना दिया था। शुक्रवार को पुलिस ने डॉक्टरों की मौजूदगी में कब्र से शव को बाहर निकाला और फोरेंसिक जांच के लिए नमूने एकत्र किए। अधिकारियों ने बताया कि मामले की विस्तृत जानकारी आज दिन में मीडिया के सामने रखी जाएगी।

बैद्यनाथ नागपुर आयुर्वेद

स्वस्थ हृदय ही अच्छे स्वास्थ्य की पहचान है।

बैद्यनाथ आयुर्वेद

अर्जुनामृत

- अर्जुनामृत में अर्जुन के अलावा विडंग, गोखरू एवं नागकेशर जैसे बहुमूल्य जड़ी-बूटीयों से युक्त होने से अधिक गुणकारी है।
- बढ़ती उम्र के लिए लाभकारी।
- अर्जुनामृत के साथ शुध्द शिलाजीत युक्त प्रभाकर बटी का सेवन विशेष लाभदायक है।

A.U.4127/09/25/283

आयुर्वेद अपनाए..स्वस्थ रहें!

श्री विरेन्द्र गणपती, खम्मम्

प्र. मुझे पांच साल से बवासीर की तकलीफ है। शौच के जगह खुजली चलती है व दर्द बहुत होता है। कब्ज़ की तकलिफ है। शौचाद्वारा रक्त गिरता है।

उ. बैद्यनाथ सिड्पाईल्स 2–2 टॅबलेट दिन में दो बार पानी के साथ लेवें। **बैद्यनाथ अभयामृत** 2–2 चम्मच समभाग पानी के साथ दिन में दो बार भोजनबाद लेवें।

श्री जितेन्द्र मालू, हैद्राबाद

प्र. मेरी उम्र 55 वर्ष है। मै पेशाब की समस्या से परेशान हुँ। मुझे प्रोस्टेट की समस्या का पता चला है। कृपया आयुर्वेदिक दवां बताये।

उ. बैद्यनाथ प्रोस्ट–एड टॅबलेट 1–1 टॅबलेट सुबह शाम पानी के साथ लेवें।

श्रीमती सवी नायडू, करिमनगर

प्र. बरसात के दिनों में सर्दी, खाँसी की तकलीफ बनी रहती है। कृपया आयुर्वेदिक उपचार बतायें।

उ. बैद्यनाथ लक्ष्मीविलास रस (नारदीय) 1–1 टॅब पीसकर शहद + अदरक रस के साथ लेवें। **बैद्यनाथ कासविन** 2–2 चम्मच सुबह शाम लेवें। रात को सोने के पूर्व **बैद्यनाथ सितोपलादी चूर्ण** आधा चम्मच शहद के साथ लेवें।

श्री नितीन व्यकटरमन्, विशाखापट्टनम्

प्र. मेरी आयु 50 वर्ष है। मुझे 6 वर्ष से मधुमेह हुवा है। शरीर में कमजोरी लगती है। कृपया आयुर्वेदिक उपाय बतायें।

उ. महोदय, आप अपने खान पान का ध्यान रखें। व शुगर बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थो का परेहज करें। **बैद्यनाथ मधुमेहारी ग्रेन्युल्स्** 1–1 चम्मच सुबह–शाम पानी के साथ सेवन करें। इसका सेवन लगातार करें यह दवा किसी प्रकार का साइड इफेक्ट नही करती व रक्तशर्करा सामान्य बनाने में सहायक है।

वैद्य रमेश शर्मा, एम. डी. (आयु.)
प्रधान वैद्य

बैद्यनाथ के दवाइयों के साथ जानकारी हेतू सेवनविधी दी है। इस का प्रयोग वैद्यकिय परामर्श से करें।
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें : 844 844 4935 I www.baidyanath.co

श्री राजेश अग्रवाल, चेयरमैन के नेतृत्व में

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस भाषायी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ एवं

तेलंगाना हिन्दी जर्नलिस्ट्स असोसिएशन

के संयुक्त तत्वावधान में

श्री राजेश अग्रवाल, चेयरमैन
तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस भाषायी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ

हिन्दी दिवस रविवार, दि. 14 सितंबर, 2025 के अवसर पर हिन्दी पत्रकार, लेखक, कवि एवं हिन्दी सेवियों का सम्मान समारोह

व प्रतियोगी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरण, प्रात: 10.30 बजे से स्थान: प्रेस क्लब, देशोद्धारक भवन, बशीरबाग (निज़ाम कॉलेज के सामने)

स्व. विनयवीर स्मारक पुरस्कार

पुरस्कार ग्रहीता : डॉ. अरविंद यादव, सुप्रसिद्ध लेखक, जीवनीकार एवं पत्रकार

स्व. सदाशिव शर्मा स्मारक पुरस्कार

पुरस्कार ग्रहीता : डॉ. चैतन्या सिंह, संपादक, मिडनाइट रिपोर्टर

विशेष अतिथि :

श्री बी. महेश कुमार गौड़ जी, MLC, अध्यक्ष TPCC

श्री पोन्नम प्रभाकर जी, परिवहन एवं बीसी कल्याण मंत्री

मुख्य अतिथि

श्री जी. चिन्ना रेड्डी जी, उपाध्यक्ष, तेलंगाना राज्य योजना बोर्ड

श्री एम. कोदंडा रेड्डी जी, EX. MLA, अध्यक्ष-भू भारती

श्री पी. विश्वनाथन जी, EX. MP, AICC सचिव एवं TPCC प्रभारी

श्री वी. हनुमंत राव जी, EX. MP, पूर्व अध्यक्ष-APCC

श्री हर्कारा वेणुगोपाल राव जी, सलाहकार, तेलंगाना सरकार

श्री सी. वेणुगोपाला चारी, पूर्व केंद्रीय मंत्री

श्री पुराणम सतीश कुमार जी, EX. MLC, आदिलाबाद

हिन्दी सेवी

नरेन्द्र राय श्रीवास्तव

रवि वैद

प्रवीण प्रणव

अतिथिगण

श्री राजेश गोयल जी, प्रमुख समाजसेवी

श्री प्रदीप सुराणा जी, प्रमुख उद्योगपति

श्री लक्ष्मीनारायण राठी जी, वाइस चेयरमैन: ए.पी. महेश बैंक

श्री विराहत अली जी CA, अध्यक्ष : टीयूडब्ल्यूजे वरिष्ठ पत्रकार

श्री मुरली मनोहर पल्लोड़, समाज सेवी

श्री भीम अग्रवाल, समाज सेवी

श्री महावीर अग्रवाल, समाज सेवी

श्री मधुसुदन जी संथोलिया, समाज सेवी

श्री सुरेश कुमार अग्रवाल, समाज सेवी

कार्यक्रम संचालक

एम.एन.एस. कुमार (अध्यक्ष)

एम.ए. सरवर (महासचिव)

नन्दगोपाल भट्टड़

स्व. विद्यारण्या हरिबेलके स्मारक पुरस्कार

पुरस्कार ग्रहीता : जैन रत्न मीना ललित मुथा, हिन्दी लेखिका

हिन्दी सेवी

एम. हिदायतुल्ला बेग

शर्मिला प्रियदर्शिनी

लक्ष्मीकांत धाबड़े

यशवंत वर्मा

आर. विजय कुमार

शिवाजी राव

मीता वेणुगोपाल

रीटा मार्गरेट

विशाल

नरेश कुमार लाभ

अक्षय शुक्ला

हिन्दी सेवी

श्री श्यामसुन्दर मून्दड़ा

उमा देवी सोनी

डॉ. वी. वेंकटेश्वर राव

विनोद सरावगी

करुणा सामा

डॉ. राधा एस

राहुल जैन

डॉ. रंभा सिंह

श्रीमती कांता मूसेनी

आर. चन्द्रभान

महेश उपाध्याय

शिक्षक

डॉ. अनुपमा

अंजली महा

निशि शर्मा

रेणुका राय

समीना बेगम

सैयदा सबा नुसरत

मेहर उन्निसा

डॉ. सतीश कुमार

सैयद यासीन अली

मोहम्मद रब्बानी

समरीन बेगम

मीर अबरार अली इलियास

संगीता जोशी

हेमा

वागमारे ज्योति

अनिता महेन्दरकर

अनीता पाण्डे

नेहा गुप्ता

प्रवीण नावंदर

श्री पुरुषोत्तम गुप्ता

श्री विशेष शर्मा

श्री राकेश अग्रवाल

श्री राणा नागेश

श्री जय सिंह

श्री एच. हरितिलक सिंह

श्रीमती ललिता अग्रवाल

सभी को हिन्दी दिवस की शुभकामनाएँ... हिन्दी प्रेमियों के इस समारोह में हार्दिक स्वागत है।

संपर्क: 9491317352, 9912345352

सात्विक-चिराग हॉन्ग कॉन्ग ओपन के फाइनल में

चाइनीज ताइपे की जोड़ी को सीधे गेम में हराया; लक्ष्य सेन भी सिंगल्स के सेमीफाइनल में

हांगकांग, 13 सितंबर (एजेंसियां)। भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गए हैं। इस भारतीय जोड़ी ने लंबा सूखा समाप्त करते हुए सत्र के अपने पहले फाइनल में जगह बना ली है। सात्विक-चिराग ने शनिवार को सेमीफाइनल में विश्व के नौवें नंबर की जोड़ी चीनी ताइपे के बिंग वेई लिन और चेन चेंग कुआन को सीधे गेम में हराया।

सात्विक-चिराग ने लिन-कुआन को 21-17, 21-15 से मात दी। भारतीय जोड़ी सत्र के अपने पहले फाइनल में पहुंची है। इससे पहले उसे छह बार सेमीफाइनल में हार मिली थी। आठवीं

वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी का खिताबी मुकाबले में सामना चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग की जोड़ी तथा चीनी ताइपे की फांग चिह ली और फांग जिन ली के बीच एक अन्य सेमीफाइनल मैच की विजेता जोड़ी से होगा।

सात्विक-चिराग के लिए यह नतीजे काफी सुखद है क्योंकि उन्होंने कई चुनौतियों से पार पाकर वापसी की है। सात्विक-चिराग पिछले साल पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने से चूक गए थे। इस भारतीय जोड़ी के पास अब इस साल का अपना पहला खिताब जीतने का मौका रहेगा।

'अपना काम करो', एशिया कप में भारत बनाम पाक मैच पर कपिल देव का बड़ा बयान

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 में टीम इंडिया की शुरुआत धमाकेदार रही। उन्होंने यूएई को पराजित किया और अब पाकिस्तान के खिलाफ अगला मैच होने वाला है। 14 सितंबर 2025 को भारत और पाकिस्तान आमने-सामने होंगे। इस मैच को लेकर सभी अलग-अलग तरह की राय दे रहे हैं। इसी बीच कपिल देव ने सूर्या ब्रिगेड को रास्ता दिखाया और उन्हें अपना काम सही तरह से करने की सलाह दी। उन्होंने भारतीय टीम को खेल पर फोकस करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि सरकार अपना काम करेगी और टीम इंडिया को सिर्फ एशिया कप जीतने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम को सिर्फ गेम पर फोकस करना चाहिए। उनके पास अच्छी टीम है और उन्हें जीतना ही होगा। खिलाड़ियों को सिर्फ अपने प्रदर्शन पर ध्यान देना चाहिए और किसी अन्य चीज के चलते अपना ध्यान नहीं भटकाना चाहिए।

पाकिस्तान के साथ मैच खेलने के पीछे क्या है मजबूरी?

पूर्व खेल मंत्री अनुराग ठाकुर का बयान

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 में 14 सितंबर को भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले क्रिकेट मैच को लेकर सियासत गरमा गई है। विपक्षी पार्टियां जहां इस मैच के खिलाफ आंदोलन शुरू कर दिया है। पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों पर 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाने के बाद कई पूर्व क्रिकेटरों और प्रशंसकों ने इस मैच के बहिष्कार की मांग कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी इस पर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी ने इस मैच का विरोध करते हुए सड़कों पर आंदोलन शुरू कर दिया है। आम आदमी पार्टी के मुखिया और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल समेत अन्य नेताओं ने इस मैच को लेकर सीधे पीएम नरेंद्र मोदी पर हमला बोला है। इतने विरोध के बावजूद आखिर ये मैच भारत के लिए खेलना क्यों जरूरी है? पूर्व खेल मंत्री और बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने इसकी वजह बताई है। पाकिस्तान के साथ मैच खेलने के पीछे क्या है मजबूरी? अनुराग ठाकुर ने बताया कि एशियाई क्रिकेट परिषद या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा आयोजित टूर्नामेंट में ऐसे मुकाबलों से बचा नहीं जा सकता। यदि कोई देश ऐसे टूर्नामेंट में खेलने से मना करता है, तो उसे प्रतियोगिता से बाहर होना पड़ सकता है या उसे अंक गंवाने पड़ सकते हैं। अगर भारत नहीं खेलता पाक के साथ मैच तो क्या होगा? अनुराग ठाकुर ने बताया, जब एसीसी या आईसीसी के टूर्नामेंट होते हैं, तो देशों के लिए खेलना अनिवार्य हो जाता है। अगर वे ऐसा नहीं करते, तो उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ेगा या मैच छोड़ना पड़ेगा और अंक दूसरी टीम को मिल जाएंगे।₹ उन्होंने यह भी दोहराया कि भारत, पाकिस्तान के साथ कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेलता है। 'अब खून और क्रिकेट एक साथ कैसे बहेंगे', उद्धव की शिवसेना हुई आगबबूला, मैच के खिलाफ आंदोलन का ऐलान भारत ने वर्षो पहले लिया था ये फैसला भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी द्विपक्षीय सीरीज 2012-13 में हुई थी। इसके बाद से दोनों टीमें केवल एशिया कप, वनडे वर्ल्ड कप और टी20 वर्ल्ड कप जैसे टूर्नामेंट में ही आमने-सामने आई हैं। भारत ने यह फैसला वर्षों पहले लिया था कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद बंद नहीं करता, तब तक द्विपक्षीय क्रिकेट नहीं खेला जाएगा।

Courses Offered

UG ENGLISH MEDIUM
B. Com (Computer Applications)
B. Com (Banking & Insurance)
B. Com (Practical Accounting & Taxation)
B.B.A (Bachelor of Business Administration)
B.B.A (Business Analytics)
B.Sc. Life Science
B.Sc. Physical Science
B.Sc. (Data Sciences)
B.Sc. (Artificial Intelligence & Machine Learning)
B. Voc (Hospitality & Tourism Administration)

PG ENGLISH MEDIUM
M.Com.
M.Sc. (Applied Statistics)
M.Sc. (Mathematics)

HINDI MEDIUM
INTER (CEC)
B.Com (General)
B.A. (H.H.P)
M.A. (Hindi)

HMV UG & PG COLLEGE
(HINDI MAHAVIDYALAYA)
AUTONOMOUS & NAAC - RE ACCREDITED
(Affiliated to Osmania University)
Nallakunta, Hyderabad - 500 044 (T.S)
For Futher Details & Admission Contact : 040-27616330, 8712608261
Email : info@hindimahavidyalaya.ac.in

SBI | HOME LOANS
The banker to every Indian
हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
Celebrate the season of happiness at your own address.

Competitive interest rates
No hidden charges
Low processing fees
Apply for a home loan today. Call: 1800 1234 / 1800 11 2018 | Visit: homeloans.sbi
For Details Scan QR Code
This product maps to the following SDGs and contributes towards Sustainable India.
Follow us on

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान
(केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)
रेवेन्यू बोर्ड कॉलोनी, गड्डिअन्नारम, हैदराबाद- 500 036, तेलंगाना, भारत
National Institute of Indian Medical Heritage
(Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, Ministry of AYUSH, Govt. of India)
Revenue Board Colony, Gaddiannaram, Hyderabad-500 036, T.S. India.

हिन्दी दिवस की शुभकामंनाएं

भारतीय चिकित्सा ज्ञान: भविष्य की पीढ़ियों के लिए धरोहर

प्रियजनों,
हमारा गौरवशाली अतीत हमारी ताकत है, और इसे सहेजना हमारी जिम्मेदारी है। हैदराबाद में स्थित राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (NIIMH) दशकों से पारंपरिक चिकित्सा के संरक्षण और प्रचार के लिए काम कर रहा है। 3 जून 2024 को विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने इसे पारंपरिक चिकित्सा में अनुसंधान के लिए अपने पहले सहयोगी केंद्र के रूप में चुना है। साथ ही, यह डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के अंतर्गत द्रव्यगुण और आयुर्वेद सिद्धांतों में पीएचडी केंद्र के रूप में भी मान्यता प्राप्त है।

हमारा मेडिको-हिस्टोरिकल संग्रहालय अनूठा है, जहाँ आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और योग से जुड़ी हजारों पुरातात्विक वस्तुएँ, पांडुलिपियाँ और लोक चिकित्सा पद्धतियाँ संरक्षित हैं। यह संग्रहालय इतिहासकारों, वैज्ञानिकों और जनता में हमारी विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाता है। हमारी लाइब्रेरी में 500 से अधिक पांडुलिपियाँ, 20,000 से ज्यादा किताबें और सैकड़ों पत्रिकाएँ हैं, जिनमें दुर्लभ ग्रंथ शामिल हैं। अमर वेब पोर्टल के माध्यम से हम इन पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण, लिप्यंतरण, अनुवाद और प्रकाशन कर रहे हैं, ताकि यह ज्ञान जन-जन तक पहुँचे।

आपसे अपील है कि भारतीय चिकित्सा संपदा को सहेजने में सहयोग करें। यदि आपके पास पुरानी पांडुलिपियाँ, आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध या योग से संबंधित ग्रंथ, या पुरातात्विक सामग्री जैसे सिक्के, मूर्तियाँ या चिकित्सा उपकरण हैं, तो कृपया उन्हें NIIMH को दान करें। हम इनका आपके नाम के साथ संरक्षण करेंगे और आपको प्रमाणपत्र प्रदान करेंगे। आप CSR या व्यक्तिगत रूप से धनराशि भी दान कर सकते हैं, जिसका उपयोग अनुसंधान उपकरण, संग्रहालय विकास, चिकित्सा शिविर और स्वास्थ्य कार्यक्रमों के लिए होगा।

हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम अपनी समृद्ध विरासत को बचाएँ और भविष्य की पीढ़ियों तक पहुँचाएँ। आपके सहयोग से यह संभव होगा। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट https://niimh.nic.in पर जाएँ।

जय हिन्द, जय आयुर्वेद!

डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद
प्रभारी सहायक निदेशक
राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान
सर्वे नंबर 314, रेवेन्यू बोर्ड कॉलनी, गड्डीअन्नारम,
हैदराबाद - 500036
ई-मेल: niimh.hyderabad@gmail.com

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें
Phone: 040-24067388, 9531830002
E mail: niimh.hyderabad@gmail.com

सीएसआईआर - भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान
(विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन)
तारनाका, उप्पल रोड, हैदराबाद – 500 007, तेलंगाना, भारत
औद्योगिक दृष्टिकोण एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता

हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

दृष्टिकोण
रसायन विज्ञान और रासायनिक प्रौद्योगिकी में उत्कृष्ट ज्ञान आधार तैयार करते हुए समाज की सेवा

- अग्रणी आधारभूत और अनुप्रयुक्त अनुसंधान
- उन्नत अनुसंधान एवं विकास सुविधा
- प्रभावशाली प्रकाशन
- उत्कृष्ट नियोजन रिकॉर्ड
- हरा-भरा परिसर

विभाग
- विश्लेषणात्मक एवं संरचनात्मक रसायन विज्ञान
- अनुप्रयुक्त जीव विज्ञान
- उत्प्रेरण एवं सूक्ष्म रसायन
- रासायनिक अभियांत्रिकी एवं प्रक्रिया प्रौद्योगिकी
- ऊर्जा एवं पर्यावरणीय अभियांत्रिकी
- फ्लोरो एवं कृषि-रसायन
- प्राकृतिक उत्पाद एवं औषधीय रसायन विज्ञान
- तेल, लिपिड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
- कार्बनिक संश्लेषण एवं प्रक्रिया रसायन विज्ञान
- बहुलक एवं क्रियात्मक पदार्थ

हम रसायन और रासायनिक प्रौद्योगिकी समाधान उपलब्ध कराते है।
विज्ञान के भावी नायकों को तैयार करते हैं।

क्या आप हमसे जुड़ना चाहेंगे !

संपर्क:
निदेशक
सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान
तारनाका, हैदराबाद – 500 007, तेलंगाना, भारत
दूरभाष: +91-40-2719-3030
फैक्स: +91-40-2719-0387
ई-मेल: director@iict.res.in
वेबसाईट: www.iict.res.in
हमसे जुड़ें : csiriict_official iictindia @csiriict iict-csir-b371221b3

मंत्री ने केडब्ल्यूडीटी मामले पर कानूनी तैयारियों की समीक्षा की

तेलंगाना के बड़े हिस्से का दावा किया

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने कृष्णा जल विवाद में तेलंगाना के हितों की रक्षा के लिए कांग्रेस सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई है और कहा है कि राज्य के पानी की एक भी बूंद बर्बाद नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सिंचाई, पेयजल और औद्योगिक जरूरतों के लिए कृष्णा जल का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए हर संभव उपाय किए जा रहे हैं। मंत्री ने शनिवार को जलसौधा में सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ वकील सी.एस. वैद्यनाथन और कानूनी एवं तकनीकी विशेषज्ञों की एक टीम के साथ एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। यह चर्चा 23 से 25 सितंबर तक नई दिल्ली में होने वाली कृष्णा जल विवाद न्यायाधिकरण-II (केडब्ल्यूडीटी-II) की महत्वपूर्ण सुनवाई की तैयारी के लिए की गई। आगामी सत्र को "संभवतः सुनवाई का अंतिम दौर" बताते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना को अपना पक्ष स्पष्टता और दृढ़ता के साथ प्रस्तुत करना चाहिए। उन्होंने विशेषज्ञों को बताया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने भी इस मामले पर परामर्श में शामिल होने के लिए अपने कार्यक्रम में बदलाव किया है। उन्होंने कहा, हम मुख्यमंत्री को न्यायाधिकरण के समक्ष रखे गए मुद्दों, अब तक हुई प्रगति और कृष्णा जल में तेलंगाना के उचित हिस्से को सुरक्षित करने के लिए आवश्यक अन्य कदमों के बारे में जानकारी देंगे।

मांस व्यवसाय उद्यम की योजना बना रहे हैं ???
मांस व्यवसाय उद्यम शुरू करना या अपने मांस व्यवसाय में तेजी लाना चाहते हैं ?
हम आपकी मदद कर सकते हैं....!
भा.कृ.अनु.प – रा.मां.अनु. संस्थान, का कृषि व्यवसाय ऊष्मायन केंद्र मांस व्यवसाय के स्टार्ट- अप और उद्यमों को स्वच्छ मांस उत्पादन और विभिन्न मूल्य वर्धित उत्पादों के प्रसंस्करण के लिए समाधान विकसित करने में सहायता करता है।
• प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण
• वैज्ञानिक और तकनीकी परामर्श
• अवसंरचना सुविधाएं : बूचड़खाने,
• मांस प्रसंस्करण संयंत्र और स्टार्ट-अप के लिए कार्यालय स्थान
• व्यवसाय विकास और नेटवर्किंग के अवसर
• नियामक आवश्यकताओं पर जानकारी स्टार्ट- अप इन्क्यूबेटिस के लिए कौशल विकास और क्षमता निर्माण कार्यक्रम
• विपणन सहायता की सुविधा

अब तक का सफर

हमारे ग्राहक पोर्टफोलियो

हमारे सहयोगि

संपर्क करें
कृषि व्यवसाय ऊष्मायन केंद्र
भा.कृ.अनु.प - राष्ट्रीय मांस अनुसंधान संस्थान,
चेंगिचेर्ला, पी. बी. नंबर 19, बोडुप्पल पी ओ, हैदराबाद -500 092
वेब:https://nmri.res.in/ /ई –मेल: abinrcmeat@gmail.com,
फोन:040-29801672/73/74,29804541 (विस्तार)110 । फैक्स:040-29804259

एनएमडीसी
NMDC
एनएमडीसी की ओर से हिन्दी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।
हिन्दी है हमारी शान, देश की एकता का अभिमान
भारत की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन नवरत्न कंपनी है, जो औद्योगिक प्रगति की जीवन रेखा है ।
मानव एवं भूमंडल के लिए उत्तरदायित्वपूर्ण खनन एनएमडीसी की मूल भावना है और इसके लिए यह निरंतर नवाचार के साथ अत्याधुनिक तकनीकों का प्रयोग कर रहा है।
nmdc.co.in
/nmdclimited
वैज्ञानिक। सुस्थिर। खुशियां बिखेरते हुए
एनएमडीसी लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
पंजीकृत कार्यालयः खनिज भवन, 10–3–311/ए, कैसल हिल्स, मासाब टैंक, हैदराबाद – 500028
सीआईएनः L13100TG1958GOI001674

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.